सुविचार

बुद्धिमान मनुष्य का एक दिन मूर्ख के जीवन भर के बराबर होता है।

Daily

THE PHOTON NEWS

सच के हक में...

Published from Ranchi

Ranchi ● Thursday, 16 November 2023 ● Year : 01 ● Issue : 296 ● Ranchi Edition ● Page : 12 ● Price : 3 ● www.thephotonnews.com

E-Paper : epaper.thephotonnews.com

करीना कपूर ने किया खुलासा, पांच साल...

SHARE

सेंसेक्स	:	65,675.93
निफ्टी	:	19,675.45

SARAFA

सोना	:	5,755
चांदी	:	77.07

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

BRIEF NEWS

दिल्ली के लोगों की सांसों पर सितम ढाने लगी हवा

NEW DELHI : जहरीली हवा राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के लोगों की सांसों पर फिर सितम ढाने लगी है। समग्र वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) पिछले 48 घंटे से 'गंभीर' श्रेणी में है। आने वाले दिनों में स्थिति और भयावह हो सकती है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अनुसार आज सुबह दिल्ली के आनंद विहार में एक्यूआई 430, आरकेपुरम में 417, पंजाबी बाग में 423 और जहांगीरपुरी में 428 रहा। बोर्ड ने कल सुबह कहा था कि दिल्ली-एनसीआर में वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) का स्तर 450 पर आ गया। बुधवार सुबह राजधानी के आरकेपुरम में एक्यूआई 417, पंजाबी बाग में 410, आईटीओ में 430 और जहांगीरपुरी में 428 दर्ज किया गया था। देश की राजधानी दिल्ली में दीपावाली के बाद से लगातार प्रदूषण का स्तर बढ़ रहा है। दीपावाली के एक दिन पहले दिल्ली में वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) घटकर 300 के नीचे पहुंच गया था।

घुसपैठ करते एक आतंकी को सुरक्षाबलों ने किया ढेर

BARAMULA : बारामूला जिले के उड़ी सेक्टर में सतर्क सुरक्षा बलों ने बुधवार को नियंत्रण रेखा के पास घुसपैठ की कोशिश करते हुए एक आतंकवादी को मार गिराया है। आतंकवादी खराब दृश्यता और खराब मौसम का फायदा उठाकर घुसपैठ की कोशिश कर रहे थे। क्षेत्र में अन्य आतंकियों की संभावना के चलते सेना का अभियान अभी भी जारी है। सेना के एक बयान के अनुसार नियंत्रण रेखा के पार से भारी हथियारों से लैस आतंकवादियों के उड़ी सेक्टर में घुसपैठ का इनपुट खुफिया एजेंसियों से मिला था। इस पर जम्मू-कश्मीर पुलिस और सैनिकों को हाई अलर्ट पर रखा गया था। इसी दौरान सुरक्षाबलों ने आतंकियों के एक दल को घुसपैठ करते देखा, जिसके बाद जवानों ने उन्हें ललकारा तो आतंकियों ने गोलीबारी शुरू कर दी, जिसके बाद जवाबी कार्रवाई में एक आतंकी मारा गया।

हमास सीजफायर के लिए तैयार, 50 बंधक करेगा रिहा

TEL AVIV : न्यूज एजेंसी रॉयटर्स ने कतर के अफसरों के हवाले से दावा किया है कि हमास सीजफायर के लिए राजी है। इसके लिए वो 50 बंधक भी रिहा करने के लिए तैयार हो गया है, लेकिन बदले में चाहता है कि इजराइली सेना 3 दिन हमले न करे। इस रिपोर्ट में दावा किया गया है कि हमास ने ये भी कहा है कि वो इजराइल को भी कुछ फिलिस्तीनी महिलाओं और बच्चों को रिहा करना होगा। इजराइल की तरफ से कोई जवाब नहीं दिया गया है। 7 अक्टूबर को शुरू हुई इजराइल हमास जंग के बीच पहली बार एक फ्यूल टैंकर गाजा पहुंचा।

स्थापना दिवस पर झारखंड में मोदी ने किया 73000 करोड़ रुपये की योजनाओं की बारिश

पीवीटीजी विकास मिशन का भी किया शुभारंभ, 28 लाख की आबादी को होगा लाभ

PHOTON NEWS RANCHI : जनजातीय गौरव दिवस और भगवान बिरसा मुंडा की जयंती पर 15 नवंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 49 हजार करोड़ की जनजातीय कल्याण एवं विकास परियोजनाओं की सौगात दी। साथ ही विकसित भारत संकल्प यात्रा का आगाज किया। इसके अलावा पीएम जनजातीय आदिवासी न्याय महाभियान की शुरूआत की। उन्होंने आठ करोड़ लाभार्थियों के लिए पीएम किसान निधि की 15वीं किस्त भी जारी की। प्रधानमंत्री ने विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूहों के विकास के लिए 24,000 करोड़ रुपये की योजनाओं की भी शुरूआत बटन दबाकर डिजिटल रूप से की। साथ ही विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूह (पीएम पीवीटीजी) मिशन की शुरूआत की, जिसके दायरे में लगभग 28 लाख पीवीटीजी आएंगे। मिशन के तहत पीवीटीजी क्षेत्रों में सड़क और टेलीकॉम कनेक्टिविटी, पावर, सुरक्षित घर, साफ पीने का पानी और सफाई, शिक्षा, स्वास्थ्य और पोषण तक बेहतर पहुंच और टिकाऊ रहन-सहन के मौके जैसी बुनियादी सुविधाएं मुहैया कराई जाएंगी। विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए नरेन्द्र मोदी ने कहा कि पीएम जनमन योजना के तहत सबसे पिछड़े आदिवासियों तक सरकार पहुंचने वाली है, जिन्हें अब तक नजर अंदाज किया गया। उन्होंने कहा कि विकसित भारत के संकल्प का एक प्रमुख आधार है। पीएम जनमन यानी पीएम जनजाति आदिवासी न्याय महाअभियान। उन्होंने कहा कि मोदी हिम्मत करके निकला है, आदिवासी न्याय अभिमान लेकर। आजादी के बाद कई दशकों तक आदिवासी समाज को नजरअंदाज किया गया। हमारी सरकार के दौरान अब आदिवासी कल्याण का बजट पहले के मुकाबले काफी बढ़ चुका है। पीएम ने कहा कि झारखंड आना मुझे पुरानी यादों को ताजा करने का अवसर देता है। आयुष्मान योजना की शुरूआत झारखंड से ही की थी। आज झारखंड की पावन भूमि से एक नहीं बल्कि दो ऐतिहासिक अभियानों शुरूआत होने जा रही है।

पेज 2 व 3 भी देखें।

भगवान बिरसा मुंडा की जयंती पर खूंटी में कार्यक्रम के दौरान सीएम हेमंत सोरेन से बात करते नरेंद्र मोदी।

कर्ज चुकाने आया हूं : पीएम

प्रधानमंत्री बुधवार को जनजातीय गौरव के प्रतीक भगवान बिरसा मुंडा की जन्मस्थली उलिहातू पहंचे। बिरसा ओड़ा में उनकी प्रतिमा पर श्रद्धासुमन अर्पित किया और वहां की मिट्टी का तिलक लगाया। राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन और मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने भी धरती आबा को नमन किया। मोदी ने उलिहातू के बाद खूंटी के बिरसा कॉलेज परिसर स्थित बिरसा मुंडा स्टेडियम में जनसभा को संबोधित किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि मैंने कभी समाज के आखिरी व्यक्ति का नमक खाया है। मैं आज भगवान बिरसा मुंडा की धरती पर वह कर्ज चुकाने आया हूं। उन्होंने कहा कि देश के 18,000 गांव ऐसे थे जहां बिजली नहीं पहुंची थी। उन्हें अंधेरे में जीने के लिए छोड़ दिया गया था। क्योंकि, वहां बिजली पहुंचाने के लिए कई तरह की मुश्किलें थी। मोदी ने कहा कि मक्खन पर लकीर तो सभी खींचते हैं लेकिन हम पत्थर पर लकीर खींचने में लगे हैं।

22 हजार गांवों के आदिवासियों पर खर्च होंगे 24 हजार करोड़ : मोदी

प्रधानमंत्री ने कहा कि पीएम जनमन के तहत सरकार उन आदिवासी भाई-बहनों तक पहुंचेगी, जिन तक अभी नहीं पहुंचा गया है। ये वे जनजातीय समूह हैं, जिनमें से अधिकतर लोग अब भी जंगलों में रहने को मजबूर है। उन्होंने कहा कि ये लोग रेल को देखने की बात छोड़ो, उसकी आवाज भी नहीं सुनी है। देश के 22 हजार से ज्यादा गांवों में रह रहे ऐसे 75 जनजातीय समुदाय की पहचान सरकार ने की है। इनपर 24 हजार करोड़ रुपये खर्च किए जागंगे। प्रधानमंत्री ने कहा कि आजादी के 75 साल बाद भी आदिवासियों को सुविधाएं नहीं मिली। प्रधानमंत्री ने कहा कि देश का दुर्भाग्य है कि आजादी के बाद ऐसे वीरों के साथ न्याय नहीं हुआ। मुझे संतोष है कि आजादी के 75 वर्ष होने पर अमृत महोत्सव के दौरान हमने ऐसे वीरों को याद किया। झारखंड आना मुझे पुरानी यादों को ताजा करने का अवसर देता है। आयुष्मान योजना की शुरूआत झारखंड से ही की थी। आज झारखंड की पावन भूमि से एक नहीं बल्कि दो ऐतिहासिक अभियानों शुरूआत होने जा रही है। विकसित भारत यात्रा, सेचुरेशन सरकार के लक्ष्यों को प्राप्त करने का सशक्त माध्यम बनेगी। पीएम जनजातीय आदिवासी न्याय महाअभियान से आदिवासियों के साथ न्याय हो सकेगा।

पीएम का संदेश आदिवासियों के लिए मील का पत्थर साबित होगा : हेमंत

मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने कहा कि प्रधानमंत्री का उलिहातू आगमन एवं इस कार्यक्रम का आयोजन पूरे देश को जोड़ेगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की उपस्थिति में सोरेन ने कहा कि उलिहातू की इस पावन भूमि पर प्रधानमंत्री पहली बार आये हैं। आशा और उम्मीद है कि प्रधानमंत्री का आज का संदेश आदिवासियों के लिए मील का पत्थर साबित होगा। मुख्यमंत्री बुधवार को धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा जयंती एवं जनजातीय गौरव महोत्सव-2023 के अवसर पर खूंटी में आयोजित जनसभा को सम्बोधित कर रहे थे। सोरेन ने कहा कि बिरसा मुंडा पूरे देश के आदिवासियों के भगवान हैं। झारखंड हमेशा से वीरों की भूमि रही है। इसका प्रत्यक्ष उदाहरण प्रधानमंत्री ने रांची स्थित भगवान बिरसा मुंडा जनजातीय स्वतंत्रता सेनानी संग्रहालय में देखा है। उन्होंने प्रधानमंत्री से आदिवासी धर्म कोड की चिर प्रतीक्षित मांग पर सकारात्मक निर्णय लेने का आग्रह किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि झारखंड आदिवासी बहुल राज्य है। मैं भी आदिवासी समुदाय से आता हूं और मुझे आदिवासी होने पर गर्व है। आदिवासी हक और अधिकार की लड़ाई लड़ता आया है। फिर वह लड़ाई महाजनों के विरुद्ध हो या अंग्रेजों के, लेकिन दुर्भाग्य है कि इतिहासकारों ने इन्हें उचित जगह नहीं दिया।

जम्मू-कश्मीर में दर्दनाक सड़क हादसा, 37 की मौत, 19 घायल

किश्तवाड़ से जम्मू जा रही बस 300 फीट गहरी खाई में गिरी

AGENCY JAMMU : जम्मू संभाग के डोडा जिले के अस्सर में सवारियों से भरी बस अनियंत्रित होकर 300 फीट गहरी खाई में जा गिरी, जिससे 37 लोगों की मौत हो गई। हादसे में दर्जनों यात्री घायल हैं। घायलों को अस्पताल जीएमसी डोडा पहुंचाया गया है। जानकारी के अनुसार डोडा से जम्मू के लिए निकली बस अस्सर के पास ओवरटेक करते हुए अनियंत्रित होकर गहरी खाई में जा गिरी। हादसे में 37 लोगों की मौत व 19 घायल हो गए। घायलों में कई की हालत गंभीर है। हादसे के बाद आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और पुलिस को घटना की जानकारी दी।

300 फीट गहरी खाई में गिरी बस बुरी तरह दुर्घनाग्रस्त हो गई।

पीएम ने जताया दुख, दो-दो लाख का मुआवजा

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने डोडा में हुई बस दुर्घटना पर दुख जताया है। उन्होंने हादसे में जान गंवाने वालों के परिवार को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से दो-दो लाख रुपये और घायलों को 50-50 हजार की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की। प्रधानमंत्री ने एक्स पर साझा किए संदेश में कहा कि हादसे के पीड़ित परिवारों के प्रति मेरी संवेदनाएं जिन्होंने अपने प्रियजनों को खो दिया है। घायलों के जल्द ठीक होने की प्रार्थना करता हूं। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने जम्मू बस हादसे पर दुख जताया है। उन्होंने कहा- डोडा बस हादसे के बारे में जानकर आहत हूं।

इटावा में चलती ट्रेन में लगी आग, आठ घायल

ETAWAH : इटावा में बुधवार को नई दिल्ली-दरभंगा एक्सप्रेस (02570) में आग लग गई। ट्रेन का एस-1 कोच पूरी तरह जल गया। चलती ट्रेन में धुआं उठता देख यात्रियों में भगदड़ मच गई। उन्होंने कूदकर अपनी जान बचाई। हादसे में 8 यात्री घायल हुए हैं, जिन्हें एंबुलेंस से जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हादसा सराय भूपत रेलवे स्टेशन के पास शाम 6 बजे हुआ। बताया जा रहा है कि उस समय ट्रेन की स्पीड 20 से 30 किमी प्रतिघंटा के बीच थी। छठ पर्व के कारण बोगी में क्षमता से दोगुने यात्री सवार थे। कानपुर-दिल्ली रेल मार्ग पर ओवरहेड इलेक्ट्रिक लाइन बंद कर दी गई है। 16 ट्रेनें जहां थीं, वहीं रोक दी गई हैं। इस ट्रेन से बड़ी संख्या में लोग छठ पूजा के लिए बिहार जा रहे थे। ट्रेन के एस-1 कोच में धुआं उठता देख यात्रियों में अफरातफरी मच गई। ट्रेन के धीमा होते ही यात्रियों ने कूदकर अपनी जान बचाई। कुछ ही मिनटों में पूरी ट्रेन खाली हो गई। आग एस-1 बोगी के पास वाले कोच तक भी पहुंच गई। मौके पर फायर ब्रिगेड की टीम पहुंची और आग को बुझाया।

टनल हादसा : 92 घंटे से अधिक समय से फंसी है 40 जिंदगियां

12 नवंबर को हुआ था हादसा, आज सभी के सुरक्षित निकलने की उम्मीद

AGENCY UTTARKASHI : उत्तराखंड के उत्तरकाशी में 12 नवंबर की सुबह 4 बजे एक निमार्णाधीन टनल धंस गई थी। पिछले 92 घंटे से अधिक समय से 40 मजदूर अंदर फंसे हुए हैं। चारधाम प्रोजेक्ट के तहत यह टनल ब्रह्मखाल और यमुनोत्री नेशनल हाईवे पर सिल्क्यारा और डंडलगांव के बीच बनाई जा रही है। फंसे हुए मजदूर बिहार, झारखंड, उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, ओडिशा, उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश के हैं। इंजीनियर और ड्रिलिंग एक्सपर्ट आदेश जैन ने बताया कि टनल में फंसे सभी लोग 101% सुरक्षित हैं। गुरुवार शाम या रात तक सभी को सुरंग से सुरक्षित निकाल लिया जाएगा।

- टनल के अंदर झारखंड के 15, उत्तर प्रदेश के 8, ओडिशा के 5, बिहार के 4, पश्चिम बंगाल के 3, उत्तराखंड के 2, असम के 2 और हिमाचल प्रदेश का एक मजदूर फंसे हैं

एयरलिफ्ट कर झारखंड लाए जायेंगे श्रामीक

निमार्णाधीन सुरंग में फंसे मजदूरों की सकुशल वापसी के लिए झारखंड आपदा की तीन सदस्यीय टीम वहां पहुंच है। सुरंग से बाहर निकलने के बाद सभी श्रमिकों को एयरलिफ्ट कर झारखंड लाया जायेगा। उत्तर काशी के आपदा प्रबंधन टीम ने बताया कि सभी श्रमिक सुरक्षित हैं और रेस्क्यू का कार्य अभी भी चल रहा है।

चौथी बार वनडे वर्ल्ड कप के फाइनल में भारत

न्यूजीलैंड को 70 रन से रौंदा, विराट और अय्यर ने जड़ा शतक

AGENCY NEW DELHI : भारत ने मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में खेले गए सेमीफाइनल में न्यूजीलैंड को 70 रन से हराकर वर्ल्ड कप के फाइनल में जगह बना ली है। भारतीय टीम चौथी बार फाइनल में पहुंची है। इससे पहले टीम 1983, 2003 और 2011 में इस टूनार्मेंट फाइनल में पहुंची थी। भारत ने 50 ओवर में 4 विकेट 397 रन बनाए। विराट कोहली ने करियर की 50वीं वनडे सेंचुरी जमाते हुए 117 रन की पारी खेली। श्रेयस अय्यर ने 105 रन बनाए। जवाब में न्यूजीलैंड की टीम 48.5 ओवर में 327 रन पर ऑलआउट हो गई। मोहम्मद शमी ने 7 विकेट लिया। वे शानदार गेंदबाजी के लिए मैन ऑफ द मैच रहे।

जीत के बाद जश्न मनाती भारतीय टीम।

कोहली का वनडे करियर का 50वां शतक पूरा

टीम इंडिया ने वानखेड़े मैदान पर टॉस जीतकर बल्लेबाजी करते हुए 50 ओवर में 4 विकेट पर 397 रन बनाए। यह वर्ल्ड कप के नॉकआउट मुकाबले में किसी भी टीम का सबसे बड़ा स्कोर है। इससे पहले, यह रिकॉर्ड 393 रन का था। जो न्यूजीलैंड ने 2015 वर्ल्ड कप के क्वार्टर फाइनल में वेस्टइंडीज के खिलाफ वेलिंग्टन में बनाया था। विराट कोहली ने 113 बॉल 117 रन की पारी खेली। उन्होंने वनडे करियर का 50वां शतक जमाया। वे वनडे में सबसे ज्यादा शतक जमाने वाले बल्लेबाज बन गए। विराट ने सचिन तेंदुलकर के 49 शतकों का रिकॉर्ड तोड़ा। दूसरी ओर श्रेयस अय्यर ने 70 बॉल पर 105 रन बनाए। अय्यर ने वर्ल्ड कप में लगातार दूसरी सेंचुरी जमाई। शुभमन गिल ने 66 बॉल पर 80 और कप्तान रोहित शर्मा ने 29 बॉल पर 47 रन की पारी खेली।

डेथ ओवर्स में भारत ने 110 रन बनाए

41 से 50 ओवर के बीच भारत ने 110 रन बनाए और न्यूजीलैंड को 398 रन का टारगेट दिया। विराट कोहली ने 106 बॉल पर अपना शतक पूरा किया और वह 117 रन बनाकर आउट हुए। उनके बाद श्रेयस अय्यर ने भी 70 बॉल पर 105 रन की पारी खेली। केएल राहुल 20 बॉल में 39 रन बनाकर नॉटआउट रहे। आखिरी 10 ओवर में टीम ने 3 ही गंवाए। मिडिल ओवर्स में भारत ने शानदार साझेदारियां की। रोहित के आउट हो जाने के बाद विराट कोहली और शुभमन गिल ने 93 रन की साझेदारी की। गिल 79 रन बनाकर रिटायर्ड हर्ट हुए। इसके बाद श्रेयस अय्यर और विराट कोहली ने साथ शतकीय साझेदारी की। न्यूजीलैंड पूरी तरह गेम से बाहर दिखा। बीच में रचिन रवींद्र भी आए, लेकिन भारतीय बल्लेबाजों ने रचिन की खराब गेंदों को पहचाना और बड़े शॉट्स खेले।

राज्य में ईडी अफसरों को मिली 'एक्स' श्रेणी की सुरक्षा

CRIME REPORTER RANCHI : झारखंड में बहुचर्चित धनशोधन मामलों (मनी लाउंड्रिंग) की जांच कर रहे प्रवर्तन निदेशालय (इडी) के सहायक निदेशक देवव्रत झा को केंद्र सरकार की ओर से सशस्त्र सुरक्षा कवर प्रदान किया गया है। सूत्रों ने पीटीआई-भाषा को बताया कि केंद्रीय सुरक्षा एजेंसियों द्वारा संभावित खतरेवाले लोगों के बारे में तैयार रिपोर्ट में इडी के सहायक निदेशक देवव्रत झा को बाहुबलियों और माफियाओं से खतरे की आशंका का जिक्र किये जाने के बाद केंद्रीय गृह मंत्रालय ने उन्हें एक्स श्रेणी की सशस्त्र सुरक्षा प्रदान की है। देवव्रत झा रांची में कई धनशोधन मामलों के जांच अधिकारी भी हैं। केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल की वीआइपी सुरक्षा शाखा को झा को 24 घंटे सुरक्षा प्रदान करने की जिम्मेदारी सौंपी गयी है।

क्या है पूरा मामला

सुरक्षा प्रदान करने का फैसला ऐसे वक्त आया है जब जांच एजेंसी ने तीन नवंबर को रांची के बिरसा मुंडा केंद्रीय कारा में तलाशी ली, जिसके बाद उसे सूचना मिली कि एजेंसी जिन धनशोधन मामलों की जांच कर रही है उनके कुछ आरोपियों और स्थानीय बाहुबलियों द्वारा गवाहों को प्रभावित करने, इडी अधिकारियों को निशाना बनाने और विभिन्न मामलों में सबूत नष्ट करने की साजिश रची जा रही है। इन मामलों में इडी द्वारा गिरफ्तार कई आरोपी बिरसा मुंडा जेल में बंद हैं। अधिकारियों ने कहा कि केंद्रीय सुरक्षा बलों को भी निर्देश दिया गया है कि जब भी एजेंसी के वरिष्ठ अधिकारी इन मामलों की निगरानी के लिए राज्य का दौरा करें तो उन्हें सशस्त्र सुरक्षा प्रदान की जाये।

BRIEF NEWS

कोकर काली पूजा समिति में जागरण का आयोजन

RANCHI : श्री श्री काली पूजा समिति बजरंग क्लब में जागरण का आयोजन किया गया । जागरण में भक्तों ने माता के गानों में बहुत झूमा और आनंद लिया। भंडारा का आयोजन भी किया गया। भारी संख्या में भक्तों ने प्रसाद को ग्रहण किया। आज विशाल शोभा यात्रा संध्या 6:00 बजे निकाला जाएगा।

अधिकारियों ने बिरसा मुंडा को श्रद्धा सुमन अर्पित किया

KODERMA : झारखंड स्थापना दिवस और धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की जयंती के अवसर पर पुलिस अधीक्षक अनुदीप सिंह एवं उप विकास आयुक्त ऋतुराज ने समाहरणालय परिसर में उनकी चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धा सुमन अर्पित किए। इसके साथ ही अपर समाहर्ता अनिल तिर्की, निदेशक डीआरडीए गौरांग महतो, जिला परिवहन पदाधिकारी विजय कुमार सोनी, जिला आपूर्ति पदाधिकारी, उप निर्वाचन पदाधिकारी जयपाल सोय, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी शिवनंदन बड़ाइक, सहायक जनसंपर्क अधिकारी अविनाश कुमार समेत पदाधिकारियों व कर्मियों ने भगवान बिरसा मुंडा के चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धा सुमन अर्पित किए।

भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर किया गया माल्यार्पण

LOHARDAGA : महान स्वतंत्रता सेनानी भगवान बिरसा मुंडा जयंती-सह-राज्य स्थापना दिवस के मौके पर आज महान स्वतंत्रता सेनानी बिरसा मुंडा समेत अन्य महापुरुषों की प्रतिमा पर उपायुक्त डॉ वाघमारे प्रसाद कृष्ण, पुलिस अधीक्षक हारिस बिन जमा, वन प्रमण्डल पदाधिकारी अरविंद कुमार, उप विकास आयुक्त जय ज्योति सामंता समेत अन्य जिला स्तरीय पदाधिकारियों ने माल्यार्पण व पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धासुमन अर्पित की। इसके अलावा विभिन्न राजनीतिक एवं सामाजिक संगठनों के द्वारा भी बिरसा मुंडा को श्रद्धा सूमन अर्पित किया गया।मौके पर विभिन्न कार्यक्रमों का भी आयोजन किया गया।

धारदार हथियार से महिला की हत्या, प्राथमिकी दर्ज

DUMKA : तालझारी के गंदेरिया गांव में मंगलवार रात रुपा टुडू (45) की तेज धारदार हथियार से मारकर हत्या कर दी गई है। घटना के वक्त परिवार के सभी लोग काली मेला देखने के लिए गए थे और पति मजदूरी करने के लिए बाहर गया हुआ है। महिला घर पर अकेली थी। वापस लौटने पर परिजनों ने देखा कि वह मृत पड़ी हुई है। वह खून से लतपथ हालत में है। यह देखकर परिवार के सभी सदस्य स्तब्ध रह गए। शोर मचाकर आसपास के लोगों को जुटाया गया। परिजन रात में ही अपनी मां को लेकर दुमका के फुलो-झानो मेडिकल कॉलेज अस्पताल लेकर चले आए थे,पर यहां के चिकित्सकों ने महिला को मृत घोषित कर दिया था। परिजनों ने बुधवार को पड़ोस के दो लोगों पर मां की हत्या कर देने की आशंका जताते हुए तालझारी थाना में प्राथमिकी दर्ज करायी है। परिजनों का आरोप है कि कुछ दिनों पहले उसकी मां और पड़ोस के लोगों के साथ विवाद हुआ था और उक्त लोगों ने मां को जान से मार देने की धमकी दी थी। नगर थाना की पुलिस ने परिजनों का बयान लेते हुए शव का पोस्टमार्टम कराया और उसके परिजनों को सौंप दिया। पुलिस ने मामले की छानबीन में जुट गई है।

उलिहातू पहुंचे प्रधानमंत्री का राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन एवं मुख्यमंत्री ने किया स्वागत

प्रधानमंत्री जंगल में रहने वाले आदिवासियों के लिए भी लाएं विकास योजनाएं : हेमंत सोरेन

PHOTON NEWS KHUNTI : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी बुधवार को भगवान बिरसा मुंडा की जन्मस्थली उलिहातू पहुंचे। यहां उन्होंने सबसे पहले धरती आबा को नमन किया। बिरसा ओडा में उनकी प्रतिमा पर श्रद्धासुमन अर्पित कर शहीद स्थल की मिट्टी का तिलक लगाया। राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन ने प्रधानमंत्री का स्वागत किया। उन्हें शॉल और भगवान बिरसा की प्रतिमा दी। केन्द्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा ने प्रधानमंत्री को टोपी और एक सरना शॉल भेंट की। इसके अलावा प्रधानमंत्री को प्रतिमा, पेंटिंग और कई अन्य उपहार भी दिए गए।

प्रधानमंत्री को भगवान बिरसा की प्रतिमा देकर स्वागत करते मुख्यमंत्री। ● फोटोन न्यूज

इस अवसर पर जनसभा को संबोधित करते हुऐ मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि मैं एक आदिवासी राज्य का नेतृत्व कर रहा हूं। हम विकास की कतार में खड़े अंतिम व्यक्ति की बात करते हैं। हमने सरकार आपके द्वार के माध्यम से यह प्रयास किया है। हमने हर एक व्यक्ति को विकास से जोड़ने की कोशिश की है। प्रधानमंत्री यहां आये हैं तो आशा है कि आदिवासी विकास का लक्ष्य हम पूरा करेंगे।

उन्होंने कहा कि आपने इस कार्यक्रम से पूरे देश को जोड़ा है। यह आदिवासियों के लिए मील का पत्थर साबित हो। झारखंड इसमें बढ़-चढ़कर हिस्सा लेगा। झारखंड हमेशा प्रयास करता रहा है। प्रधानमंत्री से हम आग्रह करना चाहेंगे जो आदिवासी जंगल में बसते हैं वे विस्थापन का दंश झेलते हैं। इनके लिए भी प्रधानमंत्री कोई खास योजना लाएं, जिससे इनका भला हो। हेमंत सोरेन ने कहा कि हम प्रधानमंत्री को सुनने के लिए यहां आये हैं।

केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा ने योजनाओं का जिक्र किया, जिसमें आदिवासी समाज के विकास पर जोर दिया जायेगा। उन्होंने प्रधानमंत्री का आभार जताया। साथ ही कहा कि यह पहला अवसर है जब देश के प्रधानमंत्री भगवान बिरसा मुंडा के गांव पहुंचे हैं। जनजातीय गौरव का यह नया अध्याय बना है। पूरे देश में इस मिट्टी से सुगंध के रूप में फैले, इसलिए कई राज्यों के मुख्यमंत्री और राज्यपाल जुड़े हैं। पूरा देश आज खूंटी में भगवान बिरसा मुंडा की धरती से जुड़ा है। यह एक नयी यात्रा का आगाज है। यहां से विकसित भारत संकल्प यात्रा का भी आगाज हो रहा है।

ओरमांझी प्रखंड अंतर्गत ग्राम कुच्चू निवासी किसान भानु प्रताप महतो ने केंद्र सरकार द्वारा चलायी जा रही प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना को किसानों के लिए वरदान व लाभकारी बताया। उन्होंने कहा कि हमें 13 वीं किस्त मिली है। सम्मान निधि से मिलनेवाली राशि से किसानों को खेती लगाने में मदद मिलती है। किसान समय पर खाद बीज आसानी से खरीद कर खेती लगाकर लाभ उठा रहे हैं। वहीं चकला ग्राम के किसान राजेश्वर महतो ने कहा कि हमें जब स्कीम शुरू हुआ है, तब से लगातार प्रधानमंत्री किसान समान निधि की राशि मिल रही है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा चलायी गयी यह योजना किसानों के लिए महत्वपूर्ण और लाभकारी है। समय पर योजना की राशि मिलने से किसानों को खेती करने के लिए बीज और खाद खरीदने में मदद मिल रही है।

प्रधानमंत्री ने किसानों के खाते में ट्रांसफर किए 18 हजार करोड़ रुपये

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बिरसा मुंडा की धरती से आठ करोड़ किसानों को प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना की 15वीं किस्त की राशि डीबीटी के माध्यम जारी कर दी है। जिसके बाद 18 हजार करोड़ की राशि देश भर के किसानों के खाते में पहुंच गई। इसमें झारखंड के करीब 12 लाख किसानों के खाते में भी राशि ट्रांसफर हुई है। 12 लाख किसानों के सभी कागजात पूरे हो चुके थे। शेष किसानों का कागजात अपडेट होने के बाद राशि भेजी जायेगी। यह स्कीम 2018-19 में शुरू हुआ है। उसके बाद से किसानों को राशि दी जा रही है। राज्य में सबसे पहले 28 लाख किसानों के खाते में राशि गयी थी। इस स्कीम के तहत चार माह पर किसानों के खाते में दो हजार रुपये दिये जाते हैं। 15वीं किस्त खूंटी से जारी की गई।

मुश्किल वक्त में काम आता है यह पैसा

प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना की राशि मिलने से बुंडू के मुकुंदर महतो खुश हैं। वह कहते हैं कि प्रधानमंत्री किसान निधि योजना से मिली राशि को कृषि कार्य की उपयोग में लगाते हैं। इस राशि से खेती के समय किसान अपनी खेतीबाड़ी के लिए खाद-बीज की खरीदारी करते हैं। यह मुश्किल वक्त में काम आता है। यह राशि किसानों के लिए सबसे फायदेमंद साबित हो रही है। इन्हें पिछले छह वर्षों से किसान सम्मान निधि की राशि मिलती है।

सुदेश महतो ने बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर दी श्रद्धांजलि

बिरसा मुंडा के साहस और संघर्ष को आत्मसात करना ही उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि : सुदेश महतो

PHOTON NEWS RANCHI : आजसू पार्टी अध्यक्ष सुदेश कुमार महतो ने कहा कि धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा सदैव हमारे प्रेरणा के स्त्रोत बने रहेंगे। बिरसा मुंडा का सम्पूर्ण जीवन राज्य की संपदा जल, जंगल व जमीन की सुरक्षा के लिए समर्पित रहा। राज्य की पहचान यहां की जनजातीय सभ्यता संस्कृति है। प्रदेश के युवाओं को बिरसा मुंडा के योगदान को याद करते हुए जीवन में आगे बढ़ने की आवश्यकता है। बिरसा मुंडा के विचारों को, उनके साहस, संघर्ष को आत्मसात करना ही उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

कार्यक्रम में उपस्थित सुदेश महतो व अन्य। ● फोटोन न्यूज

सुदेश कुमार महतो बुधवार को भगवान बिरसा मुंडा जयंती के अवसर पर सिल्ली में धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित करने के बाद संबोधित कर रहे थे। सभी राज्यवासियों को राज्य स्थापना दिवस की बधाई देते हुए उन्होंने कहा कि हमें गर्व है कि हमारा जन्म वीरों की धरती झारखंड पर हुआ है। भगवान बिरसा मुंडा समेत सभी क्रांतिकारियों के सपने का झारखंड बनाना प्रदेश के हर व्यक्ति की जिम्मेदारी है लेकिन आज वक्त की मांग है कि इसकी अगुवाई राज्य की युवा पीढ़ी करे।

पीएम के उलिहातु आने पर बाबूलाल मरांडी ने जताया आभार, बोले-

प्रधानमंत्री ने झारखंड के भाई-बहनों को त्योहारों का ब्याज सहित दिया उपहार

PHOTON NEWS RANCHI : भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने कहा कि भगवान बिरसा जयंती, राज्य स्थापना दिवस, जनजाति गौरव दिवस, भाई दूज, सोहराई पर्व पर झारखंड में उपहारों की बौछार हुई। मरांडी ने प्रधानमंत्री का आभार जताते हुए कहा कि नरेन्द्र मोदी ने झारखंड की जनता को सभी पर्वों का एक साथ ब्याज सहित उपहार दिया। प्रधानमंत्री का भगवान बिरसा के जन्मस्थान उलिहातु आना झारखंड के इतिहास में स्वर्णाक्षरों में अंकित हो गया।

जनता को संबोधित करते बाबूलाल मरांडी। ● फोटोन न्यूज

उन्होंने कहा कि जनजाति समाज के लिए पीएम जनजातीय आदिवासी न्याय महा अभियान पीएम जनमन में आदिवासियों के लिए सम्मान और उनकी मूलभूत समस्याओं का समाधान दोनों समाहित है। साथ ही कहा कि 24 हजार करोड़ की यह परियोजना वंचित और विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूहों के समग्र विकास के लिए समर्पित है। धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की धरती से परियोजना की शुरूआत राज्य के लिए गौरव की बात है।

प्रदेश संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह ने कहा कि पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों में प्रदेश के प्रमुख नेताओं की व्यस्तता के बीच अल्प सूचना पर रांची में 10 स्थानों पर प्रधानमंत्री का भव्य स्वागत कुशल रणनीति, योजना और कार्यकर्ताओं के समर्पण को दशार्ता है। ठंड के महीने में पर्व-त्योहारों के बीच लाखों लोगों का 10 जिलों से खूंटी पहुंचाना यह कुशल संगठनात्मक संरचना का ही परिणाम है।

मालसिरिंग गांव में बिरसा मुंडा की प्रतिमा का किया गया अनावरण

बिरसा मुंडा की प्रतिमा का अनावरण करते अतिथि। ● फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS RANCHI : मालसिरिंग गांव में बिरसा मुंडा की प्रतिमा का अनावरण बुधवार को कांके प्रखण्ड प्रमुख सोमनाथ मुंडा, पूर्व शिक्षा मंत्री गीताश्री उरांव और कांग्रेस के प्रदेश महासचिव सुरेश बैठा के द्वारा किया गया। प्रतिमा के अनावरण होने पर, लोगों में एक नया जोश उत्कृष्ट हो रहा है। मौके पर मौजूद कांके प्रमुख सोमनाथ मुंडा ने कहा कि मानवाधिकार योद्धा बिरसा मुंडा की जयंती महत्वपूर्ण उत्सव के रूप में सजीव हो रहा है। बिरसा मुंडा भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के प्रमुख नेताओं में से एक थे। उन्होंने आदिवासी समुदायों के अधिकारों की रक्षा की और उन्हें समर्थन दिया। उनका साहस और समर्पण आज भी हमें प्रेरित करता है। उन्होंने भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वहीं सुरेश बैठा ने कहा कि बिरसा मुंडा का योगदान हमारी समृद्धि और समृद्धि की दिशा में महत्वपूर्ण है। आज हम सभी को धरती आबा वीर भगवान बिरसा मुंडा के बताए रास्ते पर चलने की जरूरत है।

वन अधिकार विषयक पर कार्यशाला का आयोजन

गुरुजी स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना का मिलेगा लाभ, उपायुक्त ने प्रचार-प्रसार के दिये निर्देश

PHOTON NEWS PALAMU : आपकी योजना-आपकी सरकार-आपके द्वार के तहत 24 नंवबर से पंचायतों में लगने वाले शिविरों में पात्र लाभुकों को अबुवा बीर दिशोम अभियान अंतर्गत वनाधिकार पट्टा से लाभान्वित किया जा सके। इसी उद्देश्य से बुधवार को समाहरणालय के सभागार में उपायुक्त शशि रंजन की अध्यक्षता में वन अधिकार विषयक को लेकर कार्यशाला का आयोजन किया गया।

बैठक में शामिल उपायुक्त व अन्य। ● फोटोन न्यूज

वन प्रमंडल पदाधिकारी सौमित्र शुक्ला के द्वारा पीपीटी प्रेजेंटेशन के माध्यम से अबुआ वीर दिशोम अभियान के संचालन एवं लाभुकों को योजना के माध्यम से लाभान्वित करने के लिए पूरी प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी दी गई। उन्होंने वन अधिकार पट्टा दिए जाने में अधिकारियों द्वारा किए जाने वाले कार्यों, ग्राम सभा का महत्व, वन अधिकार समिति द्वारा किए जाने वाले कार्यों के बारे में बताया।

कार्यशाला के दौरान जिले में लाभुकों को व्यक्तिगत, सामुदायिक एवं सामुदायिक वन संसाधन वन अधिकार पट्टा दिए जाने को लेकर चर्चा की गयी। कार्यशाला में उपस्थित एसडीओ, सीओ, मुखिया से उपायुक्त ने ज्यादा से ज्यादा लाभुकों को सामुदायिक वन अधिकार पट्टा व ट्राइबल समूह के लोगों को वन अधिकार पट्टा के लाभ से आच्छादित करने में सहयोग करने की अपील की। इसी तरह उपायुक्त ने शिक्षा पदाधिकारी को गुरुजी स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना का व्यापक रूप से प्रचार-प्रसार करवाने व शिविरों में इसके तहत आवेदन भी लेने हेतु निर्देशित किया।

पायोनियर सीड्स कंपनी की तरफ से मेगा फील्ड शो का आयोजन

कार्यक्रम में उपस्थित लोग। ● फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS PALAMU : कांके प्रखंड के पतागाएं ग्राम में पायोनियर बीज कंपनी की तरफ से मेगा फील्ड शो का आयोजन किया गया, जिसमें पायोनियर 27पी37 हाइब्रिड धान का वजन अन्य धान के वजन से काफी अधिक निकल के आया। इस मौके पर कंपनी के जोनल मैनेजर अभिषेक सिंह ने 27पी37 धान लगाने वाले किसान को अंगवस्त्र और मेडल देकर सम्मानित किया।

कंपनी के टीबीएम शिवम मिश्रा ने किसानों को लागत पर लाभ के जरिए 27पी37 लगाकर कैसे प्रति एकड़ अधिक लाभ कमाया जाए ये जानकारी दी। कंपनी के क्षेत्रिय प्रतिनिधि सफीउल्ला, शरण और अवि अहमद ने किसानों की आय बढ़ाने के तरीके, सब्जी आदि फसलों में लगने वाले रोग के लिए विभिन्न दवाएं आदि के बारे में किसानों को बताया।

इस मौके पर लगभग 200 से अधिक किसानों ने गोष्ठी में भाग लिया, और हाथ उठा के सहमित दी की पायनियर 27पी37 हाइब्रिड धान ही है हर हाल बेमिसाल जो किसी भी परिस्थिति में रोके ना रुके।

मेदिनीनगर पहुंचे आजाद समाज पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष ने कार्यकर्ताओं के साथ की बैठक

वंचितों के उत्थान के लिए हुआ पार्टी का गठन : काशीफ

PHOTON NEWS PALAMU : झारखंड में नवगठित आजाद समाज पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष काशीफ रजा बुधवार को मेदिनीनगर पहुंचे। उन्होंने परिसदन में पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ संगठन को लेकर बैठक की। मौके पर पलामू कमिटी की घोषणा की। काशीम रजा ने पत्रकारों से भी बातचीत की।

बैठक में उपस्थित काशीफ रजा व अन्य। ● फोटोन न्यूज

उन्होंने कहा कि बहुजन समाज, शोषित व वंचितों की अवाज बनने के लिए उनकी पार्टी का गठन किया गया है। संगठन को सशक्त बनाने के लिए कई स्तरों पर कार्य किया जा रहा है। आगामी लोकसभा चुनाव लड़ने को लेकर उन्होंने कहा कि इसके लिए तीन दिसंबर को होने वाली बैठक के बाद अंतिम निर्णय लिया जायेगा। उन्होंने कहा कि पलामू की सभी पांच सीटों समेत 25 विधानसभा सीट से उनकी पार्टी चुनाव लड़ेगी। उन्होंने बताया कि उनकी पार्टी कैडर के अनुसार कार्य करती है। सशक्त कोर कमिटी बड़े फैसले लेती है। बीजेपी को छोड़कर किसी पार्टी का कैडर नहीं है।

उन्होंने झारखंड सरकार की आलोचना करते हुए कहा कि अबतक मॉब लिंचिंग कानून पास नहीं हुआ है। हेट स्पीच के मामले लगातार सामने आ रहे हैं, लेकिन कार्रवाई नहीं हो रही है। मॉब लिंचिंग की घटनाएं भी बढ़ी हैं। पिछले दिनों पांकी के भाजपा विधायक डा. शशिभूषण मेहता ने विशेष समुदाय को टारगेट करते हुए हेट स्पीच दिया था। संविधान में ऐसे मामलों को लेकर एफआइआर दर्ज करने का प्रावधान है, लेकिन कई दिन बीत जाने के बाद भी पांकी विधायक के खिलाफ एमआइआर नहीं की गयी है। उन्होंने कहा कि सत्ता में आने के बाद राजनीतिक पार्टियों स्वार्थ में आ जाती हैं, लेकिन उनकी पार्टी ऐसा नहीं करेगी। यूथ और महिलाओं पर फोकस है। गठबंधन की बात आयेगी तो विचारधारा के अनुरूप निर्णय लिया जायेगा।

मो. शहरयार अली बने अध्यक्ष: मौके पर पलामू जिला की 16 सदस्यीय कमिटी की घोषणा की गई। मो. शहरयार अली को जिला अध्यक्ष बनाया गया। भूपेंद्र चौधरी, रौशन मेहता को उपाध्यक्ष, श्रावण रजक, राजा कुमार रवि, दीपक कुमार, सत्येन्द्र राम, नरेश कुमार भारती, अजीत कुमार, चंद्रप्रकाश पासवान, अनुज कुमार, इबरार अहमद, मो. सद्दाम, वसीम जावेद फहद फारूक, भूपेंद्र चौधरी को पार्टी में अलग अलग पद पर जिम्मेदारी दी गई है। सभी ने शपथ ली कि भारत के संविधान को इस देश में पूर्ण रूप से लागू करेंगे और शोषित, वंचित, पीड़ित समाज को संविधान द्वारा दिये गए अधिकार को दिलाने के लिए हर संभव प्रयास करेंगे।

मुखियाओं को मिला बैटरी युक्त कचरा वाहन, अब पंचायतों से उठेगा कचरा, तैयार होगा रॉ-मेटेरियल

PHOTON NEWS PALAMU : अब पंचायत क्षेत्र से भी प्लास्टिक कचरा का उठाव किया जायेगा। इसके लिए पीएचइडी की ओर से सभी मुखिया सह अध्यक्ष ग्राम जल एवं स्वच्छता समिति को ई-प्लास्टिक-कचरा उठाव वाहन सौंपने का निर्णय लिया गया है। बुधवार को इसकी शुरूआत करते हुए 10 मुखिया को बैटरीयुक्त वाहन उपलब्ध कराया गया। उपायुक्त ने मुखिया को वाहन की चाभी सौंपते हुए हरी झंडी दिखाकर गाड़ियों को रवाना किया।

मौके पर उपायुक्त ने कहा कि स्वच्छ भारत बनाने के लिए अग्रसर हैं। अब पंचायत स्तर पर प्लास्टिक कचरा एकत्रित किया जायेगा और उसे प्रखंड स्तर पर लाया जायेगा। पंचायतों में साफ सफाई होने से बापू का सपना साकार होगा।

मुखिया को वाहन की चाबी सौंपते उपायुक्त। ● फोटोन न्यूज

पीएचइडी के कार्यपालक अभियंता रामेश्वर गुप्ता ने बताया कि जिले में प्लास्टिक मुक्त अभियान को सफल बनाने के उद्देश्य से पंचायत से प्रखंड स्तर पर प्लास्टिक को पृथिकरण शेड तक पहुंचाया जायेगा। प्रखंड स्तर पर शेग्रीगेशन शेड बनाया जा रहा है। शेड में प्लास्टिक से रॉ मेंटेरियल तैयार किया जायेगा एवं पंचायत व प्रखंड में रोजगार के लिए लाइवलिहुड का सृजन होगा। हैदरनगर, लेस्लीगंज एवं पांकी में स्थल चयन कर लिया गया है। बाकी प्रखंडों के लिए पत्र लिख जाएगा।

जिले की सभी 265 पंचायतों को यह गाड़ी राज्य से दी जानी है। 15वीं वित्त के तहत इसका संचालन किया जाएगा। अभी तक जिले में 10 पंचायतों चौनपुर में अवसाने, बंदुआ, बसरिया कला, भड़गांवा, चांदो, पूर्वडीहा एवं झरिवा, जबकि मेदिनीनगर सदर प्रखंड में चियांकी, जोंड़ एवं लहलहे पंचायत को यह वाहन दे दिया गया है।

BRIEF NEWS

युवक ने की आत्महत्या

RANCHI : आरेमांझी थाना क्षेत्र के कटहल टोली स्थित घर में बुधवार को जगरनाथ सिंह के पुत्र मिथलेश सिंह ने पंखे की कुंडी में गमछे के सहारे लटकर खुदकुशी कर ली बताया जाता है कि मिथलेश की पत्नी पल्लवी देवी 15 दिनों पूर्व खूंटी स्थित मायके अपनी पुत्री के साथ चली गयी थी। तब से युवक तनाव में था। घटना की सूचना मिलते ही हुटूप टीओपी पुलिस मौके पर पहुंची और जांच कर शव को पोस्टमार्टम के लिए रिम्स भेज दिया।

लायंस क्लब ने नेत्रहीन छात्रों को कराया भोजन

RANCHI : लायंस क्लब ऑफ रांची ईस्ट की ओर से बुधवार को बहुबाजार स्थित संत माइकल ब्लाइंड स्कूल के छात्रों को भोजन कराया गया। लायंस क्लब ऑफ रांची ईस्ट के सदस्यों ने इन छात्रों के बीच कुछ समय व्यतीत कर इनका उत्साह बढ़ाया। इस अवसर पर संगीता गोयल, रेणु जयसवाल,नरेश कुमार,विजया केडिया, नीरज कांत शाहा , रतन अग्रवाल सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

टीएसी की बैठक आज

RANCHI : झारखंड ट्राइब्स एडवाइजरी काउंसिल (झारखंड जनजातीय परामर्शदात्री परिषद) की बैठक 16 नवंबर को होगी। आधिकारिक सूत्रों ने बुधवार को बताया कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की अध्यक्षता में करीब एक साल के बाद टीएसी की बैठक हो रही है। इसमें विभिन्न मुद्दों पर चर्चा होगी। इसके अलावा झारखंड पंचायत उपबंध 2022 के औपबंधिक प्रारूप पर चर्चा होगी। साथ ही द प्रोविसंस ऑफ म्यूनिसिप्लिटिस बिल 2001 पर चर्चा की जाएगी।

बिरसा मुंडा के वंशजों से माफी मांगे पीएम : जदयू

RANCHI : जदयू के प्रदेश प्रवक्ता सागर कुमार ने कहा कि एक ओर जहां बिरसा मुंडा की जयंती के अवसर पर उनके सम्मान में जनजातीय समुदाय के उत्थान के लिए विभिन्न घोषणाएं पीएम मोदी ने की। वहीं दूसरी ओर बिरसा के वंशजों ने घंटो इंतजार के बावजूद प्रधानमंत्री से मुलाकात नहीं होने पर निराश नजर आए। उन्होंने कहा कि बिरसा मुण्डा के वंशज प्रधानमंत्री के समक्ष कुछ बातें रखना चाहते थे। लेकिन उन्हें मिलने नहीं दिया गया। जबकि प्रधानमंत्री ने अपने भाषण में यह कहा कि बिरसा मुण्डा के परिजनों से सुखद मुलाकात हुई है। सागर ने कहा कि बिरसा के वंशजों के अपमान के लिए पीएम को माफी मांगनी चाहिए।

11 करोड़ रुपये से बनेगा सिल्ली में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र

RANCHI : झारखंड की ग्रामीण स्वास्थ्य व्यवस्था को दुरुस्त करने की कवायद में स्वास्थ्य विभाग और राज्य सरकार जुटा हुआ है। इसी कड़ी में रांची जिले के सिल्ली में 11 करोड़ रुपए से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के भवन निर्माण किया जाएगा। वित्तीय वर्ष 2023-24 में एनएचएम और राज्य योजना मद से 17 लाख 30 हजार रुपए का आवंटन किया गया है।

atom美
ATOMY
INDIA
RANCHI TEAM
WARRIOR CENTRE
4th Floor, Shop No. 22, 23, 24
Roshpa Roshpa Tower,
Main Road, Ranchi - 834001
Mob. 9334495776

स्थापना दिवस : झारखंड के लिए आज ऐतिहासिक और गौरव का दिन : हेमंत

वीर सपूतों की जननी रही है झारखंड, उनके त्याग और बलिदान कुछ करने की देती है प्रेरणा

PHOTON NEWS RANCHI : मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि झारखंड के लिए आज ऐतिहासिक और गौरव का दिन है। धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की जयंती पर आज पूरा देश उन्हें नमन कर रहा है। वहीं, राज्य अपनी स्थापना की 23वीं वर्षगांठ मना रहा है। आप सभी राज्य वासियों को भगवान बिरसा मुंडा की जयंती और राज्य स्थापना दिवस के पावन अवसर पर बहुत-बहुत शुभकामनाएं और जोहार। वे रांची के मोरहाबादी मैदान में बुधवार को बिरसा मुंडा की जयंती और राज्य स्थापना दिवस समारोह को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की जयंती पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का झारखंड की धरती पर आगमन हुआ। इस अवसर पर प्रधानमंत्री और राज्यपाल के साथ खूंटी के उलिहातू गांव में धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा को श्रद्धांजलि अर्पित करना और उनके वंशजों से मुलाकात करना काफी अविस्मरणीय रहा। मुख्यमंत्री ने कहा कि झारखंड की धरती ऐसे अनेक वीर सपूतों की जननी रही है, जिनके त्याग और बलिदान की संघर्ष गाथा हमें राष्ट्र और राज्य के लिए कुछ करने की प्रेरणा देती है तथा हमें साहस और बल प्रदान करती है। झारखंड के उन सच्चे सपूतों को भी शत-शत नमन करता हूं।

मोरहाबादी मैदान में आयोजित स्थापना दिवस समारोह में लोगों का अभिवादन स्वीकार करते सीएम हेमंत सोरेन।

प्राकृतिक संसाधनों से समृद्ध, फिर भी पिछड़ा राज्य

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह चिंता की बात है कि राज्य प्राकृतिक संसाधनों से समृद्ध है । देश का 42 प्रतिशत खनिज संसाधन यहां है। राज्य का 50 प्रतिशत हिस्सा जल- जंगल -जमीन और झाड़ से घिरा है। यहां कई बड़े औद्योगिक संस्थान हैं। फिर भी इसकी गिनती देश के पिछड़े राज्य में होती है। यहां के आदिवासी- मूलवासी सिर्फ गरीब ही नहीं हैं, बल्कि सामाजिक आर्थिक और शैक्षणिक, हर स्तर पर हाशिए पर हैं। अब पीछे देखने की बजाय राज्य कैसे आगे बढ़े, इस पर हमें मंथन करना होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य की 80 प्रतिशत आबादी गांवों में रहती है। उनकी जीविका का मुख्य साधन कृषि, पशुपालन और मजदूरी है। इन्हें कैसे सशक्त बनाया जाए? इनकी आय में कैसे वृद्धि हो? कृषि और पशुपालन की पारंपरिक व्यवस्था कैसे मजबूत हो? इस दिशा में सरकार बेहद गंभीर है। ऐसे में विभिन्न योजनाओं के माध्यम से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती देने का काम सरकार कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमने राज्य के लोगों से वादा किया था कि सभी को आवास उपलब्ध कराएंगे। अपने वादे को पूरा करते हुए हमने एक नई योजना अबुआ आवास योजना की शुरू की है। योजना अन्तर्गत आगामी 3 वर्षों में लगभग 8 लाख परिवारों को लाभान्वित किया जाएगा। इसी वित्तीय वर्ष में 2.5 लाख आवास निर्माण की कार्रवाई तत्परता से की जा रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार ने शिक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए राज्य के बच्चों को बेहतर और गुणवत्तायुक्त शिक्षा उपलब्ध कराने का संकल्प लिया है। झारखण्ड के बच्चों को निजी विद्यालयों की तर्ज पर शिक्षा देने के लिए सीबीएसई से संबद्ध 80 सीएम स्कूल ऑफ एक्सीलेंस शुरू किये गए हैं। वहीं, राज्य के वैसे छात्र जो 12वीं कक्षा के बाद आर्थिक कारणों से उच्च शिक्षा से वंचित रह जाते हैं, उन्हें आर्थिक सहायता देने के लिए गुरुजी स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना संचालित की जा रही है। मुख्यमंत्री शिक्षा प्रोत्साहन योजना तथा एकलव्य प्रशिक्षण योजना के माध्यम से छात्र-छात्राओं को नि:शुल्क प्रशिक्षण एवं कोचिंग की सुविधा दी जा रही है। इसके अलावा कल्याण विभाग के सभी छात्रावासों का जीर्णोद्धार कराया जा रहा है। यहां रहने वाले विद्यार्थियों को अब सिर्फ पढ़ने की जरूरत है । उनके लिए अनाज भी सरकार देगी और भोजन बनाने के लिए रसोईया भी रहेगा । छात्रावास की सुरक्षा के लिए गार्ड भी तैयार किए जाएंगे।

बड़े पैमाने पर हो रहीं नियुक्तियां

मुख्यमंत्री ने कहा कि झारखंड के विकास की गाथा रोजगार के बढ़ते आंकड़े बयां कर रहे हैं। राज्य में नियुक्ति की प्रक्रिया को तीव्र करते हुए विभिन्न कोटि के लगभग 38 हजार पदों पर नियुक्ति की प्रक्रिया जारी है। वहीं, हजारों की संख्या में नियुक्तियां हो चुकी है। प्रतियोगी परीक्षाओं में स्वच्छ एवं पारदर्शी चयन प्रक्रिया सुनिश्चित करने के लिए हमारी सरकार द्वारा झारखंड प्रतियोगी परीक्षा विधेयक, 2023 विधानसभा से पारित कराया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकारी नौकरी देने के साथ रोजगार मेला के माध्यम से अब तक 30 हजार नौजवानों को ऑफर लेटर दिया जा चुका है।

7042 करोड़ की योजनाओं की सौगात 18034 युवाओं को मिला ऑफर लेटर

PHOTON NEWS RANCHI : मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने बुधवार को रांची के मोरहाबादी मैदान में राज्य स्थापना दिवस पर आयोजित मुख्य समारोह में राज्यवासियों को कई तोहफे दिए। मुख्यमंत्री ने आपकी योजना-आपकी सरकार-आपके द्वार कार्यक्रम के तीसरे चरण, अबुआ आवास योजना और मुख्यमंत्री ग्राम गाड़ी योजना समेत कई योजनाओं तथा नीतियों का शुभारंभ किया। उन्होंने राज्य वासियों को 7042 करोड़ रुपये की 906 योजनाओं की सौगात दी। 18034 युवाओं को ऑफर लेटर देकर उनके हौसले और करियर को उड़ान दी। लगभग 260 करोड़ रुपये की परिसंपत्ति बांटकर लाभुकों को सशक्त और स्वावलंबी बनाने की राह दिखाई तो खिलाड़ियों को पुरस्कृत कर उनकी उपलब्धियों को सम्मान दिया।

अबुआ आवास योजना के तहत बनेंगे आठ लाख आवास : मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर अबुआ आवास योजना का शुभारंभ किया । इस योजना के तहत राज्य के ग्रामीण क्षेत्रों में आवास विहीन परिवारों और कच्चे तथा जर्जर आवास में रहने वाले परिवारों को आवास उपलब्ध कराया जाएगा। इस योजना के तहत अगले 3 वर्षों में 8 लाख लोगों को आवास उपलब्ध कराया जाएगा। इसमें वर्ष 2023-24 में 2 लाख, 24- 25 में 3 लाख 50 हजार और 2025-26 में 2 लाख 50 हजार आवास बनाए जाएंगे। इसके लिए 16,320 करोड रुपये का प्रावधान किया जा रहा है।

इन योजनाओं का हुआ आगाज

मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर 7042 करोड़ रुपये की 896 योजनाओं की सौगात दी। इसमें 1714 करोड रुपये की राशि से 229 योजनाओं का उद्घाटन और 5328 करोड़ रुपये की 677 योजनाओं का शिलान्यास शामिल है। जिन योजनाओं का उद्घाटन हुआ, उसमें ऊर्जा की 3, जल संसाधन विभाग के 7, नगर विकास एवं आवास विभाग के 3, ग्रामीण कार्य विभाग के 72, ग्रामीण विकास विभाग के 22, पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के 37, भवन निर्माण विभाग के 44, पथ निर्माण विभाग के 35 और उद्योग विभाग की 6 योजनाएं हैं। वही, जल संसाधन विभाग की 73, नगर विकास एवं आवास विभाग के 8, कृषि पशुपालन एवं सहकारिता विभाग के 4, ग्रामीण कार्य विभाग के 454, ग्रामीण विकास विभाग की 27, पथ निर्माण विभाग के 65, भवन निर्माण विभाग की 40 और पेयजल एवं स्वच्छता विभाग की 6 योजनाओं की आधारशिला रखी गई। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर आपकी योजना- आपकी सरकार- आपके द्वार कार्यक्रम के तीसरे चरण का शुभारंभ किया । इसके तहत पंचायत स्तर पर शिविर लगाकर आम ग्रामीणों से समस्याओं से संबंधित आवेदन प्राप्त कर इसका निष्पादन और योजना का लाभ शिविर में ही दिया जाएगा।

मोदी ने विकसित भारत के लिए दिया चार अमृत मंत्र

रांची एयरपोर्ट से दिल्ली लौटे प्रधानमंत्री

RANCHI : खूंटी में आयोजित कार्यक्रम के बाद बुधवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी दिल्ली लौट गये। रांची बिरसा मुंडा एयरपोर्ट पर राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन, मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा ने उन्हें सम्मान के साथ विदाई दी।

सीएम ने भगवान बिरसा मुंडा को दी श्रद्धांजलि

RANCHI : मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने बुधवार को भगवान बिरसा मुंडा को उनकी 148वीं जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित की। राजधानी रांची के कोकर स्थित उनके समाधि स्थल पर जाकर उन्हें अपने श्रद्धा सुमन अर्पित किए। उन्होंने एक्स पर लिखा- धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की जयंती पर शत-शत नमन। रांची में भगवान बिरसा मुंडा के समाधि स्थल पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा कि खूंटी जाकर भगवान बिरसा मुंडा को श्रद्धांजलि अर्पित करना और उनके वंशजों से मुलाकात करना काफी अविस्मरणीय रहा।

लोगों का अभिवादन स्वीकार करते पीएम नरेंद्र मोदी व हेमंत सोरेन।

PHOTON NEWS RANCHI : प्रधानमंत्री नरेंद्र मदी ने धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की जयंती पर झारखंड से देश को विकसित भारत बनाने के लिए चार अमृत मंत्र दिए। उन्होंने कहा कि अगर अगले 25 साल में हमें विकसित भारत की भव्य इमारत का निर्माण करना है, तो हमें चार अमृत स्तंभों को निरंतर मजबूत करना होगा। पीएम मोदी ने कहा कि हमारी सरकार ने जितना काम 10 साल में किया है, हम उससे भी ज्यादा, उससे भी ज्यादा ऊर्जा के साथ चार अमृत स्तंभों पर अपनी पूरी ताकत लगाएंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बताया कि ये चार स्तंभ भारत की नारी शक्ति, भारत के किसान भाई-बहन और किसानी के कारोबार से जुड़े लोग, पशुपालक, मछली पालक आदि, भारत की युवाशक्ति और भारत का मध्यम वर्ग, निम्न मध्यम वर्ग और गरीब हैं। उन्होंने यह भी कहा कि आदिवासियों का विकास होकर रहेगा। पीएम मोदी ने धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की भूमि खूंटी से विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूहों के विकास के लिए 24,000 करोड़ रुपए की परियोजनाओं की शुरूआत की। साथ ही आठ करोड़ लाभार्थियों को पीएम-किसान योजना की 15वीं किस्त के रूप में 18,000 करोड़ रुपये जारी किए। उन्होंने कहा कि जल जीवन मिशन के तहत 70 प्रतिशत आबादी को शामिल किया गया है। 13 करोड़ से अधिक लोगों को गरीबी रेखा से बाहर निकाला गया है। पीएम ने कहा कि स्वयं सहायता समूहों की दो करोड़ महिलाओं को लखपति बनाना उनका सपना है। पीएम मोदी ने कहा कि भारत को विकसित भारत बनाने के लिए महिलाओं को सशक्त बनाना होगा।

पीएम ने राजभवन में 1971 के युद्ध में इस्तेमाल मिग-21 लड़ाकू विमान का किया अनावरण

PHOTON NEWS RANCHI : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को रांची के राजभवन में मिग-21 लड़ाकू विमान का अनावरण किया। इस लड़ाकू विमान का इस्तेमाल 1971 के बांग्लादेश मुक्ति संग्राम में किया गया था। इस मौके पर झारखंड के राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन व सीएम हेमंत सोरेन मौजूद थे। आपको बता दें कि पीएम मोदी दो दिवसीय झारखंड दौरे पर मंगलवार की रात

साढ़े नौ बजे विशेष विमान से रांची एयरपोर्ट पहुंचे थे। बिरसा मुंडा एयरपोर्ट से उनका काफिला रोड शो करते हुए राजभवन पहुंचा था। यहां उन्होंने रात्रिविश्राम किया था। इसके बाद बुधवार (15 नवंबर) को वे रांची के बाद बिरसा मुंडा के गांव उलिहातू गए और उनकी जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि दी। झारखंड के राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन ने सोशल मीडिया एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर पोस्ट कर कहा कि आज बुधवार 15 नवंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राजभवन में मिकोयान गुरेविच (मिग-21) लड़ाकू विमान का अनावरण किया।

प्रधानमंत्री पहुंचे बिरसा मुंडा स्मृति संग्रहालय, धरती आबा को किया नमन, प्रतिमाओं का भी अवलोकन

PHOTON NEWS RANCHI : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार सुबह राजधानी रांची के जेल रोड स्थित भगवान बिरसा मुंडा जनजातीय स्वतंत्रता सेनानी संग्रहालय का भ्रमण किया। उन्होंने धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की जयंती पर संग्रहालय में भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। प्रधानमंत्री ने 'धरती आबा काराकक्ष' एवं परिसर में स्थापित शहीदों की प्रतिमाओं का भी अवलोकन किया। प्रधानमंत्री के साथ मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन और केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा भी थे। प्रधानमंत्री उस बैरक को देखने भी गए जहां अंतिम दिनों में भगवान बिरसा मुंडा ने अंतिम सांस ली थी। इस दौरान प्रधानमंत्री ने बैरक में मौजूद भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर पूरे देश की ओर से श्रद्धासुमन अर्पित किए।

कुछ देर के लिए बीच सड़क पर ही रूक गया काफिला, महिला को पूछताछ के बाद छोड़ा गया

पीएम की सुरक्षा में चूक, काफिले के सामने आई महिला

CRIME REPORTER RANCHI : राजधानी रांची में पीएम मोदी की सुरक्षा में एक बड़ी चूक सामने आयी है। पीएम मोदी की सुरक्षा में तैनात सुरक्षा कर्मियों के बीच उस वक्त अफरा तफरी का माहौल कायम हो गया, जब पीएम मोदी बुधवार की सुबह बिरसा मेमोरियल जा रहे थे। इसी दौरान एसएसपी आवास से आगे रेडियम रोड में पीएम मोदी के कार के आगे अचानक एक महिला आकर खड़ी हो गयी। जिसकी वजह से पीएम मोदी का काफिला कुछ देर के लिए बीच सड़क पर ही रूक गया। इस घटना के बाद मौके पर अफरा तफरी का माहौल कायम हो गया। हालांकि मौके पर मौजूद सुरक्षा कर्मियों ने उस महिला को हटाया। इसके बाद पीएम का काफिला आगे बढ़ा। इस विषय में बताया जा रहा है कि पीएम के कारकेड में प्रवेश करने की वजह से महिला संगीता झा को हिरासत में लिया गया था। पूछताछ के दौरान यह जानकारी मिली कि वह अपने पति से परेशान हैं और उसी को लेकर पीएम से मिलना चाहती थी। इसके बाद कागजी कार्रवाई करने के बाद महिला को छोड़ा गया। इस मामले की जांच की जा रही है।

पीएम मोदी के काफिला के आगे महिला (लाल घेरे में)

हरमू रोड में भी हुई थी सुरक्षा में चूक बाइक सवार को ढूंढ रही पुलिस

RANCHI : पीएम का दो दिवसीय दौरा खत्म हो चुका है। लेकिन इस दौरे के दरम्यान दो बार उनकी सुरक्षा में चूक दिखी। पहली चूक मंगलवार को तब हुई जब पीएम का काफिला हरमू रोड से राजभवन की तरफ बढ़ रहा था। दरअसल पीएम का काफिला जब एयरपोर्ट से राजभवन की ओर से बढ़ रहा था, तब हरमू रोड में उनके काफिले में एक मोटरसाइकिल सवार घुस गया। जिससे थोड़ी देर के लिए पीएम की सुरक्षा में लगे सभी सुरक्षाकर्मी अवाक रह गए। हालांकि मोटरसाइकल सवार कौन था और कहां से आया था, ये अब तक पता नहीं चल पाया है। लेकिन रांची पुलिस धुर्वा और सेल सिटी के इलाके में उस बाइकसवार की तलाश कर रही है। इसके साथ ही हरमू रोड और अरगोड़ा रोड के आस पास के सीसीटीवी फुटेज भी खंगाली जा रही है। जानकारी के मुताबिक पीएम की सुरक्षा में दो-दो बार चूक के मामले को एसपीजी (स्पेशल प्रोटेक्शन ग्रुप) ने काफी गंभीरता से लिया है और इस पूरे मामले की रिपोर्ट तैयार कर गृह मंत्रालय को भेजी जा सकती है। वहीं आईबी भी पूरे मामले में नजर बनाए हुए है।

पीएम की सुरक्षा में चूक मामले में तीन पुलिसकर्मी सस्पेंड

RANCHI : राजधानी रांची में पीएम मोदी की सुरक्षा में चूक होने के मामले में तीन पुलिसकर्मियों को सस्पेंड कर दिया गया है। जिनमें चाईबासा जिलाबल का एएसआई अबू जफर, आईआरबी 10 का हवलदार छोटेलाल टुडू और आरक्षी रंजन कुमार शामिल है। गौरतलब है कि पीएम मोदी की सुरक्षा में तैनात सुरक्षा कर्मियों के बीच उस वक्त अफरा-तफरी का माहौल कायम हो गया था। जब पीएम मोदी बुधवार की सुबह बिरसा मेमोरियल जा रहे थे। इसी दौरान एसएसपी आवास से आगे रेडियम रोड में पीएम मोदी की कार के आगे अचानक एक महिला आकर खड़ी हो गयी। जिसकी वजह से पीएम मोदी का काफिला कुछ देर के लिए बीच सड़क पर ही रूक गया। इस घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी का माहौल कायम हो गया।

पुलिस पदाधिकारी पर नाबालिग लड़की से यौन शोषण का आरोप

सीआईडी से शिकायत, महिला थाना में मामला दर्ज

CRIME REPORTER RANCHI : रांची जिला में पदस्थापित एक पुलिस पदाधिकारी के द्वारा नाबालिक लड़की के साथ पिछले एक साल से यौन शोषण किए जाने का मामला सामने आया है। इसको लेकर नाबालिग लड़की के द्वारा सीआइडी से शिकायत की गई है। जिसके बाद महिला थाना में मामला दर्ज किया गया है। सुखदेवनगर थाना क्षेत्र की रहने वाली नाबालिक लड़की ने सुखदेवनगर थाना में पदस्थापित एएसआई नीरज खोसला के खिलाफ सीआईडी में अपना बयान दर्ज कराया है। उधर, चाइल्ड राइट्स फाउंडेशन के सचिव ने कहा कि जिन पुलिस पर सबसे ज्यादा भरोसा होता है। वही उनका शोषण कर रहे हैं।

एक साल से कर रहा था हैवानियत

सीआईडी के समक्ष दिए बयान ने नाबालिक ने कहा है कि 15 अगस्त 2022 की रात मेरी मां बगल में किसी काम से गई हुई थी। मेरे पिताजी भी घर पर नहीं थे, तभी मेरे बगलगीर नीरज खोसला मेरे घर आए और हमको बुलाकर अपने घर ले गये। उसके घर में कोई नहीं था। नीरज अंकल मुझे बुलाकर छत पर ले गये और मेरे साथ गलत तरीके से शरीर को छूने लगे फिर नीचे अपने बेडरूम में लाकर मेरा पैंट खोलकर मेरे साथ गलत करने लगे। मेरे मना करने पर मेरे पिताजी को जान से मारने की धमकी देकर मेरे साथ दुष्कर्म किया। मैं दर्द से कराहती रही, छोड़ने की विनती की परंतु उसने जबरदस्ती मेरे साथ दुष्कर्म किया। इसके बाद मेरे भाई एवं परिवार को जान से मारने की धमकी देकर मुझे घर भेज दिया।

BRIEF NEWS

आईईडी विस्फोट से दहला कोल्हान, एक घायल

CHAIBASA : पश्चिमी सिंहभूम के कोल्हान जंगल में फिर आईईडी विस्फोट की घटना हुई है। इसकी चपेट में आकर एक ग्रामीण घायल हो गया है. यह घटना गोईलकेरा थाना क्षेत्र के बोयपाईससांग के पास घटी. बताया जाता है कि गोईलकेरा थाना क्षेत्र के बरायबीर गांव निवासी मधु तैसुम मंगलवार की दोपहर कुछ ग्रामीणों के साथ साइकिल पर सवार होकर लकड़ी लाने बोयपाईससांग जंगल गया था. इसी दौरान साइकिल का पहला चक्का जमीन में गाड़े गए आईडी की चपेट में आने से विस्फोट हो गया. इससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया. इस घटना में उसके दोनों हाथ में गंभीर चोटें पहुंची. घायल अवस्था में ही मधु तैसुम गोईलकेरा के हाथीबुरु सीआरपीएफ कैम्प पहुंचा. जहां सीआरपीएफ जवानों ने उसका प्राथमिक इलाज किया. इसके बाद उसे बेहतर इलाज के लिए मंगलवार देर रात चक्रधरपुर के अनुमंडल अस्पताल लाया गया, जहां मधु तैसुम इलाजरत है.

कार दुर्घटना में दो की मौत, ग्रामीणों ने किया हाईवे जाम

SUNDARGARH : सुंदरगढ़ मे बुधवार को भीषण सड़क दुर्घटना में दो ग्रामीणों की मौत हो गई। हादसे के बाद घटनास्थल पर तनाव फैल गया। स्थानीय लोगों ने राज्य राजमार्ग संख्या 10 को जाम कर दिया है। घंटों दोनो तरफ सैकड़ों में गाड़ियां फंसी रही। हादसा सुंदरगढ़ जिले के बड़गांव थाना क्षेत्र के झारमुंडा के पास हुआ। बताया गया है कि सड़क पार करते समय तेज रफ्तार कार की टक्कर से दो ग्रामीणों की मौत हो गई। दुर्घटना करने के बाद कार चालक कार लेकर मौके से भाग गया। बताया जाता है कि कार राउरकेला से सुंदरगढ़ की ओर आ रही थी। हादसे के बाद घटनास्थल पर तनाव का माहौल है। दोनों मृतकों की पहचान जरांगलोई बस्ती के क्षीरोद प्रूसेठ और संभारू के साहू के रूप में की गई है। बाद में बताया गया कि स्थानीय लोगों ने कार का पीछा किया और उसे सुंदरगढ़ के पास जगतगढ़ के पास पकड़ लिया। पुलिस घटना की जांच कर रही है।

इंडो इंग्लिश स्कूल मे बाल दिवस पर रंगारंग कार्यक्रम का आयोजन

ROURKELA : बिरसा डाहर रोड स्थित इण्डो इंग्लिश स्कूल के परिसर में बाल दिवस के उपलक्ष्य में रंगारंग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का आयोजन विद्यालय के फाउंडर मंजू मुखर्जी, प्रिंसिपल बसंती मोहंती एवं सेक्रेटरी कंचन मिश्रा के उपस्थिति में किया गया। विद्यालय के नर्सरी कक्षा, के जी वन एवं के जी टू कक्षा के छोटे-छोटे बच्चों ने फैंसी ड्रेस एवं रैंप शो की प्रस्तुति दी। प्रथम कक्षा से लेकर चतुर्थ कक्षा के बच्चों ने स्वतंत्र भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू एवं बच्चों के प्रिय चाचा नेहरू के जीवन के विषय में कुछ दिल को छूने वाले शब्द कहे एवं एक से बढ़कर एक रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किए। विद्यालय की शिक्षिकाओं ने गीत एवं नृत्य प्रस्तुत किए जो बच्चों के दिलों को उत्साहित कर गया। रंगारंग कार्यक्रम का सफल आयोजन विद्यालय के सभी शिक्षकों, शिक्षिकाओं एवं अभिभावकों के सहयोग से संपन्न हुआ। इस दौरान मुख्य रूप से सबिता मिश्रा, चम्पा दत्ता, सुष्मिता दास, गीतारानी दास, श्रावनी धल, रिन्कू बोईपाई, रिना नायक, रत्ना बनर्जी, के लक्ष्मी, मौसमी बनर्जी, रुपा घोष, सीमा पाल एवं आराधना आचार्या का सहयोग सराहनीय रहा।

जयंती एवं स्थापना दिवस पर सांस्कृतिक कार्यक्रम-सह-परिसंपत्ति वितरण समारोह का आयोजन

धरती आबा के सिद्धांतों व आदर्शों का पालन करते हुए राज्य को आगे ले जाने की जरूरत : जोबा मांझी

- विभिन्न योजना-परियोजना के तहत 55 लाभुकों के बीच परिसंपत्ति व स्वीकृति पत्र का किया गया वितरण।

परिसंपतियों का वितरण करतीं मंत्री जोबा मांझी। ● फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS CHAIBASA : धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की जयंती व झारखंड राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर जिला प्रशासन के तत्वाधान में पिल्लई सभागार में सांस्कृतिक कार्यक्रम-सह-परिसंपत्ति वितरण समारोह का आयोजन किया गया। इसमें मुख्य अतिथि राज्य की महिला बाल विकास एवं सामाजिक सुरक्षा विभाग की मंत्री जोबा माझी, विशिष्ट अतिथि सांसद गीता कोड़ा, आयुक्त मनोज कुमार, सम्मानित अतिथि चाईबासा विधायक दीपक बिरुवा, मझगांव विधायक निरल पूर्ति, जिला परिषद अध्यक्ष लक्ष्मी सुरीन शामिल हुए। समारोह में सर्वप्रथम उपस्थित अतिथियों ने धरती आबा के चित्र पर पुष्प अर्पण उपरांत दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ किया।

सांस्कृतिक कार्यक्रम में स्कूली बच्चों के द्वारा नागपुरी गीत, हो गीत, आदिवासी गीत व बिरसा मुंडा आंदोलन की थीम पर शानदार नृत्य प्रस्तुत किया गया। इस अवसर पर उपस्थित मंत्री, सांसद, विधायक गण, जिला परिषद अध्यक्षा के कर-कमलों से मुख्यमंत्री पशुधन योजना, बिरसा फसल विस्तार योजना, मुख्यमंत्री कन्यादान योजना, सावित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि योजना, बिरसा सिंचाई कूप संवर्धन योजना, भीम राव अंबेडकर आवास योजना, जेएसएलपीएस आदि योजना/परियोजना तहत 55 लाभुकों के बीच विभिन्न परिसंपत्ति व स्वीकृति पत्र का भी वितरण किया गया।

समारोह को संबोधित करते हुए मंत्री जोबा माझी ने कहा कि धरती आबा के जन्म तिथि के दिन ही झारखंड राज्य का स्थापना दिवस भी है। हम सभी को धरती आबा के सिद्धांतों एवं उनके आदर्शों का पालन करते हुए इस राज्य को प्रगति के पथ पर आगे ले जाना है। इस अवसर पर सांसद गीता कोड़ा ने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा हमेशा अपने अधिकारों तथा सिद्धांतों के प्रति समर्पित रहे। उन्होंने समाज में दबे कुचले लोगों को अपने अधिकार की प्रति जागरूक किया और उसे प्राप्त करने के लिए संघर्ष करना भी बताया। समारोह में स्वागत भाषण के दौरान उपायुक्त के द्वारा धरती आबा के जीवन यात्रा का उल्लेख करते हुए सकारात्मक सोच के साथ लक्ष्य को प्राप्त करने हेतु भगवान बिरसा मुंडा द्वारा किए गए प्रयासों का अनुसरण कर सतत विकास की ओर अग्रसर रहने का आह्वान किया गया। समारोह दौरान सांस्कृतिक कार्यक्रम में प्रतिभागी सभी पांच विद्यालयों के टीमों को ट्रॉफी एवं चॉकलेट प्रदान कर उनका हौसला अफजाई कर समारोह के मंच से समस्त जिला वासियों को झारखंड राज्य स्थापना दिवस की बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित की गई।

उक्त अवसर पर उप विकास आयुक्त संदीप बक्शी, अपर उपायुक्त संतोष कुमार सिन्हा, सहायक समाहर्ता श्रुति राजलक्ष्मी, जिला परिवहन पदाधिकारी के राजहंस, सदर चाईबासा अनुमंडल पदाधिकारी शशीन्द्र बढाईक, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी ईशा खंडेलवाल, नजारत प्रभारी पदाधिकारी जयंत रंजन सहित सभी जिला स्तरीय पदाधिकारी, सामाजिक संगठन के प्रतिनिधि, जेएसएलपीएस दीदी व अन्य उपस्थित रहे।

राउरकेला में बिरसा मुंडा की 148वीं जयंती मनायी गयी

कार्यक्रम में उपस्थित लोग। ● फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS ROURKELA : स्वतंत्रता सेनानी बीर बिरसा मुंडा की 148वीं जयंती मनाई गई। सुबह बिरसा चौराहे पर बीर बिरसा मुंडा की मूर्ति पर विभिन्न संस्थाओं द्वारा श्रद्धासुमन अर्पित किया। इस कार्यक्रम में राउरकेला के अतिरिक्त जिला कलेक्टर डॉ. सुभांकर महापात्र, आरएसपी के प्रभारी निदेशक अतनु भौमिक, पानपोस उपजिलापाल विजय नायक और शहर के कई गणमान्य लोग शामिल हुए। बीरसा मुंडा प्रतिमा समिति एवं जिला प्रशासन द्वारा आयोजित जयंती कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रोफेसर विजय टोप्पो ने की।

बिरसा मुंडा का जन्म 1875 में झारखंड राज्य के खूंटी जिले में हुआ था। ब्रिटिश सरकार की आदिवासी विरोधी नीतियों के खिलाफ विद्रोह करने के आरोप में उन्हें मार्च महीने 1900 में गिरफ्तार कर लिया गया था। जून में रांची जेल में उनकी मृत्यु हो गई। उनकी मृत्यु के समय वह केवल 25 वर्ष के थे। उन्होंने ब्रिटिश सरकार के खिलाफ विद्रोह कर दिया क्योंकि आदिवासियों की जमीन ब्रिटिश सरकार और जमींदारों द्वारा हड़पी जा रही थी। आदिवासी मुंडा समुदाय उन्हें भगवान के रूप में पूजता है।

ऐतिहासिक गोपाष्टमी मेला 20 से

PHOTON NEWS CHAIBASA : श्री चाईबासा गौशाला की कार्यसमिति की बैठक में लिए गए निर्णय अनुसार 123वें ऐतिहासिक गोपाष्टमी मेले के आयोजनार्थ पूर्व की भांति विकाश मिश्रा ही कार्यक्रम संयोजक होंगे। विदित हो कि परम्परागत रूप से गौ पूजन सह गौ नगर भ्रमण का कार्यक्रम प्रति वर्ष के भांति इस वर्ष भी दिनांक 20 नवंबर प्रातः 8 स्थानीय खिरवाल धर्मशाला से आरम्भ होगी। जो चाईबासा शहर के विभिन्न मार्गों से होते हुए गाँधी मैदान के समीप अपराह्न 2 बजे कार्यकर्म का समापन होगा।

श्री चाईबासा गौशाला परिसर में संध्या 4 बजे मेले के विधिवत उध्घाटन हेतु जिले के उपायुक्त अनन्य मित्तल द्वारा मुख्य अतिथि के रूप में अपनी सहमति प्रदान की है। विशिष्ट अतिथि के रूप में पुलिस अधीक्षक आशुतोष शेखर, सदर अनुमंडल पदाधिकारी शशींद्र बड़ाइक एवं सदर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी दिलीप खलखो भी इस ऐतिहासिक पल के साक्षी बनेंगे।

तुला दान की विशेष व्यवस्था, रंग बिरंगे गुब्बारे , स्वादिष्ट व्यंजन ,सभी आयु वर्ग के लिए विभिन्न प्रकार के झूले ,गन्ने की ताजी कटी फसल आदि मेले के मुख्य आकर्षण का केंद्र रहे है।इस वर्ष विभिन्न क्षेत्रों से आने वाले आगंतुकों के मनोरंजन हेतु विश्व प्रसिद्ध छउ नृत्य का भी आयोजन श्री चाईबासा गौशाला समिति के द्वारा किया जा रहा है। मेले में सुरक्षा का विशेष ध्यान रखते हुए पुलिस प्रशासन से हर वर्ष प्राप्त अप्रतिम सहयोग के अलावा समिति द्वारा सम्पूर्ण क्षेत्र को सीसीटीवी के माध्यम से निगरानी रखी जाएगी तथा प्रकाश की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित होगी। चाक चौबंध सुरक्षा एवं किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना विशेष कर भगदड़ से बचने हेतु सदर अनुमंडल पदाधिकारी ,सदर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी एवं मुफ्फसिल थाना प्रभारी द्वारा सयुंक्त रूप से मेले स्थल का निरिक्षण कर मेले के सफल आयोजन हेतु मैप तैयार कर लिया गया है। आवश्यक जगहों पर बैरिकेटिंग ,नो पार्किंग वन वे ,मेले पर पैनी नजर रहने हेतु वाच टावर आदि की भी व्यवस्था सुनिश्चित की जा रही है।

चाईबासा गौशाला की कार्यसमिति की बैठक की अध्यक्षता अध्यक्ष श्री मदनमोहन दरीपा की अनुपस्थिति में वरीय उपाध्यक्ष राजकुमार शाह ने की। बैठक में सचिव बनवारीलाल नेवटिया सयुंक्त सचिव राधेश्याम अग्रवाल, ललित शर्मा, कोषाध्यक्ष सिद्धगोपाल गोयल, सह कोषाध्यक्ष मधुसूदन अग्रवाल ने अपने बहुमूल्य सुझाव दिए तथा सुझावों पर कार्यसमिति सदस्य नितिन प्रकाश, महेश गोयल, शिबुलाल अग्रवाल, जय प्रकश मुंद्रा, विकाश चंद्र मिश्रा, इंद्र पसारी, पुरषोत्तम शर्मा, विकास गोयल, दिलीप अग्रवाल, सर्वेश पसारि, गोविंदा खेतान, निरंजन गोयल, जीतेन्द्र मधेसिया, दिलीप शर्मा,

नाली पर कब्जे की शिकायत पर बिफरे मंत्री, समाधान का दिया आश्वासन

मंत्री शारदा प्रसाद का स्वागत करतीं महिलाएं व अन्य। ● फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS ROURKELA : नाली व सड़क निर्माण की आधारशिला रखने मिश्रा लेन पहुंचे मंत्री शारदा प्रसाद नायक उस समय बिफर गए, जब महिलाओं ने उन्हें बताया कि नालियों पर अवैध कब्जा के कारण नालियां जाम रह रहीं है। नाली का पानी सड़क पर बह रहा है वह घरों में घुस रहा है। मंत्री ने क्षेत्र के लोगों को आश्वासन दिया है कि जल्दी समस्या का समाधान कर उन्हें इससे मुक्ति दिलाई जाएगी। उन्होंने अपने प्रतिनिधि विश्वजीत दे को इसके लिए नियुक्त किया।

बुधवार को मुख्य मार्ग पर पड़ने वाले मिश्रा लेन की नली वह सड़क को पक्के करने के 12 लाख की योजना का हुए आधारशिला रखने पहुंचे थे। इस दौरान क्षेत्र के लोगों ने उनका तहे दिल से स्वागत किया केवल इतना ही नहीं मंत्री ने लोगों के साथ सेल्फी खींची तथा विभिन्न गलियों का निरीक्षण कर नाली सड़क बिजली आदि की समस्याओं को जानकर जल्द से जल्द समाधान का आश्वासन दिए थे। मौके पर बिस्वजीत डे, सुशांत राउत, नगर अध्यक्ष गगन पांडा, मोहम्मद अब्दुल्ला, मोहम्मद सज्जू, सुजीत अग्रवाल, संदीप मुसिब, मनीष शर्मा, भगवती अग्रवाल, विकास प्रसाद, मंजूश्री चक्रवर्ती, विनय शर्मा, आदि उपस्थित थे।

विधायक ने धरती आबा बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर किया माल्यार्पण

बिरसा मुंडा ने अंग्रेजों से किसानों की जमीनों को कराया मुक्त, भूमि का दिलाया स्वामित्व : विधायक

बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर माल्यार्पण करते विधायक दीपक बिरुवा। ● फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS CHAIBASA : चाईबासा शहीद पार्क स्थित शहीद स्मारक, पुराना चाईबासा के चोंय हड़म शहीद चौक में समेत टोंटो प्रखंड के मौदा में बिरसा मुंडा जयंती मनाई गई। जिसमें बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे। मौके पर मुख्य रूप से विधायक दीपक बिरुवा उपस्थित हुए। विधिवत पूजा अर्चना के बाद उन्होंने मौदा के बिरसा चौक में स्थापित धरती आबा बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हे याद किया। इसके बाद विधायक दीपक बिरुवा ने पुराना चाईबासा व शहीद पर स्थित शहीद स्मारक पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की।

मौके पर विधायक दीपक बिरुवा ने सबों से उनके आदर्श को जन जन तक पहुंचाने की अपील की। कहा कि आदिवासी जननायक बिरसा मुंडा क्रांतिकारी अपराजेय योद्धा और लोकनायक के रूप में प्रसिद्ध हैं, जिन्हें समाज ने धरती आबा का दर्जा दिया है। बिरसा मुंडा ने आदिवासी समुदाय को बेगारी से बचाने, उनके आर्थिक शोषण पर रोक लगाने, परिश्रम के अनुसार पारिश्रमिक की व्यवस्था करने, जल जंगल व जमीन पर आदिवासियों का समान अधिकार स्थापित करने भूमि को लगान मुक्त घोषित करने, बच्चों को शिक्षा का अधिकार देने, महिलाओं के सम्मान और सुरक्षा के लिए कानून बनाने जैसे विषयों को लेकर अंग्रेजी हुकूमत के विरुद्ध आंदोलन कर निरंतर संघर्ष किया। महत्वपूर्ण जनजातीय में से एक महान क्रांतिकारी जिन्होंने उलगुलान का नारा दिया।

उन्होंने ब्रिटिश शासन अत्याचार के खिलाफ आवाज उठाई थी। किसानों की जमीनों को अंग्रेजों से मुक्त कराकर भूमि का स्वामित्व दिलवाया। उनके इसी बलिदान को याद कर जयंती मनाई जाती है। इसके पूर्व दियुरी कानूराम कुंकल ने पूजा अर्चना कर सुख समृद्धि की कामना की। इधर शहीद पार्क व पुराना चाईबासा में दियुरी नारायण देवगम, श्याम देवगम व संजय देवगम ने बकरे और मुर्गे की बलि चढ़ा कर सुख समृद्धि की कामना की। मौके पर जिप सदस्य राज

जिला क्रिकेट संघ के तत्वावधान में आयोजित एस आर रूंगटा बी-डिविजन लीग

लट्ठू उरांव क्रिकेट क्लब को पांच विकेट से पराजित कर स्टूडेंट क्लब चाईबासा क्वार्टर फाईनल में

स्टूडेंट क्लब चाईबासा की टीम। ● फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS CHAIBASA : पश्चिमी सिंहभूम जिला क्रिकेट संघ के तत्वावधान में खेले जा रहे एस आर रूंगटा बी-डिविजन लीग के अंतर्गत मंगलवार को खेले गए ग्रुप सी के अंतिम लीग मैच में स्टूडेंट क्लब चाईबासा ने लट्ठू उरांव क्रिकेट क्लब चक्रधरपुर को पाँच विकेट से पराजित कर पूरे अंक हासिल किए। आज के जीत के साथ ही स्टूडेंट क्लब के दो जीत के साथ कुल चार अंक हो गए हैं। वो अपने ग्रुप में दूसरे स्थान पर रहकर क्वार्टर फाईनल में अपना स्थान पक्का कर लिया है। जबकि अपने ग्रुप लीग के तीनों मैच हारकर लट्ठू उरांव क्रिकेट क्लब की टीम प्रतियोगिता से बाहर हो गई है।

स्थानीय बिरसा मुंडा क्रिकेट स्टेडियम मैदान पर खेले गए इस मैच में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए लट्ठू उरांव क्रिकेट क्लब की पूरी टीम 19 ओवर में मात्र 66 रन बनाकर आल आउट हो गई। इस टीम की ओर से सम्राट अभिषेक ने तीन चौकों की मदद से 20 रन तथा प्रेम कुमार ने 16 रन बनाए। अन्य कोई भी बल्लेबाज दहाई अंक तक नहीं पहुंच पाया। स्टूडेंट क्लब की ओर से अतुल ने मात्र 13 रन देकर चार विकेट तथा मनीष ने 5 रन देकर दो विकेट हासिल किए।

जीत के लिए आवश्यक रन को स्टूडेंट क्लब चाईबासा ने मात्र 11.2 ओवर में ही प्राप्त कर लिया। हालांकि इस प्रयास में उनके पाँच बल्लेबाज पैविलियन लौट गए। स्टूडेंट क्लब की ओर से अंकित

पदाधिकारियों ने धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा के प्रतिमा पर किया माल्यार्पण

बिरसा मुंडा हमारे लिए प्रेरणास्रोत, उनके आदर्शों पर चलने की जरूरत : आयुक्त

धरती आबा की प्रतिमा पर माल्यार्पण करते आयुक्त मनोज कुमार। ● फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS CHAIBASA : झारखंड स्थापना दिवस और धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की जयंती के अवसर पर जिला मुख्यालय स्थित बस स्टैंड चौक पर प्रमंडलीय आयुक्त मनोज कुमार, पुलिस उपमहानिरीक्षक अजय लिंडा, उपायुक्त अन्यय मित्तल, पुलिस अधीक्षक आशुतोष शेखर, अपर उपायुक्त संतोष सिन्हा, अनुमंडल पदाधिकारी सदर शशींद्र कुमार बड़ाईक, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी दिलीप कुमार खलखो सहित जिला स्तरीय पदाधिकारियों ने धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा के प्रतिमा पर माल्यार्पण किया।

प्रमंडलीय आयुक्त ने उपस्थित पदाधिकारी और आमजनमानस को संबोधित करते हुए कहा कि राज्य स्थापना दिवस और भगवान बिरसा मुंडा की जयंती के अवसर पर सभी पदाधिकारी का उत्साह देखकर मन प्रफुल्लित हो उठा है। भगवान बिरसा मुंडा हमारे लिए प्रेरणा का स्रोत है, हमें उनके आदर्शों पर चलना चाहिए उनके द्वारा उलगुलान आंदोलन की शुरूआत की गई। उन्होंने हमेशा से ही अंग्रेजी शासन का विरोध किया। गलत कुरीतियों का विरोध किया। डायन प्रथा का विरोध किया। नशापन का विरोध किया। प्रमंडलीय आयुक्त ने कहा कि सभी पदाधिकारी भगवान बिरसा मुंडा के आदर्शों का पालन करते हुए एक सशक्त समाज के निर्माण में अपना योगदान करेंगे।

पुलिस उपमहानिरीक्षक अजय लिंडा ने राज्य स्थापना दिवस सह भगवान बिरसा मुंडा की जयंती के अवसर पर सभी को बधाई और शुभकामनाएं देते हुए कहा कि धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा ने अंग्रेजों के विरुद्ध जमींदारों के विरुद्ध, साहूकारों के विरुद्ध अन्याय के विरुद्ध उलगुलान किया। उन्होंने लोगों को सम्मान पूर्वक जीवन जीना सिखाया। उन्होंने हमेशा जल, जंगल, जमीन की बात की और एक रणनीति तैयार करके अन्याय के विरुद्ध लड़ाई की हम सभी को उनसे प्रेरणा लेते हुए उनके आदर्शों पर चलने की आवश्यकता है।

रेलवे कॉलोनी काली पूजा कमेटी में भंडारा का आयोजन

ROURKELA : शहर के रेलवे कॉलोनी काली पूजा कमेटी के द्वरा भंडारा कार्यक्रम का आयोजन बुधवार को किया गया। जिसमें करीब 3000 से अधिक लोगों ने प्रसाद का सेवन किया। खिचड़ी का प्रसाद पाने के लिए महिला पुरुष व बच्चे की भारी भीड़ देखी गई। सुबह 11:00 बजे से खिचड़ी प्रसाद का वितरण शुरू किया गया था शाम 4:00 बजे तक लोगों के बीच खिचड़ी का वितरण किया गया। पूजा कमेटी के ओर से जहां मंगलवार को विभिन्न प्रतियोगिता आयोजित की गई थी। वहीं गुरुवार को रंगारंग कार्यक्रम के साथ पुरस्कार वितरण का कार्यक्रम काली पूजा कमेटी द्वारा किया जाएगा । शुक्रवार को प्रतिमा विसर्जन शोभा यात्रा निकाली जाएगी।

डीएवी में जयंती पर बिरसा मुंडा एवं एनडी ग्रोवर को किया गया याद

कार्यक्रम में उपस्थित शिक्षक व अन्य। ● फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS CHAIBASA : स्थानीय सूरजमल जैन डीएवी पब्लिक स्कूल में मंगलवार को बिरसा मुंडा तथा कर्मयोगी एनडी ग्रोवर की जयंती के अवसर पर विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। स्कूल की रेखा कुमारी ने दोनों विभूतियों के व्यक्तित्व व कृतित्व को प्रेरणा स्रोत बताया। सर्वप्रथम धरती आबा बिरसा मुंडा तथा कर्मयोगी नारायण दास ग्रोवर के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर तथा दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरूआत हुई। विज्ञान विभागाध्यक्ष चंद्रशेखर ने महात्मा एनडी ग्रोवर की जीवनी पर प्रकाश डाला। हिंदी विभागाध्यक्ष एसबी सिंह ने दिवस की महत्ता को रेखांकित करते हुए ग्रोवर से हुई पहली मुलाकात को काफी प्रेरक बताया। शिक्षक साकिब सलीम ने भगवान बिरसा व जनजातीय गौरव दिवस पर अपने विचार व्यक्त किया। छात्रा अर्पिता राज ने भजन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम की शुरूआत पंकज पांडे द्वारा हवन यज्ञ से की गई। इस अवसर पर अर्जुन महाकुड ने भी अपने विचार साझा किया। मंच संचालन निवेदिता शर्मा ने किया। समारोह में रवि शंकर सिन्हा, मनोज मोहंती, कौशिक दत्ता, लक्ष्मी नारायण पान, आकाश यादव ,सीमा चौधरी सहित कई कर्मचारी उपस्थित थे।

नित्यानंद राय बोले- लालू प्रसाद को अपने समाज पर भरोसा नहीं था, इसलिए पत्नी को बनाया

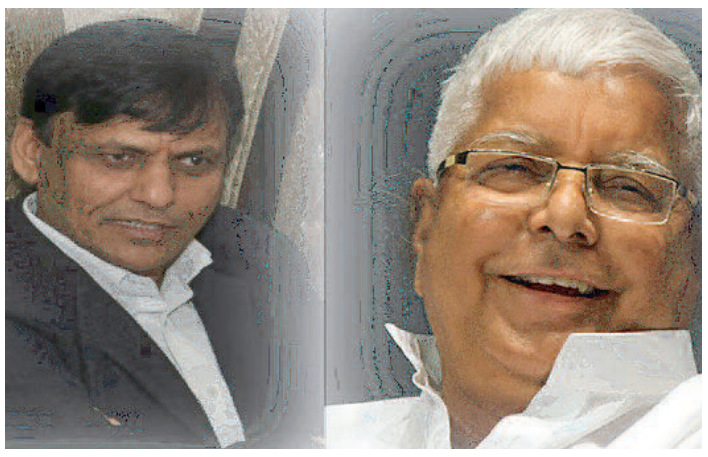

पटना। पूजा समारोह में राष्ट्रीय जनता दल के सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव के बयान के बाद बिहार की सियासत गरमा गई है। अब केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने पलटवार किया है। उन्होंने लालू प्रसाद को चुनौती दी है। कहा कि वह डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव के राघोपुर में चर्चा कराने को तैयार हैं। इससे पता चल जाएगा कि कौन गौ की हत्या करवाता है और कौन गौ सेवक है। नित्यानंद राय ने आरोप लगाया कि लालू यादव को अपने समाज पर भरोसा नहीं है इसलिए उन्होंने अपनी पत्नी को मुख्यमंत्री बनवाया। राजद में शामिल होने के सवाल पर उन्होंने कहा कि लालू प्रसाद द्वारा लगाए गए सारे आरोप बेबुनियाद हैं। बता दें कि पटना के इस्कॉन मंदिर में आयोजित गोवर्धन पूजा समारोह के दौरान लोगों को संबोधित करते हुए राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव ने मंच से पीएम नरेंद्र मोदी, नित्यानंद राय, रामकृपाल यादव पर जमकर हमला बोला था। लालू प्रसाद ने यहां तक कह दिया कि यादव एक है यादव दो नहीं है। यादव की शक्ति को खंडित करने का काम भाजपा वाले कर रहे हैं। हाजीपुर में जो केंद्रीय राज्य मंत्री नित्यानंद राय है वो पहले हमारे यहां आने के लिए पैरवी कराता था। भाजपा ने इसको मुख्यमंत्री बनाने का सपना दिखाया था लेकिन आज तक पूरा नहीं हुआ। नित्यानंद मुख्यमंत्री बनना चाहता था वह सब जगह कहता था कि लालू जी ने राबड़ी को मुख्यमंत्री बना दिया। इस बात पर भड़कते हुए लालू प्रसाद ने कहा कि राबड़ी देवी को मुख्यमंत्री नहीं बनाते तो क्या तुम्हारी बीवी को मुख्यमंत्री बनाते? लालू प्रसाद यादव ने कहा कि नित्यानंद राय पहले बस स्टेशन का ठेकेदारी करते थे और रामकृपाल यादव बस स्टैंड में टेंपो चलवाता था, होटल कब्जा करके रहता था। हमलोगों को जब उसके (रामकृपाल यादव) करतूतों के बारे में पता चला तो उसे अलग कर दिया। वहीं केन्द्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय के संबंध में लालू प्रसाद यादव ने कहा कि वह हमारी पार्टी में शामिल होने के लिए अप्रोच करते थे। लालू प्रसाद यादव नेनित्यानंद राय पर हाजीपुर पशु मेला से गाय और बैल ले जाकर दूसरे स्थान पर कटवाने का भी आरोप लगाया।

लालू प्रसाद यादव ने यह भी कहा कि मैं अपने बड़े बेटे तेज प्रताप यादव (वन एवं पर्यावरण मंत्री) को नित्यानंद राय के खिलाफ चुनाव लड़वा दूं तो उनकी जमानत जप्त हो जाएगी। लालू प्रसाद यादव मंगलवार को गोवर्धन पूजा के मौके पर इस्कॉन मंदिर पहुंचे थे जहां श्री कृष्ण चेतना समिति की तरफ से आयोजित कार्यक्रम के दौरान यह बातें कही।

संक्षिप्त डायरी

पटना में लगी भीषण आग, धमाके की आवाज सुनाई दी और दूर तक उठता दिखा धुआं, मौके पर पहुंची दमकल की गाड़ी

पटना। बिहार की राजधानी पटना के बिग्रहपुर में भीषण आग लगने की जानकारी मिली है। इस घटना से इलाके में आसपास के लोग सहम गए। आग लगने की सूचना मिलने के बाद दमकल की एक गाड़ी मौके पर पहुंच गई है। दमकल विभाग के कर्मी आग पर काबू पाने की कोशिश में जुटे हैं। बताया जा रहा है कि आग लगने के बाद जोरदार धमाके की आवाज सुनाई दी। ऐसे में अंदाजा लगाया जा रहा है कि कोई सिलेंडर या एसी-फ्रिज का कंप्रेशर भी फट गया। जानकारी के अनुसार, दमकल विभाग की केवल एक गाड़ी ही मौके पर पहुंची है। ऐसे में आग पर काबू पाने में काफी मशक्कत करनी पड़ रही है। इस घटना के दो वीडियो भी सामने आए हैं। इनमें आग लगने के बाद उठते हुए धुएं को देखा जा सकता है। फिलहाल आग लगने से हुए नुकसान की जानकारी नहीं मिली है। अब तक मिली जानकारी के अनुसार, आग इतना भयावह हो चुकी थी कि दमकल विभाग की 17 गाड़ियों को मौके पर भेजना पड़ा। हालांकि, अब आग पर काबू पाया जा चुका है। अब बड़ी गाड़ियां यहां से गुजर रही हैं। बताया जा रहा है कि बिग्रहपुर मोहल्ले में यह आग कबाड़ कारोबारियों के गोदाम में लगी थी। जानकारी मिली है कि यहां राजेश कुमार और रमेश कुमार मिलकर थोक में कबाड़ी का काम करते हैं। इनके गोदाम में फ्रिज, एसी, कूलर, वाशिंग मशीन आदि से थर्मोकॉल और प्लास्टिक अलग अलग काटकर रखे हुए थे। थर्मोकॉल तकरीबन 15 फीट की ऊंचाई तक लगभग दो कट्टे में इकट्ठा हो गया था। घटना को लेकर स्थानीय लोगों का कहना है कि थर्मोकॉल इक्ट्ठा रखे जाने को लेकर दुर्घटना के अंदेशे पर दोनों कबाड़ कारोबारियों को इसे हटाने के लिए कहा गया था। परंतु, उन्होंने ऐसा नहीं किया। ऐसे में यह हादसा हो गया। आग लगने का स्पष्ट कारण अभी पता नहीं चल पाया है। आग की लपटों के बीच एक सिलिंडर फटने की भी आवाज सुनी गई थी। हालांकि, स्थानीय लोगों का कहना है कि यह संभवतः कबाड़ी गोदाम में पड़े किसी फ्रिज या एसी का कंप्रेशर हो सकता है।

घोसी में मछली कारोबारी की गोली मारकर हत्या, तालाब किनारे खून से लथपथ मिला शव, ग्रामीणों का पुलिस पर फूटा गुस्सा

जहानाबाद। बिहार के जहानाबाद में घोसी थाना क्षेत्र के धामापुर गांव में मंगलवार की देर रात अपराधियों ने तालाब की रखवाली कर रहे मछली कारोबारी को गोलियों से भून डाला। मछली कारोबारी धामापुर गांव के रविंद्र कुमार उर्फ बौधु यादव को छह गोलियां मारी गई, जिससे घटनास्थल पर ही उनकी मौत हो गई।स्वजन व ग्रामीणों को घटना की जानकारी बुधवार की सुबह हुई। ग्रामीण जब गांव के बाहर निकले तो मछली कारोबारी का शव तालाब के किनारे खून से लथपथ मिला। सूचना पर भीड़ जमा हो गई, जिसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची। घटना से आक्रोशित लोगों ने शब उठाने से रोक दिया। लोग घटनास्थल पर पुलिस के वरीय पदाधिकारी को बुलाने की मांग कर रहे थे। एक घंटे बाद एसडीपीओ राजीव सिंह पुलिस बल के साथ गांव पहुंचे। एक घंटे की मशक्कत के बाद लोगों को समझा कर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जहानाबाद भेजा। ग्रामीणों ने बताया कि पांच साल पूर्व रविंद्र ने गांव में मछली पालन का रोजगार शुरू किया था। गांव से थोड़ी दूर अपनी जमीन में तालाब का निर्माण किया था। रात्रि में तालाब किनारे ही झोपड़ीनुमा घर में रहकर मछली की रखवाली करते थे। हर दिन की तरह मंगलवार की रात भी घर से खाना खाकर तालाब किनारे सोने चले गए। सुबह उनकी हत्या की खबर मिली। उनके सिर, पेट और सीने में गोली मारी गई है। घटनास्थल से पुलिस ने नाइन एमएम बोर की पांच गोलियों का खोखा बरामद किया है। यह गांव धामापुर-सरिस्ताबाद सड़क के किनारे बसा है।सड़क किनारे ही तालाब है, जहां घटना को अंजाम दिया गया है। एसडीपीओ ने बताया कि स्वजन ने किसी से दुश्मनी नहीं होने की बात कही है। किन कारणों से घटना हुई इसकी छानबीन की जा रही है। जिस तरह से घटना को अंजाम दिया गया है उसमें किसी पेशेवर अपराधियों के शामिल होने का संदेह है। ग्रामीणों से पूछताछ कर घटना के कारणों का पता लगाया जा रहा है।

बेलगाम ट्रक ने बाइक सवार दो महिला डांसर समेत तीन को रौंदा,

आरा। भोजपुर जिले के जगदीशपुर थाना क्षेत्र अन्तर्गत बिहिया-बिहटा स्टेट हाइवे पर गणपत टोला गांव के समीप बुधवार की अहले सुबह बेलगाम ट्रक ने प्रोग्राम कर वापस लौट रही बाइक सवार दो महिला डांसर समेत तीन लोगों को रौंद दिया। हादसे में एक नर्तकी की मौत हो गई। वहीं, एक नर्तकी व एक कलाकार को प्राथमिक उपचार के बाद हालत को चिंताजनक देखते हुए आरा सदर अस्पताल से पटना रेफर कर दिया गया है। मृतका 16 वर्षीय नगमा छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिला के देवढ़ी थाना क्षेत्र के बालू गांव निवासी कान्हा की पुत्री थी। वह पेशे से डांसर थी। अक्टूबर माह में ही शाहपुर स्थित आर्केस्ट्रा में काम करने आई थी। हादसे में छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिला के देवढ़ी थाना क्षेत्र के खेरागढ़ गांव निवासी गोपी की 27 वर्षीय पुत्री रौशनी कुमारी एवं पीरो थाना क्षेत्र के मोथी गांव निवासी भगवान सिंह के 35 वर्षीय पुत्र देवनाथ सिंह को चोटें आई है। इसमें रौशनी कुमारी भी पेशे नर्तकी है। देवनाथ सिंह आर्केस्ट्रा में पैड बजाने का काम करते हैं।

गया में पुलिस टीम पर हमला, दो पुलिसकर्मी घायल,

गया । पुलिस टीम पर हमला हुआ था। मगध मेडिकल थाना क्षेत्र के विशुनगंज बाजार में मारपीट की शिकायत पर डायल 112 की टीम पहुंची थी। इस हमले में दो पुलिसकर्मियों को चोटे लगी और मौके पर मौजूद दो महिला सिपाहियों ने किसी प्रकार अपनी जान बचाई। साथ ही हमलावर पुलिस की गिरफ्त में आए दो युवकों को छुड़ाकर अपने साथ ले गए। विशुनगंज बाजार में रहने वाली एक महिला पूजा पाठ कर अपने घर लौटी। उसी दौरान उनका देवर अपने दोस्तों के साथ आया और पारिवारिक विवाद को लेकर अपनी भाभी के साथ मारपीट करने शुरू कर दिया। इस दौरान महिला ने डायल 112 की पुलिस को सूचना दी। घटना की जानकारी पाते ही डायल 112 की पुलिस टीम तुरंत वहां पहुंची और महिला के साथ मारपीट कर रहे दो युवकों को हिरासत में ले लिया। लेकिन, अपने साथी को पुलिस हिरासत में देखा। वहां मौजूद दो अन्य लोगों ने डायल 112 की पुलिस टीम पर हमला कर दिया और पुलिसकर्मियों को मारपीट कर पुलिस की हिरासत से अपने दोनों दोस्त को छुड़ा लिया। इस दौरान महिला पुलिस कर्मियों ने किसी प्रकार अपनी जान बचाई। डायल 112 की पुलिस टीम के पास हथियार नहीं होने और उनके साथ दो महिला सिपाहियों के होने के मामले को भागते हुए पुलिसकर्मियों ने हमलावरों के सामने से हटकर अपनी गाड़ी में बैठ गए। तब लोगों ने पुलिसकर्मियों को काफी गाली-गलौज किया। इधर, घटना की शिकायत एसएसपी आशीष भारती, सिटी एसपी हिमांशु और डीएसपी विधि व्यवस्था खुर्शीद आलम को लगा तो बड़ी अधिकारियों ने मगध मेडिकल थानेदार शैलेश कुमार को ठोस कार्रवाई करने का आदेश दिया है।

छठ महापर्व को लेकर हवाई सफर हुआ महंगा

पटना। जैसे जैसे छठ पर नजदीक आ रहा वैसे दिल्ली, बेंगलुरू, हैदराबाद से दरभंगा आने वाली विमानों का किराया आसमान छूने लगा है। एक बार फिर लोगो को छठ पर हवाई सफर करना परेशानी का सबब बनता जा रहा है। बता दें कि अभी हाल ही बिहार सरकार के मंत्री संजय झा ने बढ़े हुए किराया का विरोध जताया थो तो अचानक विमान कम्पनियों ने अपना किराया घटा दिया था। एक बार फिर से किराया बढ़ जाने से लोगो की परेशानी बढ़ गई है। आज यानी 15 नवम्बर को दिल्ली से दरभंगा का किराया 21677 रुपये है। वहीं कोलकाता से दरभंगा आने के लिए यात्रियों को 10934 रुपये देने होंगे। इसी तरह मुंबई से दरभंगा के लिए 17900 रुपये और हैदराबाद से दरभंगा के लिए 18125 रुपये देने होंगे। 16 नवंबर को दिल्ली से दरभंगा के फ्लाइट की टिकट 11753 रुपये में मिल रही। वहीं कोलकाता से दरभंगा के लिए 10304 रुपये, मुंबई से दरभंगा के लिए 14876 रुपये में टिकट मिल रहा है। इतना ही नहीं हैदराबाद से दरभंगा आने के लिए 11825 रुपये खर्च करने होंगे। 17 नवंबर को यात्रियों को दिल्ली से दरभंगा आने के लिए 11753 रुपये, कोलकाता से दरभंगा आने के लिए 11564 रुपये, मुंबई से दरभंगा आने के लिए 11564 रुपये और हैदराबाद से दरभंगा आने के लिए 11825 रुपये के टिकट खरीदने होंगे। चौंकाने वाली बात यह है कि जब बिहार में लोकआस्था का महापर्व लोग 19 नवंबर को लोग मना रहे होंगे उस दिन विमान कम्पनियों ने किराया घटा दिया है। 19 नवम्बर को दिल्ली से दरभंगा का किराया 6871 रुपये है जबकि कोलकाता से दरभंगा का किराया 7784 रुपये है। मुम्बई से दरभंगा के लिए 20 नवम्बर का किराया 8840 रुपये है। हैदराबाद से दरभंगा का किराया 8150 रुपया दिख रहा है। बता दें कि छठ के बाद अगले तीन से चार दिनों तक इन विमानों का किराया कम दिख रहा है।

मॉब लिचिंग में दो अपराधी की मौत, तीसरे की हालत गंभीर, मुखिया प्रत्याशी की हत्या कर भाग रहे थे तीनों

रोहतास । दिनदहाड़े हत्या कर भाग रहे दो अपराधियों को अपराधियों को भीड़ ने पीट-पीटकर मार डाला। तीसरे अपराधी की हालत गंभीर है। घटना सूर्यपुरा थानाक्षेत्र के कल्याणी गांव के समीप शिवबहार पंचायत के नीमा गांव की है। बताया जा रहा है कि मंगलवार सुबह मुखिया प्रत्याशी रह चुके विजेंद्र सिंह को बाइक सवार तीन अपराधियों ने गोली मारकर मौत के घाट उतार दिया। घटना के बाद इलाके में हड़-कंप मच गया। लोगों की भीड़ लग गई। इधर, घटना के बाद सफेद रंग की अपाची बाइक से तीन अपराधी भागने लगे। इस दौरान तीनों हवाई फायरिंग करने लगे। इसमें एक युवक को गोली लगने की बात सामने आ रही है। आक्रोशित लोगों ने बाइक सवार अपराधियों को दबोच लिया। गुस्साए लोग तीनों को बेरहमी से पीटने लगे। तब तक पीटते रहे जब तक तीनो बेहोश नहीं हो गए। इधर, घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और तीनों को छुड़ाया। पुलिस ने तीनों को अस्पताल ले गई। यहां डॉक्टरों ने दो अपराधी को मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद पूरे इलाके में दहशत का माहौल व्याप्त है।

वहीं माक ए- वारदात पर भारी संख्या में पुलिस बल मौजूद है। मामले में रोहतास एसपी विनीत कुमार ने बताया कि विजेंद्र सिंह नामक एक व्यक्ति की गोली मारकर हत्या कर दी गई है। घटना के बाद कुछ लोगों को हिरासत में लिया गया है। घटनास्थल पर पुलिस के वरीय पहुंचकर मामले की तहत तफ्तीश कर रहे हैं। फिलहाल रोहतास एसपी विनीत कुमार मॉब लिंचिंग में दो अपराधियों की मौत की पुष्टि नहीं कर रहे हैं।

यूपी में आतंकी हमले के लिए पाकिस्तान से बिहार आए 70 लाख

27 साल के इजहारुल की हकीकत जान सब सन्न

बेतिया। बिहार के बेतिया के शिकारपुर का रहनेवाला 27 साल का इजहारुल हुसैन उस बैंक अकाउंट को ऑपरेट कर रहा था, जिसमें पाकिस्तान से 30 दिनों में करीब 70 लाख रुपए आए हैं। यूपी अळर के इस खुलासे के बाद जिले में हड़कंप मचा हुआ है। इजहारुल हुसैन 8 नवंबर से ही बेतिया जेल में बंद है। उसे शराब के नशे में अरेस्ट किया गया था। इससे पहले यूपी अळर ने गाजियाबाद के फरीदनगर में स्थित केनरा बैंक के अकाउंट का पता लगाया था। यह अकाउंट गाजियाबाद के रहनेवाले रियाजुद्दीन के नाम पर है। हालांकि इस अकाउंट से जो मोबाइल नंबर लिंक था, वह इजहारुल हुसैन का निकला। रियाजुद्दीन से पूछताछ के बाद कई ऐसे खुलासे हुए जो चौंकाने वाले थे। इसी निशानदेही पर पिछले 10 दिनों में यूपी अळर की टीम ने टेरर मॉड्यूल केस में अब तक सात संदिग्धों को गिरफ्तार किया है। टीम अब बेतिया निवासी इजहारुल हुसैन को भी रिमांड पर लेने की तैयारी कर रही है। इधर, ATS ने दावा किया है कि स्टूडेंट ऑफ अलीगढ़ मुस्लिम विश्विद्यालय नाम के छात्र संगठन की मीटिंग में देश विरोधी एजेंडा चलाया जा रहा था। आरोप है कि छात्र संगठन की मीटिंग में एक-दूसरे से संदिग्ध जुड़े और इसके जरिए क्रक्र में भर्ती कराई जा रही थी। इधर, ATS की पूछताछ में पता चला कि रियाजुद्दीन परिवारिक विवाद के बाद पिछले एक साल से हापुड़ जिले के कस्बा पिलखुवा में रहकर मशीन खराद का काम कर रहा था। इससे पहले वो दिल्ली की खराद फैक्ट्री में काम करता था, जहां उसकी मुलाकात इजहारुल से हुई थी।

उसी ने रियाजुद्दीन का बैंक खाता खुलवाया था। इसके बदले रियाजुद्दीन को हर महीने 10 हजार रुपए मिल रहे थे। हालांकि खाता खुद इजहारुल ऑपरेट कर रहा था। दरअसल, 8 नवंबर को यूपी एटीएस ने शिकारपुर पुलिस की मदद से छापेमारी कर इजहारुल को गिरफ्तार किया था। लेकिन वो शराब के नशे में था। इस कारण एटीएस उसे अपने साथ नहीं ले जा सकी। इधर, यूपी अळर की जांच में यह बात सामने आई है कि गिरफ्तार अभियुक्त उत्तर प्रदेश के सरकारी इमारतों, धार्मिक स्थल और प्रमुख प्रतिष्ठानों को निशाना बनाने के लिए जासूसी कर रहे थे। पाकिस्तान से अकाउंट में आए रुपयों का इस्तेमाल इसी काम में किया जा रहा था। एटीएस अधिकारियों का यह भी मानना है कि पाकिस्तान में बैठे हैंडलर रियादुद्दीन और इजहारुल हुसैन से किसी बड़े हमले की प्लानिंग करा रहे थे।एटीएस की जांच में इजहारुल का पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी के एजेंटों से सोशल मीडिया के जरिए संपर्क करने की बात भी सामने आई है। मामले में यूपी स्पेशल डीजी लॉ एंड ऑर्डर प्रशांत कुमार ने बताया कि किसी धार्मिक स्थल को निशाना बनाने के पुख्ता सबूत हाथ नहीं लगे हैं। आगामी त्योहारों को देखते हुए धार्मिक स्थलों पर सतर्कता बरती जा रही है।

तालाब में डूबने से पांच बच्चों की मौत, गांव में पसरा मातम

कैमूर । स्नान करने के क्रम में पांच बच्चों की तालाब में डूबने से मौत हो गई। घटना रामपुर प्रखंड के धवपोखर गांव की है। सभी मृतक एक ही परिवार के हैं। घटना के बाद गांव में मातम का माहौल बना हुआ है। स्थानीय लोगों का कहना है कि गांव के ही तालाब में पांचो बच्चे स्नान करने गये थे जहां स्नान करने के दौरान गहरे पानी में चले जाने की वजह से पांचों डूबने लगे और एक एक कर के पांचों बच्चों की डूबने से मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और स्थानीय गोताखोरों की मदद से शव को निकलवाया। डूबने वाले बच्चों में सभी की उम्र करीब 7 साल से 12 साल बताई जा रही है।

पूर्व मुखिया प्रत्याशी की हत्या के बाद मॉब लिंचिंग

रोहतास। जिला के सूर्यपुरा थाना क्षेत्र के कल्याणी मोड़ के समीप बुधवार की सुबह 10 बजे के करीब पूर्व सैनिक सह पूर्व मुखिया प्रत्याशी विजेंद्र सिंह की अपराधियों ने गोली मारकर हत्या कर दी। अपराधी अपाची बाइक से आए थे। घटना के बाद भाग रहे अपराधियों द्वारा भीड़ पर भी फायरिंग की गई, जिसमें एक युवक गोली लगने से जख्मी हो गया। उसे इलाज के लिए बिक्रमगंज के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इसके बाद भीड़ ने तीनों अपराधियों को पकड़कर उनकी पिटाई कर दी, जिसमें दो की मौत हो गई है। तीसरा गंभीर रूप से जख्मी है, उसे पुलिस बिक्रमगंज के अस्पताल में इलाज के लिए ले गई है। अपराधियों की अपाची बाइक जब्त हो गई है। एसपी विनीत कुमार ने बताया कि घटना की जानकारी मिलते ही थानाध्यक्ष व अन्य वरीय अधिकारी घटनास्थल पर पहुंच गए हैं। थानाध्यक्ष प्रिया कुमारी ने दो अपराधियों को भीड़ द्वारा पीट-पीटकर मारे जाने की पुष्टि की है। अभी मृतकों की पहचान नहीं हो पाई है। थानाध्यक्ष ने कहा कि एक गंभीर रूप से जख्मी है, जिसे अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती कराया गया है। घटना के बारे में बताया कि विजेंद्र सिंह, इसी थाना क्षेत्र के नीमा गांव के निवासी थे। अपना नया मकान कल्याणी मोड़ के पास सड़क किनारे बनवा रहे थे। इसी बीच, बदमाशों ने उनकी हत्या कर दी। घटना को अंजाम दे अपराधी अपनी बाइक से भागने लगे तभी लोगों ने गोसलडीह गांव के समीप उन्हें घेर लिया। अपने को घिरा देख अपराधी भीड़ पर गोली चला भागने का प्रयास करने लगे। गोली गोसलडीह निवासी अंकित कुमार को लग गई। जिससे भीड़ ने आक्रोशित होकर उन्हें पकड़ लिया और उनकी लाठी डंडे से पिटाई शुरू कर दी। इससे घटनास्थल पर ही दो की मौत हो गई। पुलिस दोनों शव को अपने कब्जे में ले ली है। शवों की पहचान कराई जा रही है। घटना के बाद से तनाव की स्थिति है। पुलिस नियमानुकूल कार्रवाई कर रही है।

दौड़ में दागी

पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों में सत्ता की दावेदार पार्टियों ने अपने प्रचार में पूरी ताकत झोंक दी है, तो यह स्वाभाविक ही है, क्योंकि मध्य प्रदेश में मतदान में जहां दो दिन बचे हैं, वहीं राजस्थान में आठ दिन और तेलंगाना में महज एक पखवाड़ा रह गया है, पर इन चुनावों का एक पहलू ऐसा है, जिसे स्वाभाविक नहीं होना चाहिए था, बल्कि आईंदा नहीं बनने देना चाहिए। इन चुनावों से जुडे.एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) के विश्लेषण हैरान करने वाले तथ्य सामने ला रहे हैं। ताजा विश्लेषण मध्य प्रदेश से जुड़ा है। जिस प्रदेश की 25 फीसदी से भी अधिक ग्रामीण आबादी गरीबी रेखा के नीचे गुजर-बसर कर रही है, इससे भी कहीं बड़ी संख्या मुफ्त अनाज कार्यक्रम की मोहताज है, उस प्रदेश की नुमाइंदगी के लिए भाजपा और कांग्रेस ने भारी तादाद में करोड़पतियों को मैदान में उतारा है। एडीआर की रिपोर्ट के मुताबिक, भाजपा के 87 प्रतिशत प्रत्याशी मालदार हैं, तो वहीं कांग्रेस ने 86 फीसदी अमीर प्रत्याशियों पर अपना दांव लगाया है। यहां तक कि आम आदमी की आवाज बनने का दावा करने वाली आम आदमी पार्टी के 59 प्रतिशत उम्मीदवार करोड़पति हैं। साफ है, यह तस्वीर समाज और सियासत के बीच की दूरी ही दशार्ती है, जहां धन-बल प्रत्याशियों की योग्यता का अनिवार्य पैमाना बनता जा रहा है। इससे भी परेशानकुन आंकड़ा दागी प्रत्याशियों का है। पिछली बार के मुकाबले इस बार भाजपा और कांग्रेस, दोनों ने कहीं बढ़कर दागी लोगों को अपना उम्मीदवार बनाया है। भाजपा के जहां 28.2 फीसदी उम्मीदवार आपराधिक मुकदमों का सामना कर रहे हैं, तो वहीं कांग्रेस ने 52.6 प्रतिशत दागी प्रत्याशी उतारे हैं। निस्संदेह, इनमें से काफी सारे लोगों के खिलाफ राजनीतिक प्रतिशोध या विद्वेषवश मुकदमे कायम हुए होंगे और वे न्यायिक प्रक्रिया में आगे पाक-दामन करार दिए भी जाएं, पर सवाल यह है कि यह तस्वीर सुधरती हुई क्यों नहीं दिख रही? क्या मध्य प्रदेश में या किसी अन्य सूबे में साफ-सुथरी छवि के राजनेताओं की कमी पड़ती जा रही है? जब विधायी संस्थाओं में दागियों की संख्या बढ़ती जाएगी, तो फिर समाज के अपराधी तत्वों को इससे क्या संदेश जाएगा? पार्टियां यह कहकर अपने दायित्व से बच नहीं सकतीं कि वे जनता द्वारा निर्वाचित हैं। उन्होंने विकल्प ही दागी दिए थे। मतदाता सिर्फ प्रत्याशी को वोट नहीं करते, वे पार्टी और उसके नेतृत्व के आधार पर भी चयन करते हैं। यह तस्वीर चुनाव आयोग और देश की न्यायपालिका पर भी एक टिप्पणी है। दरअसल, जन-प्रतिनिधियों के खिलाफ मुकदमों के निपटारे में देरी ने राजनीतिक दलों को यह हौसला दिया है कि वे जिताऊ के नाम पर दागियों को भी गले लगा लें। उनकी यह दलील अपनी जगह वाजिब है कि सिर्फ मुकदमा दर्ज कर दिए जाने से पार्टी कार्यकर्ताओं के संविधान प्रदत्त नागरिक अधिकारों को स्थगित नहीं किया जा सकता! निस्संदेह, हमारी अदालतों पर मुकदमों का भारी बोझ है, पर क्या वे जन-प्रतिनिधियों पर दर्ज हत्या, जानलेवा हमले, बलात्कार, अपहरण व आर्थिक धोखाधड़ी जैसे संगीन मामलों के त्वरित निपटारे की व्यवस्था नहीं कर सकतीं?

विकास का द्वंद्व

सितंबर महीने में, औद्योगिक उत्पादन सूचकांक या आईआईपी 5.8 फीसदी बढ़ा। यह बढ़ोतरी अगस्त महीने में हुई 14 महीने की उच्चतम 10.3 फीसदी की वृद्धि की लगभग आधी थी। ज्यादातर अर्थशास्त्रियों ने भारत के व्यस्त त्योहारी कैलेंडर की शुरूआत का प्रतीक माने जाने वाले इस महीने में सात फीसदी से लेकर आठ फीसदी की वृद्धि का अनुमान लगाया था। सितंबर महीने की फैक्टरी उत्पादन में होने वाली वृद्धि जहां तीन महीनों में सबसे धीमी रही, वहीं उत्पादन के स्तर में अगस्त महीने के मुकाबले 2.4 फीसदी की गिरावट भी देखी गई। मैन्यूफैक्चरिंग क्षेत्र की वजह से यह गिरावट आई। इस क्षेत्र में साल-दर-साल के आधार पर होने वाली वृद्धि अगस्त में 9.3 फीसदी से घटकर सितंबर में 4.5 फीसदी हो गई और उत्पादन की मात्रा में महीने-दर-महीने के आधार पर दो फीसदी की गिरावट आई। अगस्त महीने में, मैन्यूफैक्चरिंग से जुड़े 23 क्षेत्रों में से केवल सात में संकुचन देखा गया था। लेकिन सितंबर महीने में संकुचन की यह सूची बढ़कर नौ हो गई, जिसमें फर्नीचर में 20 फीसदी और परिधान उत्पादन में लगभग 18 फीसदी की गिरावट आई। ज्यादा चिंता की बात यह है कि इस सितंबर महीने में 12 क्षेत्रों के उत्पादन में क्रमिक गिरावट दर्ज की गई, जिससे कंपनियों द्वारा त्योहारी खर्च की प्रत्याशा में अपने भंडार (इन्वेंट्री) को बढ़ाने की उम्मीद कम हो गई। उपभोक्ताओं के आवेगों को लेकर उत्पादकों के विश्वास में कमी टिकाऊ उपभोक्ता वस्तुओं और गैर-टिकाऊ उपभोक्ता वस्तुओं संदर्भ में परिलक्षित होती है। पिछले सितंबर में 5.5 फीसदी से अधिक संकुचन की पृष्ठभूमि में टिकाऊ उपभोक्ता वस्तुओं और गैर-टिकाऊ उपभोक्ता वस्तुओं के मामले में उपभोक्ताओं के आवेगों में क्रमशः एक फीसदी और 2.7 फीसदी की ही वृद्धि हुई। क्रमिक रूप से, गैर-टिकाऊ उपभोक्ता वस्तुएं, जिन्हें मोटे तौर पर छोटे खर्चों व तेजी से आवाजाही वाली उपभोक्ता वस्तुओं के रूप में माना सकता है, में नवंबर 2022 के बाद से देखे गए सबसे कम उत्पादन स्तर के साथ 3.5 फीसदी की गिरावट हुई। बिजली उत्पादन भी सितंबर महीने में क्रमिक रूप से 6.6 फीसदी गिर गया। ऐसा शायद अगस्त में हुई अत्यधिक वर्षा की वजह से हुआ। कुल मिलाकर, सितंबर महीने का आईआईपी दूसरी तिमाही में औसत फैक्ट्री उत्पादन में 7.4 फीसदी की वृद्धि दर्ज करता है।

सबकी बहन हो यमुना जैसी

ANALYSIS

योगेश कुमार गोयल

पंचांग के अनुसार कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की द्वितीया तिथि इस साल 14 नवंबर को दोपहर 2:36 मिनट से शुरू हो रही है, जिसका समापन 15 नवंबर को दोपहर 1:47 मिनट पर होगा। ऐसे में भाई दूज का त्योहार वैसे तो 14 और 15 नवंबर को दोनों दिन मनाया जाएगा लेकिन ज्योतिषाचार्यों के अनुसार इस वर्ष भाई दूज का त्योहार उदया तिथि के अनुसार 15 नवंबर को मनाया जाएगा और इस त्योहार को भाई के साथ मनाने का शुभ समय 15 नवंबर को सुबह 10:45 बजे से दोपहर 12:05 बजे तक है। बहुत से भाई इस दिन सौभाग्य तथा आयुष की प्राप्ति के लिए इस दिन यमुना अथवा अन्य पवित्र नदियों में साथ-साथ स्नान भी करते हैं। भैया दूज मनाने के संबंध में कई किवंदतियां प्रचलित हैं। एक कथा यमराज और उनकी बहन यमुना देवी से संबंधित है। भगवान सूर्यदेव की पत्नी छाया की कोख से यमराज और यमुना का जन्म हुआ था। यमुना अपने भाई यमराज से बहुत स्नेह करती थी और अकसर उनसे अनुरोध करती रहती थी कि वे अपने इष्ट मित्रों सहित उसके घर भोजन के लिए पधारें लेकिन यमराज हर बार उसके निमंत्रण को किसी न किसी बहाने से टाल जाते।

पंचांग के अनुसार कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की द्वितीया तिथि इस साल 14 नवंबर को दोपहर 2:36 मिनट से शुरू हो रही है, जिसका समापन 15 नवंबर को दोपहर 1:47 मिनट पर होगा। ऐसे में भाई दूज का त्योहार वैसे तो 14 और 15 नवंबर को दोनों दिन मनाया जाएगा लेकिन ज्योतिषाचार्यों के अनुसार इस वर्ष भाई दूज का त्योहार उदया तिथि के अनुसार 15 नवंबर को मनाया जाएगा और इस त्योहार को भाई के साथ मनाने का शुभ समय 15 नवंबर को सुबह 10:45 बजे से दोपहर 12:05 बजे तक है। बहुत से भाई इस दिन सौभाग्य तथा आयुष की प्राप्ति के लिए इस दिन यमुना अथवा अन्य पवित्र नदियों में साथ-साथ स्नान भी करते हैं। भैया दूज मनाने के संबंध में कई किवंदतियां प्रचलित हैं। एक कथा यमराज और उनकी बहन यमुना देवी से संबंधित है। भगवान सूर्यदेव की पत्नी छाया की कोख से यमराज और यमुना का जन्म हुआ था। यमुना अपने भाई यमराज से बहुत स्नेह करती थी और अकसर उनसे अनुरोध करती रहती थी कि वे अपने इष्ट मित्रों सहित उसके घर भोजन के लिए पधारें लेकिन यमराज हर बार उसके निमंत्रण को किसी न किसी बहाने से टाल जाते।

आमतौर पर दीपावली के दो दिन बाद अर्थात कार्तिक शुक्ल द्वितीया को मनाए जाने वाले भाई दूज पर्व को यम द्वितीय व भ्रातृ द्वितीया के नाम से भी जाना जाता है। भाई दूज की तिथि को लेकर इस वर्ष बड़ा भ्रम बना हुआ है। दरअसल पंचांग के अनुसार कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की द्वितीया तिथि इस साल 14 नवंबर को दोपहर 2:36 मिनट से शुरू हो रही है, जिसका समापन 15 नवंबर को दोपहर 1:47 मिनट पर होगा। ऐसे में भाई दूज का त्योहार वैसे तो 14 और 15 नवंबर को दोनों दिन मनाया जाएगा लेकिन ज्योतिषाचार्यों के अनुसार इस वर्ष भाई दूज का त्योहार उदया तिथि के अनुसार 15 नवंबर को मनाया जाएगा और इस त्योहार को भाई के साथ मनाने का शुभ समय 15 नवंबर को सुबह 10:45 बजे से दोपहर 12:05 बजे तक है। बहुत से भाई इस दिन सौभाग्य तथा आयुष की प्राप्ति के लिए इस दिन यमुना अथवा अन्य पवित्र नदियों में साथ-साथ स्नान भी करते हैं। भैया दूज मनाने के संबंध में कई किवंदतियां प्रचलित हैं। एक कथा यमराज और उनकी बहन यमुना देवी से संबंधित है। भगवान सूर्यदेव की पत्नी छाया की कोख से यमराज और यमुना का जन्म हुआ था। यमुना अपने भाई यमराज से बहुत स्नेह करती थी और अकसर उनसे अनुरोध करती रहती थी कि वे अपने इष्ट मित्रों सहित उसके घर भोजन के लिए पधारें लेकिन यमराज हर बार उसके निमंत्रण को किसी न किसी बहाने से टाल जाते। कार्तिक शुक्ल द्वितीया को यमुना ने यमराज को एक बार फिर भोजन के लिए आमंत्रित किया। उस समय यमराज ने विचार किया कि मैं तो अपने कर्तव्य से बंधा सदैव प्राणियों के प्राण ही हरता हूं, इसलिए इस चराचर जगत में कोई भी मुझे अपने घर नहीं बुलाना चाहता लेकिन बहन यमुना तो मुझे बार-बार अपने घर आमंत्रित कर रही है, इसलिए अब तो उसका निमंत्रण स्वीकार करना ही चाहिए। यमराज को अपने घर आया देख यमुना की खुशी का ठिकाना न रहा। उसने भाई का खूब आदर-सत्कार करते हुए उनके समक्ष नाना प्रकार के व्यंजन परोसे। बहन के आतिथ्य से यमराज बहुत प्रसन्न हुए और उन्होंने उसे कोई वर मांगने को कहा। इस पर यमुना ने उनसे अनुरोध किया कि आप प्रतिवर्ष इसी दिन मेरे घर आकर भोजन करें और मेरी तरह जो भी बहन इस दिन अपने भाई का आदर-सत्कार करे, उसे तुम्हारा भय न रहे। यमराज ने बहन यमुना को उसका इच्छित वरदान दे दिया। ऐसी मान्यता है कि उसी दिन से भाई दूज का पर्व मनाया जाने लगा। भाई दूज के संबंध में और भी कई कथाएं प्रचलित हैं। ऐसी ही एक अन्य कथा के अनुसार, एक ब्राह्मण की दो ही संतानें थी- एक पुत्र एवं एक पुत्री। पुत्री बहुत समझदार एवं गुणवती थी। वह अपने भाई से जी जान से प्यार करती थी। एक दिन उसका भाई उससे मिलने उसकी ससुराल पहुंचा। उस समय वह सूत कातने में व्यस्त थी। अतः उसे भाई के आने का पता ही न चल सका। भाई भी बिना कुछ बोले चुपचाप एक ओर बैठा रहा। जब थोड़ी देर बाद बहन की नजर उस पर पड़ी तो भाई को अपने घर आया देख उसे बेहद खुशी हुई। उसने भाई का भरपूर आदर-सत्कार किया। अगले दिन भाई को वापस लौटना था, अतः रास्ते के लिए वह आटे के पकवान बनाने के उद्देश्य से चक्की में आटा पीसने लगी। अनजाने में चक्की में बैठा सांप भी आटे के साथ पिस गया। उसी आटे के पकवान एक पोटली में बांधकर उसने भाई को विदा किया और उसके घर से जाने के बाद जब उसे यह मालूम हुआ कि आटे में सांप पिस गया है तो अपने पुत्र को पालने में ही सोता छोड़कर वह अपने भाई के प्राणों की रक्षा के लिए दौड़ी। कुछ दूर जाने पर उसे एक पेड़ की छांव में अपना भाई सोता दिखाई दिया। उसने अभी तक पोटली में से कुछ भी नहीं खाया था। उसने भगवान का शुक्रिया अदा किया और पोटली उठाकर दूर फेंक दी तथा भाई के साथ मायके की ओर चल दी। रास्ते में उसने देखा कि भारी-भारी शिलाएं आकाश में उड़ रही हैं। उसने एक राहगीर से इस रहस्य के बारे में जानना चाहा तो उसने बताया कि जो बहन अपने भाई पर कभी नाराज न होती हो और उसे दिलो-जान से चाहती हो, उस भाई की शादी के समय ये शिलाएं उसकी छाती पर रखी जाएंगी। थोड़ी दूर चलने पर उसे नाग-नागिन दिखाई दिए। नाग ने बताया कि ये शिलाएं जिस व्यक्ति की छाती पर रखी जाएंगी, हम उसे डस लेंगे। जब बहन ने इस विपत्ति से बचने का उपाय पूछा तो नाग-नागिन ने बताया कि अगर भाई के विवाह के समय उसके सभी कार्य बहन स्वयं करे, तभी भाई की जान बच सकती है। जब उसके भाई के विवाह के लग्न का शुभ मुहूर्त आया तो वह भाई को पीछे धकेलती हुई स्वयं ही लग्न चढ़वाने के लिए आगे हो गई और घोड़ी पर भी स्वयं चढ़ गई। परिवारजन और संबंधी उसके इस विचित्र व्यवहार से हैरान तथा क्रोधित थे। उसके घोड़ी पर चढ़ते ही शिलाएं उड़ती-उड़ती आई लेकिन घोड़ी पर किसी पुरुष की जगह एक महिला को बैठी देख वापस मुड़ गई। जब सुहागरात का समय आया तो वह भाई को पीछे कर खुद भाभी के साथ सोने उसके कमरे में चली गई। परिवार के सभी सदस्य तथा सभी रिश्तेदार उसके इस अजीबोगरीब व्यवहार से बेहद आश्चर्यचकित और खफा थे। उन्हें उस पर गुस्सा तो बहुत आ रहा था लेकिन उसके जिद के समक्ष सभी विवश थे। सुहागरात पर नियत समय पर नाग-नागिन उसके भाई को डसने कमरे में पहुंच गए लेकिन उसने नाग-नागिन को मारने की सारी तैयारी पहले ही कर रखी थी। आखिरकार उसने नाग-नागिन का काम तमाम कर ही दिया और उसके बाद वह निश्चिंत होकर सो गई। सुबह होने पर सभी मेहमानों को विदा करने के बाद परिवारवालों ने सोचा कि अब इस बला को भी कुछ बचा-खुचा देकर यहां से चलता कर दिया जाए लेकिन नींद से जागने पर जब उसने पूरी घटना के बारे में सबको विस्तार से बताया कि किस प्रकार वह अपने बच्चे को पालने में ही सोता छोड़कर दौड़ी-दौड़ी भाई के प्राण बचाने के लिए उसके पीछे चली आई और सभी को नाग-नागिन के मृत शरीर दिखाए तो सभी की आंखों में आंसू आ गए और भाई के प्रति उसका असीम प्यार तथा समर्पण भाव देखकर उसके प्रति सभी का हृदय श्रद्धा से भर गया। भाई-भाभी तथा माता-पिता ने उसे ढेर सारे उपहारों से लादकर बड़े मान-सम्मान के साथ खुशी-खुशी ससुराल विदा किया।

लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।

तारीख पर तारीख, आखिर कौन है जिम्मेदार

भारत के मुख्य न्यायाधीश धनंजय चंद्रचूड़ ने वकीलों की स्थगन मांगने की प्रवृत्ति की कठोर शब्दों में निंदा करते हुए कहा है कि इससे जनता में एक धारणा बनी है कि अदालतों में इंसाफ की जगह तारीखें मिलती हैं। एक बॉलिवुड फिल्म का डायलॉग जनता की जुबान पर बैठ गया है, ह्यतारीख पे तारीख, तारीख पे तारीख।ह्न सचमुच स्थगन न्याय व्यवस्था का सबसे बड़ा अभिशाप है। वकीलों द्वारा स्थगन मांगा जाना न्याय प्रणाली के साथ खिलवाड़ है। लेकिन उससे अधिक आश्चर्यजनक है अदालत द्वारा स्थगन दिया जाना। वकील सामान्य तौर पर मामले को लंबा खींचना चाहते हैं क्योंकि जल्द केस निपटेगा तो उनके पेट पर लात पड़ेगी। कुछ वर्ष पहले गया में एक जज ने स्थगन पर पूरी तरह रोक लगाकर त्वरित फैसला देना शुरू किया। महीने-दो महीने में आपराधिक मामलों का निपटान होने लगा। तब बड़ी संख्या में वकीलों ने उनके पास जाकर विरोध जताया कि इससे तो उनकी प्रैक्टिस ही बैठ जाएगी। एक दूसरा कारण भी है। हर मामले में सामान्यतः एक पक्ष कमजोर होता है। उसकी कोशिश होती है मुकदमे को जितना संभव हो लंबा खींचा जाए। लंबे अंतराल के बाद गवाह और साक्ष्य मिलना मुश्किल हो जाता है, जिससे उसके जीतने की संभावना बढ़ जाती है। साफ है, वकील केवल और केवल अपने मुवक्किल के लिए काम करते हैं, न्याय के लिए नहीं, जबकि उन्हें अदालत का अधिकारी माना जाता है जिनका दायित्व है न्याय तक पहुंचने में अदालत की सहायता करना। दिलचस्प है कि जब भी न्याय व्यवस्था की खामियों पर बहस होती है तो वकीलों की भूमिका प्रायः उससे बाहर ही रह जाती है। ध्यान रहे, भारत की आधुनिक न्याय व्यवस्था अंग्रेजी हुकूमत द्वारा दिया गया वरदान या अभिशाप है। हिंदू और मुगल भारत के साहित्य में न्यायाधीशों की महत्वपूर्ण भूमिका का जिक्र बार-बार आता है, लेकिन अधिवक्ता की कोई चर्चा नहीं मिलती। भारत की आधुनिक न्याय प्रणाली प्रारंभ से ही इतनी खचीर्ली हो गई कि न्याय के साथ उसका संबंध-विच्छेद हो गया। जब 1774 में कलकत्ते में सुप्रीम कोर्ट की स्थापना हुई तो अंग्रेज वकील इंग्लैंड में ली जाने वाली फीस का दो से पांच गुना फीस लेने लगे। विलासिता उनके ठाट-बाट और सामंती जीवन शैली में झलकती थी। उन्नीसवीं सदी के मध्य तक वहां भारतीय वकीलों को प्रैक्टिस करने की इजाजत नहीं थी। लेकिन जब उन्हें इजाजत मिली तो उन्होंने भी न्याय को सर्वसुलभ बनाने के बजाय अंग्रेज वकीलों के नक्शे-कदम पर चलते हुए पैसा कमाना बेहतर समझा। आज अधिवक्ताओं की प्रतिभा और कद का पैमाना ही यह है कि उनकी फीस कितनी ज्यादा है। आयकर रिटर्न के हिसाब से ही कई अधिवक्ताओं की प्रैक्टिस अरबों रुपये सालाना है। यह सिर्फ और सिर्फ लूट है किंतु बड़ी चतुराई से वकीलों ने अपनी कमाई को प्रतिभा से जोड़ दिया है। क्या आज तक किसी वकील के विरुद्ध आय से अधिक संपत्ति का मुकदमा चला है? सरकार खुद वकीलों को एक-एक तारीख पर लाखों रुपये फीस देती है। किसी सरकारी विभाग या राज्य सरकार का स्टैंडिंग काउंसल बनने की होड़ रहती है क्योंकि कमाई हर महीने लाखों में होती है। एक वकील कई विभागों और राज्य सरकारों का स्टैंडिंग काउंसल हो सकता है और प्राइवेट प्रैक्टिस अलग। सरकार अपने मुलाजिमों को इतनी तनख्वाह नहीं देती। बड़े-बड़े डॉक्टर एवं वैज्ञानिक सरकारी अस्पतालों और संस्थानों में काम करते हैं किंतु उन्हें भी सामान्य वेतन मिलता है। महात्मा गांधी ने भारत की खचीर्ली न्याय व्यवस्था पर हैरानी जताते हुए लिखा था कि उन्होंने इतनी महंगी व्यवस्था इंग्लैंड या दक्षिण अफ्रीका में भी नहीं देखी। गांधी जी ने कभी झूठे मुकदमे नहीं लिए, लेकिन अभी वकील एक अजीबोगरीब तर्क देते हैं कि हर व्यक्ति को बचाव का अधिकार है। बचाव का अधिकार जरूर है, लेकिन इसका यह अर्थ बिल्कुल नहीं है कि किसी का अपराध जानने के बावजूद वकील उसके बचाव में तिकड़में लगाएं। बचाव के अधिकार का अर्थ केवल इतना है कि केवल आरोप के आधार पर किसी को दंडित नहीं किया जा सकता, अन्यथा निर्दोष लोगों को भी सजा मिल जाएगी। गांधी जी ने स्पष्ट निर्देश दे रखा था कि झूठे मुकदमे लेकर कोई उनके पास नहीं आए और यदि किसी ने कोई सच उनसे छुपाया और उन्हें पता चला तो बहस के बीच भी वे काम छोड़कर निकल जाएंगे। आज शायद ही किसी में इतना विवेक हो। आश्चर्यजनक तो यह है कि न तो बार काउंसिल और न ही सुप्रीम कोर्ट ने वकीलों की फीस और उनके आचरण को नियंत्रित करने के लिए कुछ किया है। अदालत ने सीवीसी, सीबीआई निदेशक और चुनाव आयुक्त की नियुक्ति प्रक्रिया तय कर दी, महिलाओं के लैंगिक उत्पीड़न को रोकने के लिए दिशानिर्देश जारी किए, लेकिन इस दिशा में कोई कदम नहीं उठाया। जहां तक तारीख पे तारीख की बात है, यह तो पूरी तरह अदालत का अधिकार है। वकील मांगते हैं लेकिन स्थगन मिल कैसे जाता है? जाहिर है, इसके लिए जज भी उतने ही जिम्मेदार हैं। जो जज केस पढ़कर आते हैं, वे कभी स्थगन नहीं देते। जो पढ़कर नहीं आते, वे मांगते ही स्थगन दे देते हैं। यदि तारीख पे तारीख की संस्कृति को खत्म करना है तो इसके लिए कानून में संशोधन कर स्थगन के प्रावधान को खत्म करना चाहिए। लेकिन फिर उच्चतम न्यायालय तकनीकी आधार पर उस संशोधन को असंवैधानिक करार दे सकता है। सीपीसी में संशोधन कर निर्धारित किया गया कि तीन स्थगन से ज्यादा नहीं दिया जाएगा। लेकिन न्यायालय ने कहा, तकनीकी आधार पर न्याय को बाधित नहीं किया जा सकता है।

Social Media Corner

सच के हक में...

झारखंड अपनी खनिज संपदाओं के साथ-साथ जनजातीय समाज के साहस, शौर्य और स्वाभिमान के लिए सुविख्यात रहा है। यहां के मेरे परिवारजनों ने देश की उन्नति में अपना अहम योगदान दिया है। राज्य के स्थापना दिवस पर मैं उन्हें अपनी शुभकामनाएं देता हूं, साथ ही प्रदेश के उज्ज्वल भविष्य की कामना करता हूं।

(प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ट्विटर अकाउंट से)

हमारी सरकार बनने के बाद से दूसरे घंटे से ही विपक्ष के लोग सरकार गिराने में लगे हुए हैं। अगले महीने सरकार को बने हुए 4 साल होने वाले हैं। इससे पहले का जो मंजर रहा वह सभी ने देखा। जहाँ पूर्व में हाथ में राशन कार्ड लेकर लोग भूख से मरने को मजबूर होते थे, लाखों लोगों के राशन कार्ड निरस्त कर दिए जाते थे, आज हम हरा राशन कार्ड के जरिए लाखों लोगों को राशन मुहैया करा रहे हैं। हमने रिकॉर्ड समय में जेपीएससी एग्जाम का रिजल्ट निकाल कर राज्य के नौजवानों को बीडीओ, सीओ बनाकर अलग-अलग जिलों में राज्यवासियों की सेवा करने हेतु भेजने का काम किया। सरकारी नौकरियों, प्राइवेट नौकरियों, स्वरोजगार से राज्य के युवाओं को पैरों पर खड़ा करने का काम सरकार का मुख्य उद्देश्य रहा है।

(सीएम हेमंत सोरेन के ट्विटर अकाउंट से)

छंटने लगा अयोध्या की उदासी का अंधेरा

छह वर्ष पहले तक अयोध्या उदास और उपेक्षित थी...। आजादी के बाद अपने को सेक्युलर बताने वाली सरकारों को काशी-मथुरा-अयोध्या का नाम लेने में झिझक होती थी। यहां पर्यटन के अनुरूप विकास करने में संकोच होता था। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की डबल इंजन सरकार ने इस धारणा को बदल दिया। यह दुनिया जानती है कि उत्तर प्रदेश तीर्थाटन के लिहाज से बहुत समृद्ध रहा है। यहां के काशी, मथुरा, अयोध्या और सारनाथ जैसे तीर्थस्थल विश्व प्रसिद्ध है। सदियों से चलने वाले अनेक मेले भी बहुत प्रसिद्ध हैं। योगी आदित्यनाथ ने मुख्यमंत्री बनने के बाद तीर्थाटन को अर्थव्यवस्था और सामाजिक एकात्मता से जोड़ने का कार्य किया। पिछले कुंभ में उन्होंने मंत्रिमंडल की बैठक प्रयागराज में आयोजित की थी। यह विकास और संस्कृति के लिए सरकार की प्रतिबद्धता थी। अयोध्या में पांच सदियों का सपना साकार होने जा रहा है। जनवरी में भव्य श्रीराम मंदिर का लोकार्पण होगा। इसके पहले योगी आदित्यनाथ ने अयोध्या में मंत्रिमंडल की बैठक कर सुशासन का संदेश दिया। अनेक महत्वपूर्ण निर्णय लिए। श्री अयोध्या जी तीर्थ विकास परिषद के गठन का प्रस्ताव पारित किया। कैबिनेट के निर्णय के मुताबिक अयोध्या में भारतीय मंदिर वास्तुकला संग्रहालय की स्थापना होगी। अयोध्या शोध संस्थान को अंतरराष्ट्रीय अयोध्या रामायण एवं वैदिक शोध संस्थान के रूप में विकसित करने का निर्णय लिया गया। श्री देवीपाटन धाम तीर्थ विकास परिषद, शुकतीर्थ क्षेत्र परिषद के गठन का प्रस्ताव पारित भी पारित किया गया। लक्खी मेला हाथरस, मकर संक्रांति तथा बसंत पंचमी मेला अयोध्या, गंगा स्नान मेला अनूपशहर और बुलंदशहर तथा देव दीपावली काशी के प्रांतीयकरण का निर्णय उल्लेखनीय है। यह कहने में संकोच नहीं कि केवल अस्था ही नहीं, तीर्थाटन और पर्यटन की दृष्टि से तीर्थनगरों का विश्व स्तरीय विकास शुरू किया गया है। योगी आदित्यनाथ द्वारा शुरू किए गए दीपोत्सव से अयोध्या की उदासी का अंधेरा छंटने लगा है। इसी के साथ एक सन्देश भी निर्मित हो गयाझ्र तमसो मा ज्योतिर्गमय अर्थात अंधेरे से ज्योति की ओर बढ़ने का प्रतीक बन गई है अयोध्या। दीपों का यह पर्व भारत की सांस्कृतिक अस्मिता को सम्पूर्ण प्रकाश के साथ अभिव्यक्त करने का अवसर बन गया। अयोध्या को आधुनिक स्मार्ट सिटी के तौर पर विकसित किया जा रहा है। सरकार ने सैकड़ों पर्यटकों के सुझाव के बाद एक विजन डॉक्यूमेंट भी तैयार किया है। अयोध्या के विकास की परिकल्पना एक आध्यात्मिक केंद्र, वैश्विक पर्यटन हब और एक स्थायी स्मार्ट सिटी के रूप में की जा रही है। कनेक्टिविटी में सुधार के प्रयास जारी हैं। इनमें एयरपोर्ट, रेलवे स्टेशन के विस्तार, बस स्टेशन, सड़कों और राजमार्गों व ढांचा परियोजनाओं का निर्माण शामिल है। ग्रीनफील्ड टाउनशिप भी प्रस्तावित है। इसमें तीर्थ यात्रियों के ठहरने की सुविधा, आश्रमों के लिए जगह, मठ, होटल, विभिन्न राज्यों के भवन आदि शामिल हैं। इसके अलावा अयोध्या में मंत्रिपरिषद ने उत्तर प्रदेश अन्तर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण के गठन के लिए उत्तर प्रदेश अन्तर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण विधेयक का पारण विधानमंडल से कराये जाने के प्रस्ताव को अनुमोदित कर दिया है। उत्तर प्रदेश में गंगा नदी, यमुना नदी एवं अन्य प्रमुख नदियों में कुल ग्यारह राष्ट्रीय जलमार्ग स्थित है। प्रदेश में अपेक्षाकृत सस्ती परिवहन सुविधा उपलब्ध कराने हेतु जल परिवहन एवं जल पर्यटन को विकसित करने के उद्देश्य से प्रदेश स्तर पर भी अन्तर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण का गठन किया जाना है। इस प्राधिकरण के गठन से देश में जल परिवहन, जल पर्यटन तथा पोत परिवहन एवं नौ-वहन के क्षेत्र में विकास, विनियमन एवं पर्यावरणीय सुरक्षा को विकसित किया जा सकेगा।

पछाड़ने वाला झटका

क्रिकेट विश्व कप आखिरकार अपने अंतिम पड़ाव की ओर बढ़ चला है। अक्टूबर के 5 तारीख को अहमदाबाद में इंग्लैंड और न्यूजीलैंड के बीच पहले मैच से शुरू हुआ यह कारवां भारत के विभिन्न छोरों के बीच बहुत से शहरों से गुजर चुका है। अपने घर में, रोहित शर्मा के खिलाड़ियों ने तगड़ा दबदबा दिखाया है। उन्होंने विपक्षी टीमों को दरकिनार कर दिया है, चाहे वे जीत की दावेदार टीमें हों या फिर उभरती हुई। लगातार नौ मैच जीतना एक उल्लेखनीय उपलब्धि है। नीली जर्सी वाले खिलाड़ियों ने दम-खम के साथ बल्लेबाजी और पूरे जोश के साथ गेंदबाजी की। अपने सभी मुकाबलों को आसानी से जीतते हुए वे 18 प्वाइंट के साथ लीग चरण में सबसे ऊपर हैं। सन- 1983 और 2011 में विश्व कप विजेता रह चुके भारत की नजर तीसरी बार यह गौरव हासिल करने पर है। बुधवार को मुंबई में होने वाले सेमीफाइनल में न्यूजीलैंड उसके लिए एक बाधा है। इंग्लैंड में 2019 संस्करण के दौरान, सेमीफाइनल में न्यूजीलैंड के खिलाफ भारत कमजोर पड़ गया था। हालांकि, इस बार लीग चरण में अपने दुर्दम्य प्रतिद्वंद्वी को धर्मशाला में परास्त कर चुके, भारतीय क्रिकेटरों का मानना है कि वे केन विलियमसन की टीम की बाधा पार कर सकते हैं। लीग चरण के बीच में अंक-तालिका में मची होड़ में पाकिस्तान व अफगानिस्तान को पछाड़कर न्यूजीलैंड ने क्वालीफाई किया है और उसके पास रचिन रवींद्र के रूप में क्षमताओं से लैस एक बल्लेबाज है। न्यूजीलैंड एक ऐसी टीम है जो हमेशा अपनी संपूर्णता में अपने घटकों के योगफल से बढ़कर है। वह एक मुश्किल प्रतिद्वंद्वी साबित हो सकती है और भारत, अपने मौजूदा फॉर्म के बावजूद, नॉकआउट चरण के खतरों से भलीभांति वाकिफ है। वर्ष 2015 संस्करण में भी, भारत सेमीफाइनल में पराजित हुआ था।

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222, Jharkhand And Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001. Editor- Fahim Akhtar. E-mail : thephotonnewsjharkhand@gmail.com

साइबरट्रक को दोबारा बेचने पर टेस्ला खरीदारों पर मुकदमा नहीं करेगी

सैन फ्रांसिस्को।

एलन मस्क द्वारा संचालित टेस्ला वाहन खरीदने के पहले साल के भीतर उसे दोबारा बेचने पर साइबरट्रक खरीदारों पर मुकदमा नहीं करेगी।ऐसा लगता है कि विवादास्पद खरीद क्लॉज (खंड) को कंपनी ने अपकमिंग वाहन के लिए अपने अद्यतन नियमों और शर्तों से हटा दिया है। यह न्यूज सबसे पहले इलेक्ट्रेक द्वारा रिपोर्ट की गई थी। इससे पहले, अपने मोटर वाहन ऑर्डर समझौते के केवल साइबरट्रक के लिए टाइटल वाले सेक्शन में टेस्ला ने उल्लेख किया था, आप सहमत हैं कि आप अपने वाहन की डिलीवरी तिथि के बाद पहले वर्ष के भीतर वाहन नहीं बेचेंगे या अन्यथा बेचने का प्रयास नहीं करेंगे। आगे कहा कि टेस्ला वाहन के मालिकाना हक के हस्तांतरण को रोकने के लिए निषेधाज्ञा राहत की मांग कर सकता है या आपसे 50,000 डॉलर की राशि/बिक्री/हस्तांतरण के लिए सोच-विचार (कंसीडरेशन) के रूप में प्राप्त मूल्य, जो भी अधिक हो, की क्षतिपूर्ति की मांग कर सकता है। टेस्ला आपको भविष्य में कोई भी वाहन बेचने से इंकार भी कर सकता है। मंगलवार सुबह तक, उस सेक्शन को समझौते से हटा दिया गया। हालांकि, यह स्पष्ट नहीं है कि टेस्ला ने इस प्रतिबंध पर अपना रुख क्यों पलट दिया। साइबरट्रक, जिसे पहली बार 2019 में घोषित किया गया था, वर्षों में टेस्ला का पहला नया प्रोडेक्ट है, और इससे इलेक्ट्रिक पिकअप-ट्रक

बाजार में हलचल मचने की उम्मीद है। टेस्ला ने शुरुआत में कहा था कि ट्रक की कीमत 39,900 डॉलर से शुरू होगी, लेकिन महंगी निर्माण सामग्री के कारण इसकी कीमत बहुत अधिक होने की उम्मीद है। साइबरट्रक महीने के अंत में बाजार में आ जाएगा।

भारत का टैबलेट बाज़ार तिमाही आधार पर 41 प्रतिशत, 5जी शिपमेंट सालाना आधार पर 86 फीसदी बढ़ा

नई दिल्ली।

एक नई रिपोर्ट में मंगलवार को बताया गया कि 5जी टैबलेट और प्रीमियम मॉडल की मजबूत मांग के कारण इस साल तीसरी तिमाही में भारत के टैबलेट बाजार में तिमाही-दर-तिमाही (क्यूओक्यू) 41 प्रतिशत की वृद्धि हुई।साइबर मीडिया रिसर्च (सीएमआर) की रिपोर्ट के अनुसार, तीसरी तिमाही में 5जी टैबलेट शिपमेंट में साल-दर-साल (वाईओवाई) 86 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जो कुल टैबलेट शिपमेंट का 16 प्रतिशत है। प्रीमियम टैबलेट पीसी सेगमेंट (30,000 रुपये और उससे अधिक) में भी प्रभावशाली वृद्धि देखी गई, शिपमेंट में 79 प्रतिशत तिमाही-दर-तिमाही की वृद्धि हुई। हालांकि, ओवरऑल टैबलेट बाज़ार में साल-दर-साल 10 प्रतिशत की गिरावट देखी गई। एप्पल 26 प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी के साथ आगे रहा, जिसमें 20 प्रतिशत की सालाना वृद्धि हुई, उसके बाद सैमसंग (21 प्रतिशत) और लेनोवो (20 प्रतिशत) का स्थान रहा। शाओमी ने इस अवधि में छोटे आधार से सालाना आधार पर 98 प्रतिशत की महत्वपूर्ण वृद्धि देखी। एनालिस्ट-इंडस्ट्री इंटेलिजेंस ग्रुप (आईआईजी) की मेनका कुमारी ने कहा, एप्पल की मजबूत वृद्धि, रियलमी और शाओमी के असाधारण प्रदर्शन के साथ मिलकर, टैबलेट पीसी बाजार के प्रीमियम और वैल्यू-फॉर-मनी दोनों स्तरों पर उपभोक्ता प्राथमिकताओं में एक महत्वपूर्ण बदलाव का संकेत देती है। कुमारी ने कहा कि 5जी के निरंतर प्रसार के साथ हम विभिन्न प्रकार के अनुप्रयोगों और सेवाओं में तेजी से गतिशील और निर्बाध यूजर्स एक्सपीरियंस की आशा करते हैं।भारत में ओवरऑल (समग्र) टैबलेट बाजार में 2023 में सिंगल-डिजिट सालाना वृद्धि का अनुभव होने की उम्मीद है। उन्होंने आगे कहा कि एप्पल, रियलमी और शाओमी जैसे प्रमुख प्लेयर्स की बाजार हिस्सेदारी में पर्याप्त वृद्धि भारत में विविध टैबलेट विकल्पों की बढ़ती मांग को दर्शाती है।

सुमित सिंह द्वारा संचालित ऑनलाइन पालतू पशु उत्पाद रिटेलर चूवी ने 200 से अधिक कर्मचारियों की छँटनी की

सैन फ्रांसिस्को।

भारतीय मूल के उद्यमी सुमित सिंह द्वारा संचालित अमेरिका स्थित पालतू भोजन और अन्य उत्पादों के ऑनलाइन रिटेलर चूवी ने कथित तौर पर 200 से अधिक कर्मचारियों को नौकरी से निकाल दिया है। टेकक्रंच ने सूत्रों के हवाले से बताया कि प्रभावित कर्मचारी एचआर, भर्ती, डेटा और बिजनेस इंटेलिजेंस डिवीजनों में थे। एक उपाध्यक्ष सहित कुछ निदेशक और उच्च प्रबंधक शामिल थे। कंपनी कथित तौर पर कार्यकाल के आधार पर अतिरिक्त सप्ताह के साथ न्यूनतम एक महीने का विलगाव प्रदान करेगी। चूवी ने छंटनी की पुष्टि करते हुए कहा, 2024 की ओर बढ़ते हुए ÷हमने अपनी कुछ कर्मचारियों की संख्या को मजबूत करने और अपने प्रयासों को प्राथमिकताओं में सरेखित करने का अवसर लिया, जिसके बारे में हमारा मानना है कि इससे हमें सबसे महत्वपूर्ण ग्राहक हासिल होंगे और उच्चतम व्यावसायिक रिटर्न मिलेगा, जिससे हम कंपनी के भविष्य को मजबूत करने में सक्षम हो सकेंगे। कंपनी के एक प्रवक्ता ने कहा, यह एक कठिन निर्णय था जिसे हमारी समग्र रणनीति और अधिक चुस्त तथा अनुशासित कंपनी बनाने पर चल रहे फोकस के हिस्से के रूप में सावधानीपूर्वक लिया गया था। हम अपनी टीम के सदस्यों के योगदान के लिए आभारी हैं और इस परिवर्तन के दौरान उनका समर्थन करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। पिछले महीने के अंत में जारी तीसरी तिमाही के विते तीय परिणाम में चुवी ने 2.78 अरब डॉलर का राजस्व दर्ज किया था। कंपनी के सीईओ सिंह ने निवेशकों के सम्मेलन के दौरान कहा, गर्मी के महीनों के समाप्त होने के साथ हम उपभोक्ताओं की मानसिकता में बदलाव महसूस कर रहे हैं, जिससे वे अधिक समझदार बन सकें और साथ ही अपनी पसंद के विश्वसनीय रिटेलर को अधिक भुगतान करने की अधिक इच्छा भी महसूस कर सकें। उन्होंने कहा, यह व्यवहार अधिक तरल मैक्रो वातावरण से प्रेरित है, जिसमें मुद्रास्फीति का उच्च स्तर भी शामिल है। हमारे आपूर्तिकर्ताओं के साथ हमारी बातचीत इस बात की पुष्टि करता है कि ये रुझान पूरे पालतू पशु उद्योग में व्याप्त हैं। सिंह 2018 से चूवी (2011 में लॉन्च) के सीईओ हैं, और कंपनी के निदेशक मंडल में हैं। उन्होंने 2019 में आईपीओ के माध्यम से कंपनी का नेतृत्व किया, इस प्रक्रिया में एक अरब डॉलर से अधिक जुटाए।

सुंदर पिचाई ने कहा, अल्फाबेट ने ऐप्पल को सफारी राजस्व का 36 प्रतिशत भुगतान किया

वाशिंगटन।

अल्फाबेट के सीईओ सुंदर पिचाई ने पुष्टि की है कि डिफॉल्ट सर्च समझौते की शर्तों के तहत, एप्पल को गूगल सफारी सर्च इंजन राजस्व का 36 प्रतिशत भुगतान कर रहा है। सीएनबीसी की रिपोर्ट के अनुसार, वाशिंगटन डीसी में फोर्टनाइट डेवलपर एपिक गेम्स द्वारा गूगल के खिलाफ दायर मुकदमे में गवाही देते हुए पिचाई ने मंगलवार को इस बात की पुष्टि की।एपिक के एक वकील ने पिचाई से पूछा कि क्या गूगल के गवाह द्वारा प्रस्तुत विवरण सटीक हैं। पिचाई ने जवाब दिया, यह सही है।

सैमसंग सौदे के बारे में पिचाई ने अदालत से कहा कि यह सेब और संतरे की तरह है। रिपोर्ट में कहा गया है, एपिक के वकील ने पिचाई से एप्पल को भुगतान की जाने वाली सटीक राशि के बारे में भी पूछा, जिस पर पिचाई ने कहा कि यह 10 बिलियन डॉलर से अधिक है। लेकिन वकील ने कहा कि यह आंकड़ा वास्तव में 18 बिलियन डॉलर है। एपिक गेम्स के अलावा, अल्फाबेट (गूगल की मूल कंपनी) कथित प्रतिस्पर्धा-विरोधी व्यवहार से संबंधित दो अलग-अलग अमेरिकी न्याय विभाग के मुकदमों का सामना कर रही है। एपिक तर्क दे रहा है कि एंड्रॉइड स्मार्टफ़ोन के लिए गूगल प्ले स्टोर पर गूगल का एकाधिकार नियंत्रण कानूनों का उल्लंघन करता है।इस बीच, गूगल ने अपने लोकप्रिय गेम फोर्टनाइट को गूगल प्ले स्टोर पर लॉन्च करने के लिए गेम डेवलपर एपिक गेम्स को 147 मिलियन डॉलर के सौदे की पेशकश की।

बाजार में सेंसेक्स 742.06 और निफ्टी 231.90 अंक उछलकर बंद

मुंबई ।

स्थानीय शेयर बाजारों में बुधवार को तेजी रही और बीएसई सेंसेक्स 742 की बढ़ी बढ़त के साथ बंद हुआ। वैश्विक बाजारों में तेजी के बीच अमेरिका में महंगाई के अनुकूल आंकड़ों के साथ घरेलू बाजारों में उछाल आया। अमेरिका में मुद्रास्फीति को लेकर रिपोर्ट उत्साहजनक होने से केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व द्वारा नीतिगत दर में और वृद्धि नहीं करने की संभावना बढ़ी है। तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 742.06 अंक उछलकर 65,675.93 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान, यह एक समय 813.78 अंक तक चढ़ गया था। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी भी 231.90 अंक बढ़कर 19,675.45 अंक पर बंद हुआ।

सेंसेक्स की कंपनियों में टेक महिंद्रा, टाटा मोटर्स, इंफोसिस, विप्रो, टाटा स्टील, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, रिलायंस इंडस्ट्रीज और एक्सिस बैंक प्रमुख रूप से लाभ में रहीं। वहीं नुकसान में रहने वाले शेयरों में बजाज फाइनेंस, इंडसइंड बैंक और पावर ग्रिड शामिल हैं।

एशिया के अन्य बाजारों में दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, जापान का निक्की, चीन का शंघाई कम्पोजिट और हांगकांग का हैंगसेंग बढ़त में रहे। यूरोप के प्रमुख बाजारों में शुरुआती

कारोबार में तेजी का रुख था। अमेरिकी बाजार मंगलवार को बढ़त में रहे थे। इस बीच, वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.78 प्रतिशत की गिरावट के साथ 81.83 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा था। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, खुदरा मुद्रास्फीति अक्टूबर में चार माह के निचले स्तर 4.87 प्रतिशत पर आ गई। मुख्य रूप से खाद्य वस्तुओं के दाम में नरमी से महंगाई कम हुई है। वहीं थोक मुद्रास्फीति में लगातार सातवें महीने गिरावट आई और यह शून्य से 0.52 प्रतिशत नीचे रही।

चीन की अर्थव्यवस्था में अक्टूबर में सुधार के संकेत

बीजिंग: चीन की अर्थव्यवस्था में अक्टूबर में सुधार के संकेत दिखे। खुदरा बिक्री और विनिर्माण में तेजी आई है, हालांकि संपत्ति क्षेत्र सुस्त बना हुआ है। सरकार ने बुधवार को यह जानकारी दी। अक्टूबर में फैक्टरी उत्पादन एक साल पहले की तुलना में 4.6 प्रतिशत बढ़ा, जबकि खुदरा बिक्री में 7.6 प्रतिशत की वृद्धि हुई। हालांकि, रियल एस्टेट निवेश में 9.3 प्रतिशत की गिरावट आई। अधिकारियों ने स्वीकार किया कि उद्योग अब भी समायोजन स्थापित करने की कोशिश कर रहा है। दो साल पहले डेवलपर्स द्वारा अत्यधिक उधार लेने और फिर वैश्विक महामारी की मार के कारण उद्योग संकट में आ गया। निर्यात की वैश्विक मांग के लड़खड़ाने और संपत्ति क्षेत्र की हालत और खराब होने से चीन की अर्थव्यवस्था गर्मियों में धीमी पड़ गई थी। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, जुलाई-सितंबर में अर्थव्यवस्था 4.9 प्रतिशत की वार्षिक गति से बढ़ी, जो विश्लेषकों के करीब 4.5 प्रतिशत के पूर्वानुमान से बेहतर है। हालांकि यह पिछली तिमाही की 6.3 प्रतिशत वार्षिक वृद्धि दर से बहुत कम है। दुनिया की नंबर दो अर्थव्यवस्था फिर से गति पकड़ रही है।

एप्पल, गूगल, अमेजन को देना पड़ सकता है 5,000 करोड़ का टैक्स

नई दिल्ली । कर नहीं देने के मामले में आयकर विभाग एपल, गूगल और अमेजन की भारतीय शाखाओं की जांच कर रहा है। बताया जा रहा है कि मामला 5,000 करोड़ रुपए से ज्यादा के संभावित कर से जुड़ा है। 2021 में शुरू हुई एक जांच के तहत अधिकारियों ने इन कंपनियों से उनकी ट्रांसफर प्राइसिंग प्रैक्टिस के संबंध में जवाब मांगा है। इस दौरान विभाग ने कंपनियों की ओर से पेश किए गए जवाब को भी खारिज कर दिया है। आयकर विभाग विज्ञापन, मार्केटिंग, प्रमोशन खर्च, रॉयल्टी भुगतान, ट्रेडिंग, सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट व मार्केटिंग सपोर्ट सेवाओं से संबंधित लेनदेन पर तीनों टेक दिग्गजों की जांच कर रहा है। एपल की भारतीय यूनिट ओरिजिनल उपकरणों की खरीदारी और उन्हें घरेलू बाजार में बेचने को लेकर जांच के दायरे में है। हालांकि, एपल ने कहा कि यह कर के दायरे से बाहर है। एपल का भारत में 2022-23 के दौरान कारोबार 48 फीसदी बढ़कर करीब 50,000 करोड़ रुपए पहुंच गया। उसका मुनाफा बढ़कर 2,229 करोड़ रुपए पहुंच गया है। जांच के मुताबिक, अमेजन के ग्राहक डिलीवरी शुल्क का 50 फीसदी विज्ञापन, मार्केटिंग और प्रमोशन खर्च का हिस्सा माना गया। इससे कर देनदारी 100 करोड़ से ज्यादा हो गई। गूगल इंडिया के लिए यह मुद्दा कुछ ऐसे लेनदेन का है, जिनकी जानकारी फॉर्म 3 सीईबी में नहीं दी गई है। इसे अंतरराष्ट्रीय कर के रूप में माना जाता है, जिससे गूगल पर देनदारी बनती है।

बिजली की मांग बढ़ने से राज्यों का कोयले पर जोर

नई दिल्ली । पिछले कई वर्षों से राज्यों के ऊर्जा और बिजली मंत्रियों की वार्षिक बैठक मुख्य तौर पर बिजली वितरण की समस्याओं और बिजली आपूर्ति के लिए बुनियादी ढांचे में सुधार के उपायों पर केंद्रित होती थी। मगर करीब एक दशक बाद बैठक मुख्य तौर पर कोयले पर केंद्रित रही। केंद्रीय बिजली मंत्रालय द्वारा इस महीने की शुरुआत में दिल्ली में आयोजित बैठक में चर्चा के मुख्य मुद्दे कोयले से चलने वाले नए बिजली संयंत्र खोलना और बिजली की मांग बढ़ना थे। 2014 में राज्यों के ऊर्जा, बिजली मंत्रियों की वार्षिक बैठक कोयले की आपूर्ति पर केंद्रित थी। साल 2016 से 2018 के बीच बैठकें ग्रामीण एवं शहरी विद्युतीकरण और बिजली वितरण कंपनियों (डिस्कॉम) के लिए सुधार की केंद्रीय योजनाओं पर केंद्रित थीं। 2019 में चर्चा उपभोक्ताओं के लिए बिजली की कीमत घटाने और स्मार्ट प्रीपेड मीटर जैसी बेहतर प्रौद्योगिकी अपनाने पर केंद्रित हो गई। कोविड के बाद डिस्कॉम का वित्तीय संकट से उबरना और डिस्कॉम की व्यवहार्यता मुख्य मुद्दे बन गए। अधिक से अधिक अक्षय ऊर्जा को शामिल करना पिछले दशक का मुख्य विषय रहा है। मगर बिजली की भारी मांग देखते हुए राज्य कोयला से चलने वाले बिजली संयंत्रों की ओर रुख कर रहे हैं। कुछ राज्यों ने नए मेगा संयंत्रों के लिए निविदाएं आमंत्रित की हैं तो कुछ अपने मौजूदा संयंत्रों की क्षमता बढ़ा रहे हैं।

केंद्र ने स्टार्टअप,एमएसएमई के लिए फंडिंग योजना शुरू की

नई दिल्ली।

केंद्रीय खान मंत्रालय ने बुधवार को बताया की कि उसने खनन, खनिज प्रसंस्करण, धातुकर्म और रीसाइक्लिंग क्षेत्र (एसएंडटी-प्रिज्म) में स्टार्टअप और एमएसएमई में अनुसंधान और नवाचार को वित्त पोषित करने का निर्णय लिया है और योजना के लिए दिशानिर्देश जारी किया है।मंत्रालय ने कहा कि दो साल तक की फंडिंग के लिए स्टार्टअप, एमएसएमई और व्यक्तिगत इनोवेटर्स से प्रस्ताव आमंत्रित किए जाएंगे, जिनका खनिज क्षेत्र, खनन और औद्योगिक अनुप्रयोगों के व्यावहारिक और टिकाऊ पहलुओं पर सीधा असर पड़ता है। यह निर्णय उन्हें उस स्तर तक पहुंचने में सक्षम बना सकता है जहां वे निवेश जुटाने में सक्षम होंगे या वे वाणिज्यिक बैंकों/वित्तीय संस्थानों से ऋण लेने की स्थिति में पहुंच जाएंगे। मंत्रालय के बयान में बताया गया है कि फंडिंग को अपेक्षाकृत परेशानी मुक्त तरीके से नवीन प्रौद्योगिकियों/उत्पादों/सेवाओं के विकास और व्यावसायीकरण के बीच एक पुल के रूप में कार्य करने के लिए तैनात किया गया है। एस एंड टी-प्रिज्म का मुख्य विचार अनुसंधान का प्रौद्योगिकी (उत्पाद/प्रक्रिया/सेवाओं) में अनुवाद करना है, लेकिन खुले अंत वाले मौलिक अनुसंधान को अंजाम देना नहीं है। जांच से नवाचार या नए उत्पाद/प्रक्रिया को प्रदर्शन या पायलट पैमाने पर तैनाती के लिए तैयार किया जाना चाहिए, न कि केवल पेटेंट चरण पर होना चाहिए। जवाहरलाल नेहरू एल्युमीनियम अनुसंधान विकास और डिजाइन केंद्र, नागपुर, खान मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रण के तहत एक स्वायत्त निकाय **S&T - PRISM** के लिए कार्यान्वयन एजेंसी होगी। चयनित स्टार्टअप और एमएसएमई को कार्यान्वयन एजेंसी के तहत एक सुविधा और मेंटरशिप टीम द्वारा संपूर्ण परियोजना विकास अवधि के दौरान और तकनीकी समापन की तारीख से दो साल के लिए मेंटरशिप या इनक्यूबेशन सहायता और तकनीकी सलाहकार सहायता प्रदान की जाएगी। परामर्श समर्थन के दायरे में सलाह, नेटवर्किंग, संसाधनों का दोहन, पायलटिंग, व्यवसाय

योजना और धन जुटाना शामिल होगा। इसके अलावा, खनन, खनिज प्रसंस्करण, धातुकर्म और रीसाइक्लिंग क्षेत्र में स्टार्टअप और एमएसएमई के लिए प्रायोगिक अवसर प्रदान किए जाएंगे। मंत्रालय के बयान के अनुसार, उत्तर पूर्व क्षेत्र के स्टार्टअप/एमएसएमई और महिला नेतृत्व वाले उद्यमों को प्राथमिकता दी जाएगी। खनिज संसाधनों के निष्कर्षण और व्यवहार्य आर्थिक मिश्र धातुओं और धातुओं में इसके अभिसरण में सुरक्षा, अर्थव्यवस्था, गति और दक्षता के सर्वोपरि महत्व को पहचानते हुए, राष्ट्रीय खनिज नीति ने अनुसंधान एवं विकास (आरएंडडी) कार्यक्रमों को उच्च प्राथमिकता दी है।

अक्टूबर में भारत का व्यापार घाटा बढ़कर 31.5 अरब डॉलर हुआ

नई दिल्ली। वाणिज्य सचिव सुनील बर्थवाल ने बुधवार को कहा कि अक्टूबर में भारत का व्यापार घाटा 31.46 अरब डॉलर रहा, जबकि इस महीने के दौरान देश का आयात बढ़कर 65.03 अरब डॉलर हो गया। वैश्विक कच्चे तेल की कीमतों में तेज उछाल के कारण देश के इंपोर्ट बिल में वृद्धि हुई है। इसी तरह, सोने का आयात अक्टूबर 2022 की तुलना में अक्टूबर 2023 में 5.5 प्रतिशत बढ़कर 29.48 बिलियन डॉलर हो गया। सितंबर में व्यापार घाटा 19.37 अरब डॉलर था। अक्टूबर में देश का निर्यात 6.2 प्रतिशत बढ़कर 33.57 बिलियन डॉलर हो गया, जो अक्टूबर 2022 में 31.60 बिलियन डॉलर था, जबकि आयात 65.03 बिलियन डॉलर रहा, जो पिछले साल इसी महीने 57.91 बिलियन डॉलर से अधिक था। माह के दौरान निर्यात में वृद्धि राहत की बात है। इसने हाल के महीनों में गिरावट के ट्रेंड को तोड़ दिया। इस वर्ष अप्रैल-अक्टूबर के दौरान निर्यात पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में 7 प्रतिशत गिरकर 244.89 बिलियन डॉलर रह गया। अप्रैल-अक्टूबर में माल आयात 391.96 अरब डॉलर रहा, जो पिछले साल की समान अवधि से 8.95 प्रतिशत कम है।

नोकिया को ओटीएन उपकरण खरीद का ऑर्डर दे सकता है बीएसएनएल

- नोकिया के अलावा, यूटीएल और तेजस नेटवर्क ने भी आवेदन किया

नई दिल्ली ।

बीएसएनएल नोकिया को ऑप्टिकल ट्रांसपोर्ट नेटवर्क (ओटीएन) उपकरण के लिए 1,000 करोड़ रुपये का खरीद ऑर्डर देने की तैयारी में है। कॉन्ट्रेक्ट मूल्यांकन चरण में है और जल्द ही एडवांस खरीद ऑर्डर मिलने की उम्मीद है। गौर करने वाली बात है कि नोकिया बीएसएनएल को ऑप्टिकल नेटवर्क के लिए उपकरण उपलब्ध कराएगा और एक लोकल सिस्टम इंटीग्रेटर के माध्यम से इसके सेटअप को संभालेगा। ईटी ने रिपोर्ट किया है कि नोकिया के अलावा, टाटा समूह की यूनाइटेड टेलीकॉम (यूटीएल) और तेजस नेटवर्क जैसी लोकल कंपनियों ने भी बीएसएनएल कॉन्ट्रेक्ट के लिए आवेदन किया है। भारतीय दूरसंचार गियर निर्माता टेक्सास ने अनुमति से अधिक बोली लगाई, इसलिए उसने कॉन्ट्रेक्ट खो दिया। रिपोर्ट के मुताबिक टेक्सास की बोली अन्य बोलियों की तुलना में 21 फीसदी अधिक थी, जो मेक इन इंडिया (पीएमआई) फ्रेमवर्क के तहत अनुमत 20 फीसदी से अधिक है। पीएमआई फ्रेमवर्क भारतीय कंपनियों को सरकारी अनुबंधों पर 50 फीसदी का लाभ देता है, लेकिन केवल तभी जब उनकी बोलियां सबसे कम बोली के 20 फीसदी के भीतर हो। इससे पहले टाटा के स्वामित्व वाले टेक्सास नेटवर्क्स ने बीएसएनएल कॉन्ट्रेक्ट के लिए बोली पेश की थी, लेकिन उसकी बोली रद्द कर दी गई थी क्योंकि यह एकमात्र बोलीदाता थी। इसके बाद बीएसएनएल ने इस साल जून में दोबारा टेंडर जारी किया था। बीएसएनएल का अनुबंध अखिल भारतीय स्तर पर ऑप्टिकल ट्रांसपोर्ट नेटवर्क की सप्लाई, स्थापना और कमीशनिंग के लिए है। इसका मतलब यह है कि कॉन्ट्रेक्ट जीतने वाली कंपनी पूरे भारत में डेटा संचारित करने के लिए आवश्यक उपकरण उपलब्ध कराने और स्थापित करने के लिए जिम्मेदार होगी।

कॉन्ट्रेक्ट में तीन साल के संचालन और रखरखाव (ओएंडएम) सेवाओं और आठ साल के लिए एक व्यापक वार्षिक रखरखाव अनुबंध (एएमसी) का प्रावधान भी शामिल है।

चीन के प्रभुत्व वाले उच्च-प्रौद्योगिकी क्षेत्रों में खतरा ज्यादा: कार्ल मेहता

सैन फ्रांसिस्को । क्वाड इन्वेस्टर नेटवर्क के चेयरमैन कार्ल मेहता ने कहा कि उच्च प्रौद्योगिकी के ऐसे कई क्षेत्र हैं जिन पर वर्तमान में चीन का प्रभुत्व है, जो एक बड़े खतरे का संकेत है। एशिया पैसिफिक इकॉनोमिक कॉपरेशन (एपीईसी) लीडरशिप समिट के मौके पर एक साक्षात्कार में मेहता ने कहा कि उन क्षेत्रों में जहां चीन की बाजार हिस्सेदारी 70 प्रतिशत, 80 प्रतिशत से लेकर 100 प्रतिशत तक है, वहां खतरा अधिक है। उन्होंने कहा` कि मिसाल के तौर परमानेंट मैग्नेट का 400 अरब अमेरिकी डॉलर का बाजार है और इसका करीब 100 प्रतिशत निर्माण अब चीन में होता है। वे खनन को नियंत्रित करते हैं, वे स्पष्ट रूप से प्रसंस्करण को नियंत्रित करते हैं। क्वाड इन्वेस्टर नेटवर्क पूरे क्वाड देशों में निवेशकों, उद्योग और नवप्रवर्तकों के लिए प्रमुख प्रौद्योगिकी नेटवर्क है। क्वाड देशों के प्रतिनिधि इसकी नेतृत्व टीम और सलाहकार बोर्ड के सदस्य हैं। क्वाड में भारत, अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया शामिल हैं। क्वाड इन्वेस्टर नेटवर्क ने एप्सिलॉन एडवांस्ड मैटेरियल्स ऑफ इंडिया के साथ अपने सहयोग की घोषणा की। इसने हाल ही में उत्तरी कैरोलिना में 65 करोड़ अमेरिकी डॉलर की बैटरी सामग्री तथा घटक संयंत्र बनाने का निर्णय किया है।

मुंबई हवाईअड्डे ने 11 नवंबर को 1,032 उड़ानों का रिकॉर्ड बनाया

मुंबई। त्योहारी सीजन के दौरान बढ़ती हवाईयात्रा के साथ, छत्रपति शिवाजी महाराज अंतर्राष्ट्रीय हवाईअड्डे (सीएसएमआईए) ने 11 नवंबर को एक ही दिन में 1,032 एयर ट्रैफिक मूवमेंट (एटीएम) का नया रिकॉर्ड बनाया। अधिकारियों ने यह जानकारी बुधवार को दी।इसने 9 दिसंबर, 2018 को सीएसएमआईए में एक ही दिन में संचालित 1,004 उड़ानों के पिछले रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया है, जिसमें एक क्रिस-क्रॉस रनवे है, जो एक समय में केवल एक परिचालन रनवे देता है। 11 नवंबर के रिकॉर्ड दिन पर 1,032 उड़ानों के माध्यम से सीएसएमआईए ने 107,765 घरेलू और 53,680 अंतरराष्ट्रीय यात्रियों सहित कुल 161,419 यात्रियों को सेवा प्रदान की। मौजूदा त्यौहार सीएसएमआईए में व्यस्त रहा है और 11-13 नवंबर तक चरम दिवाली सीजन सप्ताहांत के दौरान हवाईअड्डे ने 2,137 घरेलू और 757 अंतर्राष्ट्रीय परिचालन सहित 2,894 उड़ानें संचालित कीं। इसी अवधि में हवाईअड्डे पर 516,562 यात्रियों का यातायात देखा गया, जिसमें 354,541 घरेलू और 162,021 अंतर्राष्ट्रीय यात्री शामिल थे, क्योंकि लोगों ने दिवाली सप्ताहांत में विस्तारित छुट्टी का लाभ उठाया था।

ऐतिहासिक प्राचीन पवित्र शिवपुरी

शिवपुरी में बने महल और झीलें यहां आने वाले पर्यटकों के आकर्षण का केन्द्र हैं. मध्य प्रदेश के शिवपुरी की प्राकृतिक सुंदरता देखते ही बनती है. यहां पर चलने वाली हवा आपको तरो–ताजा कर देगी। एक जमाने में ये जगह ग्वालियर के सिंधिया वंश की समर कैपिटल थी. वे यहां गर्मियों के दिनों में आराम फरमाने के लिए आया करते थे।कहा जाता है कि यहां के घने जंगलों में मुगल सम्राट शिकार के लिए आते थे। अकबर ने यहीं से हाथियों के विशाल झुंड और शेरों को पकड़ा था।

समुद्रतल से 1515 फुट ऊपर भारत के मध्य प्रदेश में घने जंगलों का जिला हैं शिवपुरी। यह बहुत ही प्राचीन और पवित्र जगह है। प्राचीन समय में इसे सिपरी कहते थे। आजादी के बाद भगवान शिव के सम्मान में इस जगह का नाम शिवपुरी पड़ा। इस जगह का अपना शाही इतिहास है। यह जगह कभी ग्वालियर के शासक सिंधिया की ग्रीष्मकालीन राजधानी हुआ करती थी। इसके पहले यहां के घने जंगलों में मुगल शासक शिकार किया करते थे। 1564 में मांडू से लौटते समय अकबर ने इन्हीं जंगलों में हाथी के झुंड का शिकार किया था। यहां के घने जंगल अब एक मिथक नहीं रह गए है बल्कि यहां आज भी घने जंगल पाएं जाते है जो शिवपुरी के पर्यटन को बढ़ावा देते है। यहां का कारेरा पक्षी अभयारण्य और माधव राष्ट्रीय पार्क, शिवपुरी में आने वाले पर्यटकों के लिए उत्तम जगह है जहां वह प्रकृति और शांति के अद्भुत सह - अस्तित्व को देख सकते है।

शिवपुरी का इतिहास काफी लंबा और पुराना है जो वाकई में बेहद रंगीन है। लगभग सत्रहवीं शताब्दी में शिवपुरी कच्छ राजाओं को जागीर के रूप में मिली। फरवरी 1781 में सिंधिया राजा युद्ध हार गए और यहां ब्रिटिश शासकों का कब्जा हो गया। 1804 में यह जगह फिर से सिंधिया राजाओं को मिली। तात्या टोपे को 1857 की लड़ाई में झांसी की रानी का साथ देने के लिए फांसी की सजा सुनाई गई। उन्हें शिवपुरी में ही फांसी दी गई थी। यह जगह आज भी यहां के नजदीकी कलेक्टरेट के पास है।

शिवपुरी को शाही परिवार की ग्रीष्मकालीन राजधानी कहा जाता है। शिवपुरी में कई महल व किले और मंदिर है जिनमें नरवार किला, माधव विलास पैलेस और महुआ शिव मंदिर आदि काफी प्रसिद्ध है। इसमें कोई शक नहीं है कि शिवपुरी एक शानदार पर्यटन स्थल है, यहां आत्मनिर्भर उद्योग द्वारा निर्मित शानदार स्मारक, राष्ट्रीय पार्क और पक्षी विहार स्थित है जो पर्यटकों को शिवपुरी की सैर के लिए मजबूर कर देते है।

मध्य प्रदेश के इस प्रसिद्ध जिले में देखने के लिए शानदार शाही महल हैं। शिकार करने के लिए लॉज और सिंधिया शासकों के बनाए गए बेहतरीन स्थल यहां के मुख्य आकर्षण हैं। मार्बल से बने खूबसूरत स्मारक भी देखे जा सकते हैं। 1911 में जार्ज किला जियाजी राव सिंधिया ने बनवाया था। माधव नेशनल पार्क के साथ ऊंचाई पर बना किला जार्ज वी बाघों के शिकार के लिए इस्तेमाल किया जाता था। ढलते सूरज के समय इस किले से पहाड़ी के नीचे के आसपास का नजारा और झील का नजारा अद्भुत दृश्य प्रस्तुत करता है।

शिवपुरी मुख्य रूप से यहां स्थित शिव मंदिर के लिए प्रसिद्ध है। यहां आप मन की शांति पा सकते हैं। योग और मेडिटेशन के लिए शिवपुरी बेहतर विकल्प है। साथ ही यहां पर बहती गंगा नदी में कई साहसिक खेलों का आयोजन किया जाता है। जैसे रिवर राफ्टिंग, बीच कैम्पिंग। साथ में जंगल वॉक, माउंटेनेयरिंग और जंगल ट्रेकिंग का भी मजा लिया जा सकता है। शिवपुरी जाने का सही समय है सितम्बर से मई तक। यह सड़क और रेल यातायात से जुड़ा है।

शिवपुरी में स्थित माधव राष्ट्रीय पार्क एक सुंदर भूमि है जहां समृद्ध जैव विविधता है और एक शांत झील के चारों ओर रोलिंग पहाडियां स्थित है, यहां स्थित घास के मैदान वातावरण को हरा - भरा बनाने में कोई कमी नहीं छोड़ते है। 157.58 वर्ग किलोमीटर में फैले इस नेशनल पार्क में चिंकारा, चीतल, चौसिंहा, सांभर, ब्लैकबक, स्लोथबीयर, लंगूर और तेंदुआ जैसे जानवर देखने को मिलते हैं। यहां का सफर रोमांच से भरा होता है।

शिवपुरी राष्ट्रीय पार्क तक ही सीमित नहीं रह गया है यहां सख्या सागर झील, बूरा खोन झरना, पावा झरना और सौन चिरैया बर्ड सेंचुरी भी स्थित हैं जहां प्रकृति की गोद में स्थित सुंदर माहौल को देखा जा सकता है। शिवपुरी, पर्यटकों को शहरी कंक्रीट के जंगल से दूर प्रकृति के सानिध्य में समय गुजारने का अमूल्य वातावरण प्रदान करता है।

अतिशय दिगंबर जैन क्षेत्र पचराई

शिवपुरी जिले के खनियाधाना से ईसागढ. मार्ग पर मात्र 16 कि.मी. दूर अतिशय दिगंबर जैन क्षेत्र पचराई विद्यमान है। मध्य रेलवे लाइन के बसई स्टेशन से 48 कि.मी. दूर बस बस द्वारा पचराई पहुँचा जा सकता है। शिवपुरी से रन्नौद होकर 75 कि.मी. की दूरी तय कर भी पचराई पहुँचते हैं। पचराई की शिल्पकला 11वीं शताब्दी का है। अनेक शिलालेख वि.सं. 1122,1210,1345 के भी उपलब्ध हैं।

पचराई जैन क्षेत्र एक अहाते में परकोटा से आवृत्त 28 जिनालयों का समूह है। मुख्य मंदिर शीतलनाथ स्वामी का है जिसमें खडगासन, 12 फुट की अवगाहना पर देशी पाषाण कृत तीर्थकर शीतलनाथ जी वंदनीय हैं। अनेक मूर्तियों में 453 अभी भी अखंडित दर्शनीय हैं। कतिपय मूर्तियों पर किया गया हीरे का पालिस उनके सौंदर्य को चमकदार बनाये हुये हैं। 1200 वर्ष प्राचीन यह क्षेत्र जर्जर हो रहा है हालाँकि सन् 1965 में साहू जैन ट्रस्ट द्वारा इसका जीर्णोधार कराया जा चुका है। यहाँ का निर्माता भी पाणाशाह को माना जाता है। इस क्षेत्र पर धर्मशाला,बावडी और उदासीन आश्रम भी हैं।

शिवपुरी का मौसम

शिवपुरी की सैर का सबसे अच्छा समय अक्टूबर से मार्च के दौरान होता है। वैसे यहां साल के सभी मौसम में पर्यटक भ्रमण कर सकते है। लेकिन सुखद सैर के लिए हल्की सर्दी के बाद से आया जा सकता है।

खोखही मठ ऑफ रन्नौद

शिवपुरी में अधिकांश मंदिर भगवान शिव को समर्पित है लेकिन खोखही मठ ऑफ रन्नौड इस क्षेत्र में बने मंदिरों में से थोड़ा अलग है जो घने जंगलों के बीच स्थित है। कई सालों से भक्त इस मठ में दर्शन करने आते रहते है। एक लम्बे समय से मठ इस क्षेत्र में पर्यटन का केंद्र बना हुआ है।

खोखही मठ ऑफ रन्नौड, शिवपुरी के आसपास के क्षेत्र का एक प्राचीन मंदिर है। हिंदुओं के ऐतिहासिक और सांस्कृतिक विश्वासों के अनुसार, यह मठ धार्मिक महत्व रखता है जो कुछ प्राचीन पूजा स्थलों और स्थानों के संरक्षण के लिए मार्ग प्रशस्त करता है। यह मंदिर 6 वीं या 7 वीं सदी में बना हुआ है लेकिन आज 20 वीं सदी में यहां आने भक्तों की श्रृद्धा में कोई कमी नहीं है, यहां आने श्रृद्धालुओं ने इस मंदिर के प्रताप को बरकारार रखा है।

भक्तों की अटूट श्रृंखला अभी भी मंदिर को लेकर बनी हुई है। इस मंदिर के आसपास महुआ मंदिर, टेराही मंदिर और सिद्देश्वर मंदिर स्थित है, यह सभी मंदिर उस दौरान के बने हुए है जब यहां की भूमि पर राजा और राज्यों के शासकों का बोलबाला था। उसी युग में रन्नौड के खोखही मठ का भी निर्माण किया गया था, यह मठ शिवपुरी के बाहरी क्षेत्र में शहर से 65 किमी. की दूरी पर स्थित है।

मटका मेला

शिवपुरी के प्राचीन राजेश्वरी माता मंदिर में चैत्र नवरात्री के अवसर पर आयोजित होने वाले मटकों के प्रसिद्ध मेले में अब भी भारी भीड़ जुटती है और इसमें मटके या मिट्टी से निर्मित बर्तन खरीदना आज भी शुभ माना जाता है।

इस मेले में शिवपुरी और आसपास के शहरों, नगरों के लोग बेहद श्रद्धा के साथ आते हैं और माता के दरबार में दर्शन व पूजा-अर्चना के बाद मिट्टी से निर्मित वस्तु जरूर खरीदने का प्रयास करते हैं। मेले के लिए नवरात्रि की छठ से ही दुकानें सजना प्रारंभ हो जाती हैं। मेले में आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के अलावा सीमावर्ती उत्तरप्रदेश के झांसी जिले से भी मिट्टी के कलात्मक मटके-बर्तन और खिलौने लेकर आते हैं। इन कलात्मक वस्तुओं को खरीददार काफी पसंद करते हैं। मेले में मटकों और सुराही के अलावा मिट्टी के तवे (करीला), बच्चों की गुल्लकों, चक्की तथा अन्य खिलौनों की खूब मांग रहती है।

कैसे जाएं-

वायु मार्ग- शिवपुरी का निकटतम एयरपोर्ट ग्वालियर में है। ये एयरपोर्ट शिवपुरी से लगभग 117 किलोमीटर की दूरी पर है।

रेल मार्ग- झांसी और ग्वालियर शिवपुरी के नजदीकी रेलवे स्टेशन हैं।

सड़क मार्ग- आगरा, ग्वालियर, झांसी, भोपाल, इंदौर, उज्जन आदि शहरों से यहां के लिए नियमित रूप से बसें चलती रहती हैं।

जेल में कैदियों के फोन इस्तेमाल करते मिलने पर 3 साल और जेल में बिताओ

-केंद्रीय गृह मंत्रालय ने जेल कानून के नए मसौदे में किया इसका प्रावधान

नई दिल्ली । अब कैदी जेल में फोन का इस्तेमाल करते मिलने पर 3 साल और जेल में बिताना होगा। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने जेल कानून का जो नया मसौदा तैयार किया है, उसमें फोन रखने पर तीन साल के कारावास, मादक पदार्थों के आदि कैदियों, पहली बार जेल आए अपराधियों, उच्च जोखिम वाले और विदेशी कैदियों को अलग-अलग रखने जैसे प्रावधान किए गए हैं। जेल कानून के नए मसौदा में कैदियों को बाकायदे छुट्टी देने का भी प्रावधान है। ड्राफ्ट के मुताबिक कैदियों को 'इलेक्ट्रॉनिक ट्रैकिंग' उपकरण पहनने की शर्त पर छुट्टी दी जा सकती है, ताकि उनकी आवाजाही और गतिविधियों पर नजर रखी जा सके। नए मसौदे के अनुसार निगरानी के लिए प्रौद्योगिकी का उपयोग होगा। प्रतिबंधित वस्तुओं की तलाश में किसी भी कैदी की नियमित तलाशी ली जाएगी। इसके अलावा मसौदे में कैदी को किसी भी उल्लंघन पर भविष्य में दी जाने वाली छुट्टी के लिए अयोग्य घोषित करना और उनकी छुट्टी रद्द करने का प्रावधान शामिल है। मसौदे में मोबाइल फोन और प्रतिबंधित सामग्री रखने या इस्तेमाल करने पर सजा का सुझाव है। इसमें कहा गया है कि जेलों में कैदियों के मोबाइल फोन और अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरण रखने या उनका उपयोग करने पर रोक लगाई जाए। मई में सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को भेज और सोमवार को गृह मंत्रालय की वेबसाइट पर अपलोड किए गए केंद्रीय गृह सचिव अजय भल्ला के एक पत्र के अनुसार, मंत्रालय ने स्वतंत्रता से पहले के दो कानूनों, जेल अधिनियम 1894 और कैदी अधिनियम 1900 को बदलने के लिए 'एक प्रगतिशील और व्यापक' 'आदर्श कारागार अधिनियम, 2023' को अंतिम रूप दिया है।

कुत्ते के काटने पर हर दांत के निशान के लिए 10,000 रुपये मुआवजा देना होगा : उच्च न्यायालय

नई दिल्ली। पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय ने कहा है कि आवारा जानवरों से जुड़ी घटनाओं के पीड़ितों को मुआवजा देना राज्य की प्राथमिक जिम्मेदारी है और कुत्ते के काटने के मामले में वित्तीय सहायता के रूप में प्रत्येक दांत के निशान के लिए 10,000 रुपये का मुआवजा देना होगा। न्यायमूर्ति विनोद एस. भारद्वाज की पीठ ने आवारा जानवरों के कारण होने वाली दुर्घटनाओं में घायल और मृतकों के परिवार के सदस्यों को मुआवजे देने से संबंधित 193 याचिकाओं का निपटारा करते हुए यह फैसला सुनाया। अदालत ने जानवरों (आवारा, जंगली या पालतू) के कारण होने वाली किसी भी घटना या दुर्घटना के बारे में शिकायत प्राप्त होने पर पुलिस द्वारा पालन किए जाने वाले दिशानिर्देश भी जारी किए। अदालत ने अपने आदेश में कहा, ''आवारा या जंगली जानवर के कारण दुर्घटना के बारे में जानकारी प्राप्त होने पर एसएचओ (थाना प्रभारी) को बिना किसी अनुचित देरी के एक डीडीआर (दैनिक डायरी रिपोर्ट) दर्ज करनी होगी। पुलिस अधिकारी किए गए दावे को सत्यापित करेगा तथा गवाहों के बयान दर्ज करेगा और घटनास्थल का विवरण तैयार करेगा। उपरोक्त रिपोर्ट की एक प्रति वादी को दी जाए।'' पीठ ने पंजाब और हरियाणा के पुलिस महानिदेशकों को इस संबंध में संबंधित अधिकारियों को उचित निर्देश जारी करने का भी आदेश दिया। अदालत ने पंजाब, हरियाणा और चंडीगढ़ प्रशासन को आवारा मवेशियों या जानवरों (गाय, सांड़, बैल, गधे, कुत्ते, नीलगाय, भैंस आदि) के कारण होने वाली किसी घटना के संबंध में दावे के लिए भुगतान की जाने वाली मुआवजा राशि निर्धारित करने के लिए संबंधित जिलों के उपायुक्तों की अध्यक्षता में समितियों का गठन करने के निर्देश भी जारी किए। अदालत ने कहा, ''आवश्यक दस्तावेजों के साथ दावा दायर किए जाने के चार महीने की अवधि के भीतर समितियों द्वारा मुआवजा तय किया जाएगा।'' आदेश में कहा गया है, ''राज्य प्राथमिक रूप से मुआवजे का भुगतान करने के लिए जिम्मेदार होगा और उसे राज्य की दोषी एजेंसियों या निजी व्यक्ति (यदि कोई हो) से इसकी वसूली करने का अधिकार होगा।

राजीव गांधी के हत्यारों ने की रिहाई की मांग

चैन्नई। पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की हत्या में दोषी पाए गए रॉबर्ट पायस और जयकुमार ने हाईकोर्ट में याचिका दायर कर उन्हें स्पेशल कैंप से रिहा करने की मांग की है। बता दें कि रॉबर्ट पायस और जयकुमार अभी त्रिची स्थित स्पेशल कैंप में बंद हैं। दोनों को बीते साल ही पुझाल सेंट्रल जेल, मुरुगन से त्रिची के स्पेशल कैंप में शिफ्ट किया गया था। अब दोनों ने मद्रास हाईकोर्ट की मदुरै पीठ में याचिका दायर की है। इस याचिका में दोनों ने स्पेशल कैंप से रिहाई की मांग की है।

सनकी ने कहा मुस्लिमों की हत्या करने निकला था इसलिए चढ़ा दिया ट्रक

नई दिल्ली। कनाडाई सनकी युवा ने एक ही परिवार पर सिर्फ इसलिए ट्रक चढ़ा दिया कि वो मुस्लिमों की हत्या करने निकला था। लंदन में हुए इस अजीबो गरीब मामले में आरोपी ने कहा कि उसने अफजल के परिवार पर ट्रक इसलिए चढ़ा कि वह मुस्लिमों का शिकार करने निकला था। कनाडाई व्यक्ति मुसलमानों को मारने के लिए शिकार कर रहा है। उसने शाम को टहलने निकले एक परिवार के चार सदस्यों पर अपना पिकअप ट्रक चढ़ा दिया। आरोपी की पहचान नैथालिएन वेल्टमैन के तौर पर हुई है। उसपर ओंटारियो में अफजल परिवार के तीन पीढ़ियों को खत्म करने का मुकदमा चल रहा है। आरोपी ने खुद को इस मामले में निर्दोष बताया है। यह पहला ऐसा मामला है जहां कनाडाई जूरी को श्वेत वर्चस्व पर आतंकवाद से संबंधित मामले में विचार करना है। आरोपी पक्ष के वकील ने हत्या की जिम्मेदारी लेते हुए आरोपी को कम सजा देने की अपील की है। अभियोजक ने कहा कि आरोपी को दोषी ठहराने के लिए वह सब कुछ उनके पास हैं जिसकी जरूरत है। उन्होंने बताया कि आरोपी के कंप्यूटर से एक घोषणापत्र भी पाया गया, जिसमें वह श्वेत राष्ट्रवाद का समर्थन किया। साथ ही उसने मुसलमानों के लिए अपनी नफरत का भी जिक्र किया था। लंदन की सड़कों पर आरोपी मुसलमानों को ढूंढ कर उनका शिकार कर रहा था। जब वह अफजल के परिवार के पास से गुजरा तो उसने अपनी ट्रक घुमाया और उनके ऊपर चढ़ा दिया। इस घटना में 46 वर्षीय सलमान अफजल उनकी पत्नी 44 वर्षीय मदिहा सलमान, 15 वर्षीय बेटी युमनाह और 76 वर्षीय दादी तलत अफजल की मौत हो गई थी। हालांकि, पुलिस ने आरोपी को पार्किंग में गिरफ्तार कर लिया था।

वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में चीन का दबदबा तोड़ेगा भारत

नई दिल्ली। भारत और अमेरिका के अलावा इस आपूर्ति श्रंखला में ऑस्ट्रेलिया, ब्रूनेई, फिजी, इंडोनेशिया, जापान, कोरिया गणतंत्र, मलेशिया, न्यूजीलैंड, फिलीपींस, सिंगापुर, थाईलैंड और वियतनाम सदस्य देश हैं। अमेरिका के नेतृत्व वाले इंडो पैसेफिक इकॉनोमिक फ्रेमवर्क फॉर प्रोसपैरिटी (आईपीईएफ) में वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में भारत भी शामिल हो गया है। केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने इस समझौते पर हस्ताक्षर किए। पीयूष गोयल ने कहा कि इससे वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला मजबूत होगी। भारत और अमेरिका के अलावा इस आपूर्ति श्रृंखला में ऑस्ट्रेलिया, ब्रूनेई, फिजी, इंडोनेशिया, जापान, कोरिया गणतंत्र, मलेशिया, न्यूजीलैंड, फिलीपींस, सिंगापुर, थाईलैंड और वियतनाम सदस्य देश हैं।

बीएसएफ ने दो ड्रोन के साथ 500 ग्राम हेरोइन बरामद की

नई दिल्ली । बीएसएफ ने पंजाब में पाकिस्तान सीमा से लगे इलाकों में दो ड्रोन बरामद किए है। साथ एक पैकेट में 500 ग्राम हेरोइन भी बरामद की है। बार्डर सिक्योरिटी फोर्स यानी बीएसएफ के जवानों ने फिर पाकिस्तान की नापाक कोशिश को नाकाम किया है। सीमा सुरक्षा बल के जवानों ने 14-15 नवंबर की मध्यरात्रि में तरनतारन जिले के मियांवाली गांव के पास एक संदिग्ध ड्रोन को मार गिराया और खेत से 2 बैटरियों के साथ टूटी हालत में ड्रोन बरामद किया। बरामद ड्रोन एक क्वाडकॉप्टर (मॉडल-डीजेआई मैट्रिस 300 आरटीके, चीन में निर्मित) है। साथ ही बुधवार सुबह बीएसएफ के जवानों ने एक संदिग्ध ड्रोन को एक खेत से बरामद किया है। बीएसएफ ने बुधवार सुबह 8 बजे सीमा बाड़ के आगे एरिया डोमिनेशन पेट्रोलिंग के दौरान अमृतसर के रोरनवाला खुर्द गांव के पास खेती के खेत में संदिग्ध वस्तुएं पड़ी देखीं।

यदुवंशियों को लेकर लालू के बयान पर बोली बीजेपी, पूरे समाज को अपने परिवार का बंधक बना रखा है

नई दिल्ली (एजेंसी)। बिहार में लालू यादव की राजनीति यादवों और मुस्लिम वोच पर आधारित रही है। इसकी कड़ी में एक कार्यक्रम के दौरान लालू यादव ने कहा था कि जहां-जहां भाजपा का राज है, वहां-वहां यदुवंशियों को खंडित किया जा रहा है। इसी को लेकर भाजपा की ओर से पलटवार किया गया है। भाजपा नेता रवि शंकर प्रसाद ने कहा कि लालू प्रसाद यादव अपने पूरे समाज को अपने परिवार का बंधक बना रखा है। लालू यादव जेल जाएंगे तो पत्नी मुख्यमंत्री बनेगी फिर बेटा उपमुख्यमंत्री बनेगा। अब उन्हें (तेजस्वी यादव) मुख्यमंत्री बनाने के लिए परेशान हैं। एक पुत्री लोकसभा में हारने के बाद राज्यसभा में जाएगी। तो आपने(लालू यादव) यादव समाज की नहीं बल्कि अपने परिवार की चिंता की।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने राष्ट्रीय जनता दल (राजद) प्रमुख लालू प्रसाद यादव पर महिलाओं का अपमान करने का आरोप लगाया है और केंद्रीय राज्य मंत्री नित्यानंद राय की पत्नी के बारे में उनकी हालिया टिप्पणी के बाद उन्हें ÷आदतन अपराधी÷ करार दिया है। लालू ने कहा कि हाजीपुर में जो केंद्रीय राज्य मंत्री हैं, वे हमारी पार्टी में शामिल होने के लिए अप्रोच करते थे। उन्होंने कहा कि भाजपा ने उन्हें यादवों का मुख्यमंत्री बनाने की बात की थी। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि वे कहते थे की लालू यादव ने राबड़ी देवी को मुख्यमंत्री बना दिया, राबड़ी देवी को मुख्यमंत्री नहीं बनाते तो क्या तुम्हारी बीवी को मुख्यमंत्री बनाते? वह राय की उस आलोचना का जवाब दे रहे थे जिसमें उन्होंने आरोप लगाया था कि चारा घोटाला मामले में गिरफ्तारी के बाद जब लालू ने अपनी पत्नी को मुख्यमंत्री बनाने का फैसला किया तो उन्होंने यादव समुदाय के अन्य सक्षम नेताओं की अनदेखी की।

गृह राज्य मंत्री और भाजपा नेता नित्यानंद राय ने कहा कि मैंने लालू यादव से अनुरोध किया कि जब वह जेल जा रहे थे तो वह अपनी पत्नी को स्थापित करने के बजाय यादव समुदाय के किसी अन्य सक्षम नेता को बिहार का मुख्यमंत्री बना सकते थे। उन्होंने अपनी पत्नी को क्यों चुना? वे वंशवादी राजनीति में विश्वास करते हैं, मैं नहीं। उन्हें राबड़ी देवी को मुख्यमंत्री नहीं बनाना चाहिए था... मेरी पत्नी राजनीति में नहीं हैं, हम वंशवाद की राजनीति में विश्वास नहीं करते हैं। यह आप (लालू यादव) हैं जिनका पूरा परिवार राजनीति करता है।

पीएम मोदी के वोकल फॉर लोकल की दिखी ताकत, दीवाली पर 3.75 लाख करोड़ रुपये का कारोबार

नई दिल्ली । देशभर में दिवाली का त्यौहार बड़ी धूमधाम के साथ मनाया गया। दिवाली और धनतेरस के दिन लोगों ने जमकर खरीददारी की। इसकारण दिवाली उत्सव में 3.75 लाख करोड़ रुपये का रिकॉर्ड व्यापार हुआ। वोकल फॉर लोकल आंदोलन की गूंज के कारण चीन को 1 लाख करोड़ रुपये से अधिक का नुकसान हुआ। कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) ने बताया कि भारत में दिवाली सीजन में खुदरा व्यापार में अभूतपूर्व वृद्धि देखी गई है, जो कुल 3.75 लाख करोड़ रुपये का आंकड़ा है। यह स्वदेशी उत्पादों की ओर एक आदर्श बदलाव को दर्शाता है। गोवर्धन पूजा, भैया दूज, छठ पूजा और तुलसी विवाह अभी बाकी हैं, इसके बाद 50 हजार करोड़ रुपये के अतिरिक्त कारोबार का अनुमान है। कैट के राष्ट्रीय अध्यक्ष बीसी भरतिया और महासचिव प्रवीण खंडेलवाल ने संयुक्त बयान में कहा, चीनी वस्तुओं को 1 लाख करोड़ से अधिक के व्यापार का नुकसान हुआ। पिछले वर्षों में, चीनी उत्पादों ने दिवाली त्यौहारों के लगभग 70 प्रतिशत बाजार पर कब्जा किया था। हालांकि, इस वर्ष, इस दिवाली को स्थानीय लोगों के लिए वोकल बनाने की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अपील अच्छी रही है, इस व्यापारियों और उपभोक्ताओं दोनों द्वारा व्यापक रूप से स्वीकार किया गया है। इस संदर्भ में, कैट के अभियान वोकल फॉर लोकल को उपभोक्ताओं से व्यापक समर्थन मिला। कुल व्यापार मूल्य में, लगभग 13 प्रतिशत ने भोजन और किराने की वस्तुओं में योगदान दिया, 9 प्रतिशत ने आभूषणों में, 12 प्रतिशत ने कपड़ा और परिधानों में योगदान दिया, और छोटे प्रतिशत को सूखे फल, मिठाई, घर की सजावट, इलेक्ट्रॉनिक्स, मोबाइल और बर्तन सहित विभिन्न श्रेणियों में वितरित किया गया।

ओबीसी, दलित और आदिवासियों को उनकी सही संख्या का पता लगने पर बदल जाएगा देश : राहुल गांधी

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने बुधवार को एक बार फिर जातिगत जनगणना की वकालत की और कहा कि जिस दिन देश के ओबीसी, दलित और आदिवासी समुदायों को अपनी सच्ची आबादी पता लग जाएगा, उस दिन यह मुल्क हमेशा के लिए बदल जाएगा। छत्तीसगढ़ के बेमेतरा जिले में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुये राहुल ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर आरोप लगाया कि वह ओबीसी (अन्य पिछड़ा वर्ग) शब्द को लेकर (प्रधानमंत्री) चुने गए हैं लेकिन जब ओबीसी को हक देने का समय आता है तब वह इससे इनकार करते हैं। कांग्रेस नेता ने सभा को संबोधित करते हुए कहा, नरेन्द्र मोदी जी जाति जनगणना करें या ना करें, जिस दिन छत्तीसगढ़ में दोबारा कांग्रेस की सरकार आएगी जाति का सर्वे यहां शुरू हो जाएगा। जिस दिन दिल्ली में हमारी सरकार आएगी पहला हस्ताक्षर जाति जनगणना पर होगा।

उन्होंने कहा, जाति आधारित जनगणना ऐतिहासिक निर्णय होगा और इससे देश बदल जाएगा। जिस दिन इस देश के ओबीसी को, देश के दलित को और देश के आदिवासी को अपनी सच्ची आबादी के बारे में जानकारी मिलेगी, अपनी सच्ची शक्ति के बारे में जानकारी मिलेगी उस दिन यह देश हमेशा के लिए बदल जाएगा। यह आजादी के बाद सबसे बड़ा क्रांतिकारी निर्णय होगा। उन्होंने कहा, ''कांग्रेस पार्टी आपके लिए, आपके साथ मिलकर, कदम से कदम मिलाकर यह निर्णय लेने जा रही है, इसे कोई शक्ति नहीं रोक सकती।'' राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर जाति जनगणना को लेकर स्पष्ट रूख नहीं अपनाने का आरोप लगाया और कहा, मोदी जी 12 हजार करोड़ रुपए के हवाई जहाज में उड़ते हैं, हर रोज नए कपड़े पहनते हैं, ओबीसी शब्द को लेकर वह चुने गए और जब समय आता है ओबीसी को हक देने का तो कहते हैं कि ओबीसी नहीं है, जाति तो हिंदुस्तान में एक ही है, वह गरीब है।

हम पता लगाएंगे कि ओबीसी कितने हैं। मैं कह रहा हूं कि आज जितने हैं उतनी भागीदारी आपको मिलेगी। कर्ज माफ होगा तो किसानों का अरबपतियों का नहीं। उन्होंने केंद्र सरकार पर बड़े उद्योगपतियों का कर्ज माफ करने का आरोप लगाया और कहा, हमारी जहां भी सरकार है कर्नाटक, छत्तीसगढ़ राजस्थान और हिमाचल में, मैंने सभी मुख्यमंत्रियों से कह दिया है कि जितना पैसा भाजपा के लोग अरबपतियों को और बड़े ठेकेदार को देते हैं उतना ही पैसा कांग्रेस पार्टी को किसान, मजदूर, माताओं, बहनों के बैंक अकाउंट में डालना होगा....क्योंकि हम जानते हैं कि प्रदेश की अर्थव्यवस्था को किसान, मजदूर, छोटे दुकानदार और युवा चलाते हैं।'' कांग्रेस नेता ने इस दौरान पार्टी की घोषणा पत्र में लिखे वादों को लेकर जनता से कहा कि वह इन वादों का भरोसा करें और राज्य में कांग्रेस की दोबारा सरकार बनाएं।राज्य में 17 नवंबर को होने वाले दूसरे चरण के मतदान के लिए बुधवार को प्रचार का आखिरी दिन है।

कर्नाटक में ड्रेस कोड पर बरसे ओवैसी

नई दिल्ली (एजेंसी)। कर्नाटक में 18 और 19 नवंबर को होने वाली विभिन्न बोर्डों और निगमों की भर्ती परीक्षाओं के लिए कर्नाटक परीक्षा प्राधिकरण ने ड्रेस कोड जारी किया है। इस पर एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने निशाना साधा और पिछली भाजपा सरकार का जिक्र करते हुए राज्य की मौजूदा कांग्रेस सरकार पर बरसे हैं।

गौरतलब है कि केईए अर्थात कर्नाटक परीक्षा प्राधिकरण ने कहा है कि परीक्षा हॉल में ऐसा कोई परिधान या टोपी पहनने की अनुमति नहीं होगी जो सिर, मुंह या कान को पूरी तरह ढंकता हो। केईए के आदेश में कहा गया है कि यह ब्लूटूथ डिवाइसेज के इस्तेमाल से परीक्षा में होने वाली गड़बड़ियों को रोकने के लिए किए गए प्रयास का ही हिस्सा है। इस पर हैदराबाद सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने अपने आधिकारिक एक्स हैंडल में पोस्ट करते हुए लिखा, कर्नाटक की कांग्रेस सरकार ने परीक्षाओं में हिजाब पर प्रतिबंध लगा दिया है। इसने पिछली भाजपा सरकार के हिजाब प्रतिबंध को भी रद्द नहीं किया है। इस पोस्ट की खास बात यह है कि ओवैसी ने पोस्ट अंग्रेजी में किया, जिसमें उन्होंने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए पार्टी का नाम कुछ इस प्रकार लिखा, जिससे कॉंग-आरएसएस पढ़ने में आता है। मतलब साफ है कि ओवैसी इस बहाने कांग्रेस को आरएसएस के करीब बता रहे हैं।

वहीं ओवैसी ने तेलंगाना के कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष रेवंत रेड्डी पर भी निशाना साधा, जिन्होंने ओवैसी पर निशाना साधते हुए कहा था कि वो शेरवानी के नीचे खाकी निक्कर पहनते हैं। इस पर रेड्डी पर पलटवार करते हुए ओवैसी ने पोस्ट में आगे लिखा, कि तेलंगाना कांग्रेस प्रमुख आरएसएस अन्ना तेलंगाना में कर्नाटक मॉडल लागू करना चाहते हैं। यही कारण है कि वह शेरवानी को गाली देते रहते हैं और मुस्लिम टोपी पहने नजर आने से बचते हैं। कपड़े देख कर पहचानो, जैसा कि उनके सबसे अच्छे दोस्त मोदी ने एक बार कहा था।

वैसे आपको यहां बतलाते चलें कि यह पहली मर्तबा नहीं है, जबकि परीक्षा के लिए ड्रेस कोड लागू किया गया है। बल्कि अन्य परीक्षाओं में भी नकल रोक जाने को लेकर इस प्रकार से ड्रेस कोड लागू किये जाते रहे हैं और उस पर कोई विवाद भी होता हुआ नहीं दिखा है।

दिल्ली की जहरीली हवा से बचने जयपुर पहुंची सोनिया गांधी

जयपुर (एजेंसी)। दिल्ली में हवा काफी जहरीली है। यहां लोगों का सांस लेना भी मुश्किल हो रहा है। प्रदूषित हवा से बचने के लिए कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी जयपुर पहुंच गई हैं। डॉक्टर की सलाह पर यह निर्णय लिया गया है। उनके साथ कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल थे।

हवाई अड्डे पर मीडिया ने जब वेणुगोपाल से सोनिया गांधी की चुनावी राज्य राजस्थान की यात्रा का कारण पूछा तो वेणुगोपाल ने कहा यह एक निजी यात्रा है। दिल्ली में वायु प्रदूषण है। लेकिन एक अन्य सवाल का जवाब देते हुए उन्होंने संकेत दिया कि जयपुर में भी पार्टी की बैठक हो सकती है। यह दौरा राजस्थान में 25 नवंबर को होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए किए जा रहे प्रचार के बीच हो रहा है, जहां कांग्रेस को सत्ता में वापसी की उम्मीद है।

वेणुगोपाल ने कहा कि पार्टी अपनी सफलता को लेकर आश्वस्त है। उन्होंने कहा, हम चुनाव जीतेंगे। हमें विश्वास है कि हम जीतने जा रहे हैं। उन्होंने पत्रकारों की इस बात को खारिज कर दिया कि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट को एक साथ प्रचार करते नहीं देखा गया है। उन्होंने कहा बस इंतजार करें।उन्होंने जोर देकर कहा, सभी कांग्रेस नेता एक साथ हैं। हम सब एक हैं, हम यह चुनाव जीतेंगे। पांच साल पहले राज्य में पार्टी के सत्ता में आने के बाद से ही गहलोत और पायलट के बीच सत्ता को लेकर खींचतान चल रही थी। ऐसा प्रतीत होता है कि अब उन्होंने अपने मतभेद भुला दिए हैं। वहीं दूसरी तरफ पार्टी नेता जयराम रमेश ने 'एक्स पर कहा ''नई दिल्ली में वायु प्रदूषण के कारण कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी अगले कुछ दिनों तक जयपुर में हैं। यह उनका पूरी तरह से निजी दौरा है। उन्होंने कहा, ''राहुल गांधी जयपुर में रहेंगे और 15 नवंबर को छत्तीसगढ़ में और 16, 19, 21 और 22 नवंबर को राजस्थान में चुनाव प्रचार करेंगे।

तोमर का वायरल वीडियो खालिस्तानी साजिश?

- वायरल वीडियो पर जांच एजेंसियां सक्रिय
- कांग्रेस समेत अन्य बड़े नेताओं पर हो सकती है कार्रवाई
- विधानसभा चुनावों के बीच एक के बाद एक 3 वीडियो हुए वायरल
- 10 हजार करोड का मामला

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय कृषि कल्याण मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर के बेटे देवेंद्र प्रताप सिंह तोमर के करोड़ों के लेनदेन वाले एक के बाद एक 3 वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुए हैं। इन कथित वीडियो में देवेंद्र तोमर एक अन्य व्यक्ति से करोड़ों रुपये के लेन-देन की बात करते नजर आए हैं। वायरल तीसरे वीडियो के कनाडा से तार जुड़ने के बाद केंद्र सरकार ने पूरे मामले को गंभीरता से लिया है। बताया जा रहा है कि अब एनआईए इस मामले को खालिस्तानी एंगल से जोड़कर जांच कर रही है। ऐसे में आने वाले दिनों में अनेक बड़े नेताओं और नामचीन व्यक्तियों पर शिकंजा कसा जा सकता है।

सूत्रों के हवाले से बताया जा रहा है कि देवेंद्र तोमर के वायरल वीडियो के तार कनाडा से जुड़ रहे हैं, ऐसे में इस पूरे मामले को खालिस्तानी मूवमेंट से

जोड़कर देखा जा रहा है। केंद्र सरकार ने इस मामले को अब गंभीरता से लिया है। केंद्रीय जांच एजेंसी कनाडा से खालिस्तान की सा?जिश के रुप में देख रही है। इस मामले में एनआईए मध्य प्रदेश समेत पंजाब के अनेक नेताओं और नामचीन लोगों के यहां छापामार कार्रवाई भी कर सकती है। इसमें कांग्रेस के आला नेता भी जांच एजेंसी के दायरे में आ सकते हैं। खासतौर पर तब जबकि 5 राज्यों में विधानसभा चुनाव हो रहे हैं, केंद्र की भाजपा सरकार चुनाव प्रभावित करने वाले इस मामले को हल्के में नहीं लेगी। कहा जा रहा है कि बहुत जल्द वीडियो वायरल करने और उसे प्रचारित करने के मामले में अनेक नेता और नामचीन लोग हिरासत में भी लिये जा सकते हैं।

गौरतलब है कि 5 नवंबर को वायरल हुए पहले वीडियो के बाद केंद्रीय मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर के बेटे देवेंद्र तोमर ने मुरैना के सिविल लाइन थाने में अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ एफआईआर दर्ज करवाई थी। इसके चंद दिनों बाद मतदान के पांच दिन पहले 500 करोड़ रुपये के लेन-देन वाला कथित वीडियो वायरल हुआ, जिसे लेकर कांग्रेस नेताओं ने भाजपा पर हमला बोला और बड़े लेन-देन का आरोप लगाया। इस पर भाजपा ने वायरल वीडियोज को नकली और फेक करार दिया। अभी मामला शांत भी नहीं हुआ था कि तीसरा वीडियो वायरल हो गया। वायरल हुए तीसरे वीडियो के कनाडा से तार जुड़े हैं, केंद्र ने इसे गंभीरता से लिया है। सूत्र बताते हैं कि इस पूरे मामले को लेकर जांच एजेंसियां सक्रिय हो गई हैं। बहुत जल्द मध्य प्रदेश, पंजाब में धरपकड़ शुरु हो सकती है।

गौरतलब है कि दूसरा वीडियो वायरल होने के बाद कांग्रेस की राष्ट्रीय प्रवक्ता रागिनी नायक ने सवाल किया था कि इस पूरे मामले में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान चुप क्यों हैं। जांच एजेंसियां कार्रवाई क्यों नहीं कर रही हैं। वहीं दूसरी तरफ तब भाजपा प्रदेशाध्यक्ष विष्णु दत्त शर्मा ने वायरल वीडियो को फेक करार दिया था। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा था कि यह कांग्रेस का चुनावी हथकंडा है। अब जबकि वायरल वीडियोज पर कनाडा और खालिस्तान जैसे एंगल जुड़ रहे हैं, तो इसे बड़ी साजिश का यह हिस्सा बताकर विपक्षियों को चुप कराया जाएगा।

उत्तरकाशी टनल हादसा: ड्रिलिंग मशीन में खराबी के बाद नए सिरे से रेस्क्यू जारी

देहरादून (एजेंसी)। उत्तराखंड के उत्तरकाशी जिले में सिल्क्यारा-बड़कोट सुरंग में फंसे लोगों को बाहर निकालने का काम तेज हो गया है। रविवार को उत्तरकाशी-यमुनोत्री हाइवे के पास निर्माणाधीन सिलक्यारा सुरंग में लैंडस्लाइड से 40 मजदूर फंस गए। जिसके बचाव कार्य का बुधवार को चौथा दिन है। मंगलवार रात ऑगर मशीन से पाइप डालते वक्त ड्रिलिंग के दौरान प्लेटफॉर्म टूट जाने से राहत और बचाव कार्य प्रभावित रहा।

तकनीकी विशेषज्ञों ने बताया कि सुरंग के अंदर फंसे सभी मजदूर सुरक्षित और स्वस्थ हैं। फिलहाल सुरंग में फंसे लोग सुरक्षित हैं और ट्यूबों के माध्यम से ऑक्सीजन, पानी, भोजन के पैकेट और दवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। ड्रिलिंग मशीन के जरिए पाइप डालने का काम एक बार फिर तेज हो गया है।

उत्तरकाशी के जिला मजिस्ट्रेट अभिषेक रुहेला ने बताया कि मजदूरों के लिए रास्ता बनाने के लिए पाइप डालने की ड्रिलिंग बरमा मशीन की मदद से शुरू हुई। उन्होंने कहा, अगर सब कुछ योजना के मुताबिक हुआ तो फंसे हुए मजदूरों को बुधवार तक निकाल लिया जाएगा।

मलबा गिरने से मची भगदड़

मलबे में ड्रिलिंग के लिए बरमा मशीन को लगाने के लिए सुरंग के अंदर एक प्लेटफॉर्म तैयार करने में दिन का अधिकांश समय व्यतीत हो गया। हालांकि, लैंडस्लाइड के कारण ऊपर से मलबा गिरने से बचाव कार्य प्रभावित हुआ, जिससे भगदड़ जैसी स्थिति पैदा हो गई और दो मजदूर घायल हो गए। ड्रिलिंग मशीन और पाइप मंगलवार तड़के साइट पर पहुंचे।

ऑक्सीजन और भोजन के पैकेट भेजे जा रहे

योजना यह है कि ड्रिलिंग उपकरण का उपयोग करके हल्के स्टील पाइपों के 800 और 900-मिलीमीटर व्यास वाले दोनों सेक्शन को एक के बाद एक मलबे में डाला जाए और उन श्रमिकों के निकालने का मार्ग बनाया जाए।

स्टेट इमरजेंसी ऑपरेशन सेंटर ने बताया कि छह मीटर की लंबाई वाले 900 मिलीमीटर व्यास वाले आठ पाइप हैं और समान लंबाई के 800 मिलीमीटर व्यास वाले पांच पाइप हैं। पुलिस अधीक्षक (उत्तरकाशी) अर्पण यदुवंशी ने बताया, अंदर फंसे सभी 40 मजदूर सुरक्षित और स्वस्थ हैं। उन्होंने कहा, कुछ

दवाएं मुहैया कराई गई हैं। फंसे हुए श्रमिकों में से एक की तबीयत खराब की खबर आई थी। फंसे हुए मजदूरों में से एक गब्बर सिंह नेगी के बेटे को मंगलवार को अपने पिता से कुछ सेकंड के लिए बात करने की अनुमति दी गई।

गौरतलब है कि ब्रह्मखाल-यमुनोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग पर सिल्क्यारा और डंडालगांव के बीच बन रही एक सुरंग का एक हिस्सा रविवार सुबह ढह जाने से 40 मजदूर सुरंग के अंदर ही फंस गए। सुरंग की कुल लंबाई 4.5 किमी है, जिसमें सिल्क्यारा के छोर से 2,340 मीटर और डंडालगांव की ओर से 1,750 मीटर का निर्माण किया गया है। सुरंग के दोनों किनारों के बीच 441 मीटर की दूरी का निर्माण अभी बाकी है।

अज्ञात हमलावरों की फायरिंग में लश्कर के दो आतंकी ढेर

करांची । पाकिस्तान के आतंकवादी संगठन लश्कर ए तैयबा के दो आतंकवादियों मोहम्मद निजामिल और उसके साथी नैमुर रहमान की अज्ञात बंदूकधारियों ने हत्या कर दी। सियालकोट स्थित खोखरण चौक पर कार में बैठे इन आतंकियों पर हुई गोलीबारी में तीसरा सहयोगी गंभीर रूप से घायल हो गया । इस संबंध में जारी वीडियो में दिख रहा है कि कार में बैठे आतंकवादियों पर अज्ञात मोटरसाइकिल सवार फायरिंग कर फरार हो जाते हैं। उल्लेखनीय है कि पाकिस्तान में पिछले कुछ महीनो से अज्ञात हमलावरों द्वारा फायरिंग में अनेक आतंकवादी मारे गए हैं, जिनमें अनेक कुख्यात आतंकवादी भी शामिल हैं। पाकिस्तान पुलिस ने इस मामले में कहा है कि हत्याकांड एक भूमि विवाद को लेकर हुआ है जिसमें पहले भी कुछ लोग मारे जा चुके हैं। फिलहाल मामले की जांच जारी है। बताया जाता है कि लश्कर के यह मारे गए दोनों आतंकवादी भारत पाकिस्तान सीमा पर मौजूद एक आतंकवादी ट्रेनिंग कैंप मे रहते थे, जो इन दिनों अपने घर आए हुए थे।

बंधकों की रिहाई के लिए प्रदर्शनरत इजराइली

वाशिंगटन । इस्राइल और हमास के युद्ध में गाजा में युद्धविराम और बंधकों की रिहाई को लेकर दुनियाभर में हो रहे प्रदर्शन के बाद अमरीकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने अपनी कुछ रणनीति पर लगाम देते हुए इस्राइल से गाजा में नागरिक पीड़ा को कम करने आग्रह ?किया हैं। मंगलवार को अमेरिका नेशनल मॉल पर भारी सुरक्षा के बीच हजारों लोगों ने इस्राइल के समर्थन में प्रदर्शन किया और बंधकों की रिहाई की मांग की। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने मंच से हमास के हमले की कड़ी निंदा की और इसे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर यहूदी विरोधी भावना का उदाहरण बताया। इस बीच इस्राइली राष्ट्रपति इसहाक हर्ज़ोग ने यरूशलेम से वीडियो लिंक के जरिए प्रदर्शनकारियों को संबोधित करते हुए कहा, कि इस्राइल पर हमास का हमला सभ्य समाज के लिए बेहद गंभीर है, जिसकी कड़े शब्दों में निंदा की जानी चाहिए। इधर, हाउस स्पीकर, और आयोवा के सीनेटर जोनी अर्न्स्ट ने कहा कि हमास की क्रूरता को कम करके नहीं आंका जा सकता। वे बच्चों की हत्या महिलाओं का बलात्कार बुजुर्गों के साथ दुर्व्यवहार करते हैं। ऐसे में इन आतंकवादियों से कोई अमरीकी कैसे सहानुभूति रख सकता है।

शी जिनपिंग का अमेरिका दौरा : कारोबार को मजबूत करने की चीनी जुगाड़

वाशिंगटन। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग अमेरिकी दौरे पर जाने वाले हैं। इससे पहले अमेरिका के टॉप बिजनेस लीडर्स के साथ शी जिनपिंग के डिनर की प्लानिंग की जा रही है। इसके जरिए अमेरिकी कंपनियों को अपने पक्ष में करने के साथ-साथ विदेशी निवेश को भी लुभाने की कोशिश की जाएगी। मतलब साफ है कि कारोबार बढ़ाने के लिए शी जिनपिंग चीनी जुगाड़ में लगे हैं। एशिया-प्रशांत आर्थिक सहयोग सम्मेलन में भाग लेने के लिए शी जिनपिंग सैन फ्रांसिस्को पहुंचेंगे। सबसे पहले अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन के साथ मुलाकात होगी और उसके अगले दिन डिनर का आयोजन किया जा सकता है। जिसका उद्देश्य दुनिया की दो सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के बीच माल ढुलाई संबंधों को स्थिर करना है। चीन में आई आर्थिक मंदी से निपटने के लिए शी जिनपिंग लगातार नए रास्तों की खोज में जुटे हुए हैं। इसके लिए अमेरिकी बिजनेस लीडर्स के पास डिनर के जरिए जिनपिंग को सीधा सुनने का मौका मिल सकता है। इसे अभी तक मेजबान यूएस-चीन बिजनेस काउंसिल (यूएससीबीसी) और यूएस-चीन संबंधों पर राष्ट्रीय समिति (एनसीयूएससीआर) द्वारा औपचारिक रूप से घोषित नहीं किया गया है। इवेंट नोटिफिकेशन के अनुसार, कुछ यू.एस. कंपनियां डिनर के लिए हजारों डॉलर का भुगतान करेंगी। अमेरिका ने मुस्लिम उइगरों के खिलाफ नरसंहार का आरोप लगाया है, जिसका चीन ने आरोपों का सख्ती से खंडन किया है। चीन भी अपने आर्थिक संकट का समाधान तलाश रहा है और इससे बातचीत के लिए कुछ गुंजाइश खुल सकती है। चीन की अर्थव्यवस्था कई चुनौतियों का सामना कर रही है और पूर्व-कोविड विकास स्तर पर वापस नहीं लौटी है। चीन के विदेशी व्यापार में गिरावट आ रही है और वह अमेरिका के साथ अपने व्यापार संबंधों को बेहतर बनाने पर चर्चा करना चाहेगा।

युद्धग्रस्त बदहाल गाजा में विस्थापित दाना-पानी के लिए लड़ रहे

-शेल्टर होम में रहने को मजबूर लोगों की अपनी पीड़ा

यरुशलम । इजरायल और हमास के बीच युद्ध को 35 दिन से अधिक हो गए। युद्ध के कारण गाजा में लोगों को भोजन और पेयजल के लिए कई घंटे इंतजार करना पड़ रहा है। ऐसे में अनेक जगह भोजन पानी के लिए भी लोगों को लड़ते देखा गया है। युद्धग्रस्त और बदहाल हो चुके गाजा में हमलों में तबाह होते घर से बेघर हुए लोग शेल्टर होम में रहने को मजबूर हैं। जानकारी अनुसार लोगों को खाना-पीना मुहैया कराने के लिए कैंप भी लगाए गए हैं, लेकिन यहां लोग इतने बेबस और लाचार हैं कि उन्हें घंटों तक लाईनों में अपनी बारी का इंतजार करना पड़ा रहा है। हद यह है कि अनेक जगहों पर तो भोजन पानी के लिए भी लोगों को लड़ते हुए देखा गया है। हमलों से सुपरमार्केट पूरी तरह से खाली हो चुके हैं। आटे की कमी के कारण बेकरियां बंद हो गई हैं। गाजा की अधिकांश भूमि कृषि के योग्य नहीं बची है और प्याज और संतरे के अलावा अन्य सामान बाजारों से गायब हो गए हैं। यहीं नहीं, शेल्टर होम में बीमारियों का खतरा भी बढ़ रहा है। पांच लाख से अधिक विस्थापित गाजा के दक्षिण में स्थित अस्पतालों और संयुक्त राष्ट्र के स्कूलों में बने शेल्टर होम में रह रहे हैं। ये शेल्टर होम पूरी तरह से भर चुके हैं। प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि इजरायल के हमले के बाद फलस्तीनियों के लिए एक बड़ी मुश्किल सामने आई है। यहां शौचालय की संख्या कम होने से लोगों को विषम स्थिति का सामना करना पड़ रहा है।

विकसित देशों में महंगाई युद्ध से भी बड़ी समस्या

लंदन। जब रुस ने यूक्रेन पर हमला किया तो लोगों को लगा कि यह युद्ध दुनिया के लिए सबसे बड़ी समस्या बनने वाला है। इसके बाद हमास ने इजराइल पर हमला कर एक नये युद्ध का सूत्रपात किया तब भी लोगों को लगा कि दो शक्तियों में बंटती दुनिया के बीच विश्व युद्ध का आगाज हो गया है। ऐसे में दुनिया के लिए सबसे बड़ा खतरा पैदा करने वाला बन चुका है, लेकिन एक रिपोर्ट के मुताबिक दुनिया में महंगाई एक ऐसी समस्या है जिसके सामने ये युद्ध भी फीके नजर आ रहे हैं। इस समय दुनिया युद्ध में उलझ चुकी है। युद्ध के तनाव से निकलने के लिए तरह-तरह के विचार और परामर्श सामने आ रहे हैं, लेकिन आपको यह जानकर हैरानी होगी कि ग्लोबल साउथ के 29 देश वैश्विक महंगाई से खासे तनाव में हैं। इन देशों के करीब 39 फीसदी लोगों का मानना है कि यह महंगाई आने वाले समय में और अधिक विकराल रुप धारण करेगी और इससे लोगों का जन-जीवन बुरी तरह प्रभावित होगा। इस आंकलन से पहले एक रिपोर्ट और जारी की गई थी, जिसमें विकसित अर्थव्यवस्था, जलवायु और वित्तीय संकट को केंद्र में रखकर महंगाई पर चर्चा की गई थी। इसके मुताबिक विकसित अर्थव्यवस्थाएं जो कभी जलवायु कार्रवाई के मामले में अग्रिम पंक्ति पर खड़ी नज़र आ रहीं थीं, अब वो काफ़ी पीछे नजर आती हैं। इसकी प्रमुख वजह वर्ष 2008-2010 के दौरान पश्चिमी देशों में आए वित्तीय संकट के बाद से ही अंतर्राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था का डगमगाना रहा है। इस वजह से वैश्विक स्तर अनेक बदलाव भी आए, साथ ही कहीं न कहीं ओपन इकोनॉमी यानी खुली अर्थव्यवस्था का पतन और नियम क़ानून पर आधारित वैश्विक व्यापार प्रभावित हुआ। यही नहीं चीन द्वारा आक्रामकता के साथ निवेश फ्रेमवर्क पर एक रणनीति के तहत बढ़ा हुआ टैक्स लगाया गया ताकि उसे नियंत्रित किया जा सके। इसने भी विश्व स्तर पर महंगाई को बढ़ाने का काम किया है।

जकार्ता, इंडोनेशिया में बुधवार को ब्रुनेई के दूसरे रक्षा मंत्री हल्बी मोहम्मद यूसुफ, कंबोडिया के रक्षा मंत्री टी सेहा, लाओस के रक्षा मंत्री चांसमोन चान्यालाथ, मलेशिया के रक्षा मंत्री मोहम्मद हसन, फिलीपींस के रक्षा सचिव गिल्बर्ट टेओडोरो, इंडोनेशिया के रक्षा मंत्री प्रबोवो सुबिआंतो, सिंगापुर के रक्षा मंत्री एनजी इंग हेन, थाईलैंड के रक्षा मंत्री रक्षा मंत्री सुतिन क्लुंगसांग, वियतनाम के रक्षा मंत्री फान वान गियांग, पूर्वी तिमोर के रक्षा मंत्री डोनासियानो डो रोसारियो दा कोस्टा गोम्स और आसियान महासचिव काओ किम होर्न दक्षिण पूर्व एशियाई राष्ट्र संघ (आसियान) के रक्षा मंत्रियों के सम्मेलन के दौरान सामूहिक फोटो के लिए एक दूसरे का हाथ थामकर पोज देते हुए।

बाइडेन ने कहा, अमेरिकी अर्थव्यवस्था चीन से अलग होने की कोशिश नहीं कर रही

वाशिंगटन । चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ शिखर सम्मेलन से पहले अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने कहा है कि अमेरिकी अर्थव्यवस्था चीन से अलग होने की कोशिश नहीं कर रही है, बल्कि अपने मुखर प्रतिद्वंद्वी के साथ बेहतर संबंध बना रही है। रिपोर्ट के अनुसार, मंगलवार को की गई बाइडेन की यह टिप्पणी स्पष्ट रूप से एशिया-प्रशांत आर्थिक सहयोग मंच के इतर सैन फ्रांसिस्को में चीनी राष्ट्रपति के साथ होने वाले शिखर सम्मेलन से पहले एक सौहार्दपूर्ण माहौल तैयार करने की कोशिश है। बाइडेन ने कहा, जैसा कि मैंने आपको बताया, हम चीन से अलग होने की कोशिश नहीं कर रहे हैं। हम रिश्ते को बेहतर बनाने की कोशिश कर रहे हैं। यह पूछने पर कि वह शी के साथ आगामी शिखर सम्मेलन में सफलता को कैसे परिभाषित करे, बाइडेन ने कहा कि इसका मतलब द्विपक्षीय संचार सामान्य बनाना होगा। उन्होंने कहा, स्थिति सामान्य बनाना, ताकि संकट के समय हम एक-दूसरे के फोन उठाएं और बात करें, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि हमारी सेनाएं अभी भी एक-दूसरे के साथ संपर्क में हैं। इतना ही नहीं बाइडेन ने चीन की व्यापार नीतियों के खिलाफ अपना पक्ष भी रखा। उन्होंने कहा, मैं उन स्थितियों का समर्थन नहीं करूँगा जिसमें अगर हम चीन में निवेश करना चाहते हैं, तब हमें अपने सभी व्यापार रहस्यों को जाहिर करना होगा। हाल के महीनों में, जलवायु परिवर्तन, सार्वजनिक स्वास्थ्य, वैश्विक सुरक्षा खतरों और अन्य चुनौतियों पर अंतर्राष्ट्रीय सहयोग प्राप्त करने के प्रयासों के बीच वाशिंगटन ने चीन के साथ संबंधों को जोखिम मुक्त करने के मंत्र पर जोर दिया है।

ग्रेट स्मॉग ऑफ लंदन से लिया गया सबक, भारत में प्रदूषण को लेकर कब होगा एक्शन

लंदन (एजेंसी)। ठीक 71 साल पहले दिसंबर 1952 में लंदन इतने घने कोहरे से ढका हुआ था कि दृश्यता एक मीटर से भी कम रह गई थी। हवा इतनी काली और दमघोंटू की लोगों की जान जाने लगी। आज भी इस भयावक घटना को इंग्लैंडवासी नहीं भूल पाते हैं। इस ग्रेट स्मॉग ऑफ लंदन कहा जाता है। इससे करीब 4,000 से 12,000 लोगों की मृत्यु हुई। ये स्मॉग पैदा हुआ कोयले के इस्तेमाल से जिसने पूरे शहर के ऊपर एक मोटी काली चादर बिछा दी थी। ये स्मॉग एक दो दिन नहीं बल्कि 5 दिसंबर से शुरू होकर अगले पांच दिनों यानी 09 दिसबंर 1952 तक बना रहा।

ये ज्यादातर सर्दियों में होते थे और साल भर हवा में बने रहने वाले प्रदूषण का एक बदतर उदाहरण थे। चार साल बाद एक नया स्वच्छ वायु अधिनियम पारित किया गया। सबसे अधिक विषाक्तता उत्पन्न करने वाले उच्च-सल्फर कोयले पर सबसे पहले प्रतिबंध लगाया गया। समय के साथ कोयला तापन का स्थान गैस ने ले लिया। शहर में बिजली संयंत्रों और प्रदूषण फैलाने वाली फैक्ट्रियों को साफ कर दिया गया या बंद कर दिया गया और उत्पादन को और दूर ले जाया गया। उत्तरी सागर में गैस प्रचुर मात्रा में होने के कारण, कोयले को लगभग पूरी तरह से बदल दिया गया।

हाल ही में लंदन ने स्वच्छ वायु क्षेत्रों को बढ़ावा दिया है। स्थानीय स्तर पर ये गति प्रतिबंध, वाहनों को निष्क्रिय गति से चलने पर प्रतिबंध लगाने और ऐसी

अन्य कार्रवाइयों के बारे में हैं। ये स्कूलों, अस्पतालों और इसी तरह की सुविधाओं पर केंद्रित हैं जहां स्थानीय प्रदूषण का स्तर चिंता का विषय है। मोटे तौर पर, 2009 से पूरे लंदन को कम उत्सर्जन क्षेत्रों की नीति द्वारा कवर किया गया है जो प्रदूषण फैलाने वाले भारी वाहनों को प्रतिबंधित करता है। और सभी प्रदूषण फैलाने वाले वाहनों को प्रतिबंधित करने वाला एक अल्ट्रा-लो उत्सर्जन क्षेत्र 2019 से मध्य लंदन में लागू किया गया है और पूरे लंदन को कवर करने के लिए चरणों में इसका विस्तार किया गया है। इनके अलावा, प्रदूषण के अन्य सभी स्रोतों, जैसे लकड़ी की आग से कार्य योजनाओं के माध्यम से निपटा जा रहा है

भारत में क्या अलग है?

भारत में साक्ष्य का आधार अधिक अस्पष्ट है लेकिन गंभीर कार्रवाई की आवश्यकता के लिए पर्याप्त स्पष्ट है। अनुमान के मुताबिक हर साल वायु प्रदूषण के कारण 1.6 मिलियन लोगों की मौत होती है। यह आंकड़ा आधिकारिक तौर पर कोविड से हुई मौतों का तीन गुना है। लेकिन इस पर कार्रवाई करने की कोविड जैसी तात्कालिकता कहां है? यूके और अन्य जगहों पर की गई कार्रवाइयां इसका संकेत प्रदान करती हैं कि भारत में क्या करने की आवश्यकता है, लेकिन कुछ महत्वपूर्ण प्रस्थान बिंदु भी हैं। फसल जलाने या पटाखों पर जोरदार बहस के बावजूद, यह सड़क की धूल है, जो साल भर निलंबित कणों का आधा हिस्सा है।

सैन्य अभियान के लिए किया जा रहा अस्पताल परिसर का दुरुपयोग : इजराइल

- इसराइल के सतही हमले विरुद्ध अमरीकी राष्ट्रपति के सुरक्षा आग्रह पर इजरायल का दावा

तेल अवीव (एजेंसी)। इजरायल-हमास के बीच करीब डेढ़ महीने से जारी युद्ध थमता नजर नही आ रहा है। वहीं इजरायली सेना अब सतही हमले तेज कर दिये है। इस दिशा में इजरायली बल गाजा के सबसे बड़े अस्पताल अल-शिफा के नीचे चल रहे संदिग्ध हमास कमांड सेंटर को तबाह कर दिया। अल-शिफा अस्पताल की सुरक्षा को लेकर अमेरिका ने इजरायल से अनुरोध किया है। खुफिया जानकारी और आवश्यकता के आधार पर आईडीएफ बल शिफा अस्पताल में एक विशेष क्षेत्र में हमास के खिलाफ एक सटीक और टारगेट अभियान चला रहे हैं।' संयुक्त राष्ट्र का अनुमान है कि अल-शिफा अस्पताल में कम से कम 2,300 मरीज, कर्मचारी और विस्थापित नागरिक अंदर हैं, जो कई दिनों की भीषण लड़ाई और हवाई बमबारी में फंसे हुए हैं।

प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि अस्पताल के अंदर स्थिति भयावह है। अस्पताल के गलियारों में कई परिवार रह रहे हैं। जहां सड़ती लाशों की दुर्गंध आ रही थी। अस्पताल के निदेशक मोहम्मद अबू सल्मिया ने बताया कि अस्पताल परिसर में शव बिखरे हुए हैं जिन्हें सामूहिक कब्र में दफनाने के लिए मजबूर किया गया था। उन्होंने अनुमान लगाया कि सात नवजात समेत अब तक 179 शवों को दफनाया जा चुका है। इन शिशुओं की मृत्यु तब हुई जब उनके इनक्यूबेटरों ने बिजली बंद कर दी।

अस्पताल के संबंध में अमेरिकी राष्ट्रपति के सुरक्षा आग्रह पर इजरायल ने दावा किया कि अस्पताल परिसर का दुरुपयोग सैन्य अभियान के लिए किया जा रहा है जिसके चलते पूरा अस्पताल खतरे में है।

आईडीएफ ने एक बयान में कहा कि 12 घंटे की चेतावनी के बावजूद हमास के लड़ाकों ने सैन्य अभियान बंद नहीं किया। व्हाइट हाउस ने मंगलवार को कहा कि अमेरिकी खुफिया सूत्रों ने इजरायल के इस दावे की पुष्टि की है कि हमास ने अस्पताल के नीचे एक ऑपरेशनल सेंटर को दबा दिया है।

मिडिल ईस्ट में अपने पैट्रियट मिसाइल डिफेंस सिस्टम को तैनात करेगा अमेरिका

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका ने मिडिल ईस्ट में अपने पैट्रियट मिसाइल डिफेंस सिस्टम की तैनाती करने का फैसला किया है। बीते कुछ दिनों में इराक और सीरिया में अमेरिकी सैनिकों पर हमले हुए हैं। अपने सैनिकों पर हमलों के बाद अमेरिका सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल रक्षा प्रणाली को मिडिल ईस्ट में तैनात करने जा रहा है। इस मिसाइल प्रणाली को पैट्रियट बैटरी के नाम से जाना जाता है। पिछले माह इराक और सीरिया में दर्जनों अमेरिकी सैनिकों पर हमले हुए हैं। इन हमलों के पीछे अमेरिका ने ईरान समर्थित आतंकी गुटों को जिम्मेदार माना है।

रिपोर्ट्स के मुताबिक पेंटागन ने बताया है कि आतंकवादी समूहों ने 17 अक्टूबर से अब तक अमेरिकी कर्मियों के घरों और दूसरे ठिकानों पर 50 से ज्यादा हमले किए हैं। ये हमले रॉकेट और ड्रोन से किए गए हैं। इसके बाद अमेरिका अपने सैनिकों और कर्मचारियों की सुरक्षा को लेकर चिंता में है। इसके बाद बाइडेन सरकार ने मिसाइस सिस्टम की तैनाती पर फैसला लिया गया है।

अमेरिकी रक्षा विभाग ने बताया है कि ईरान के समर्थित आतंकी संगठनों की ओर से किए गए हमलों के जवाब में रक्षा सचिव लॉयड जे. ऑस्टिन ने पैट्रिएट मिसाइल सिस्टम और मिडिल ईस्ट में ज्यादा बटालियनों की तैनाती भी शामिल है। रक्षा विभाग ने यह खुलासा नहीं किया कि वह कितनी पैट्रियट बैटरियां भेज रहा है और इनकी तैनाती की जगह क्या होगी। माना जा रहा है कि अमेरिका ने पहले से तैनात रक्षा प्रणालियों की संख्या को दोगुना कर दिया है।

मिसाइल रक्षा प्रणालियों का उत्पादन अमेरिकी सरकार के अनुबंधकर्ता रेथियॉन ने किया है। इस एक मिसाइल सिस्टम की लागत लगभग 1.1 बिलियन डॉलर है। कांग्रेसनल रिसर्च सर्विस (सीआरएस) की रिपोर्ट के अनुसार, इस समय 18 देश पैट्रियट सिस्टम संचालित करते हैं, जिसमें यूक्रेन भी शामिल है। पैट्रियट लंबी दूरी का एयर डिफेंस मिसाइल सिस्टम है। पैट्रियट को 1982 में पहली बार अमेरिकी सेना में शामिल किया गया था। पैट्रियट को पहली बार 1991 के फारस की खाड़ी में युद्ध के दौरान इस्तेमाल किया गया था। ये मिसाइल सिस्टम सऊदी अरब, कुवैत और इजराइल की मदद के लिए भी अमेरिका दे चुका है।

अमेरिका के बाद अब रुस बनाएगा सबसे शक्तिशाली फाइटर जेट एसयू-75

मॉस्को (एजेंसी)। अमेरिका के बाद अब रुस से खबर आई है तो वो एक ऐसा फाइटर जेट बनाने तो रहा है जो अत्याधुनिक होगा। इतना ज्यादा हाईटेक कि अमेरिका का नया फाइटर जेट भी पीछे रह जाएगा। इस आशय का एलान करते हुए रुस ने कहा कि रूस के पांचवीं पीढ़ी के फाइटर जेट के उत्पादन प्रक्रिया में एक बड़ा कदम है। दुबई एयरशो 2023 के दौरान रूस की हथियार बनाने वाली सरकारी कंपनी रोस्टेक स्टेट कॉरपोरेशन की तरफ से इस बात की जानकारी दुनिया को दी गई है।

रूस ने सिंगल-इंजन वाले सुखोई-75 चेकमेट स्टील्थ लड़ाकू विमान के शुरुआती डिजाइन में बदलाव किया है। इस फाइटर जेट की तुलना अब अमेरिका में बने एफ-35 लाइटनिंग से की जाने लगी है। एफ-35 और एसयू-75 के बीच तुलना अक्सर ही बहस का मसला रही है। डिफेंस एक्सपर्ट्स की मानें तो दोनों लड़ाकू विमान अलग-अलग देशों के हैं और अपने-अपने तरीके से काफी एडवांस्ड है। एफ-35 को अमेरिका और उसके सहयोगियों के लिए लॉकहीड मार्टिन ने तैयार किया है। यह जेट पांचवीं पीढ़ी का मल्टीरोल फाइटर जेट है जिसे हवा से हवा में होने वाले युद्ध, जमीनी हमले और जासूसी मिशनों में कामयाबी हासिल करने के मकसद से तैयार किया गया है। जबकि रूस के सुखोई की तरफ से बनने वाला जेट एसयू-75 अभी से इसके समकक्ष रखा जाने लगा है। चेकमेट लड़ाकू विमानों की विशेषता खुफिया क्षमता के अलावा, कम समय में दूर तक उड़ान भरने की क्षमता, इसकी इंजीनियरिंग और कम पैसों में तैयार हो जाना है। साल 2025 के अंत तक रूस इस जेट के प्रोटोटाइप को लॉन्च कर सकता है। रूस ने मॉस्को एयर शो 2021 के दौरान आधिकारिक तौर पर एसयू-75 चेकमेट की पहली झलक दुनिया को दी थी। एसयू-75 चेकमेट की स्पीड को सबसे ज्यादा कारगर बताया जा रहा है। यह जेट दो मैक की अधिकतम स्पीड के साथ 3000 किलोमीटर तक की उड़ान भर सकते हैं। साथ ही इस जेट का वजन 7.4 हजार किलोग्राम बताया जा रहा है। जेट को एक एक्टिव इलेक्ट्रॉनिक स्कैन, एईएसए रडार, एक 360-डिग्री ऑप्टिकल और रेडियो सर्विलांस सिस्टम, एक इंटर्नल इलेक्ट्रॉनिक जैमिंग सिस्टम, एक ऑप्टिकल विजन सिस्टम से लैस किया जाएगा।

जेल में बंद इमरान की दो और मामलों में गिरफ्तारी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान गोपनीय दस्तावेज लीक मामले में पहले से ही अदियाला जेल में बंद हैं। इसके बाद जवाबदेही अदालत ने एक और गिरफ्तारी वारंट जारी किया है। अदालत ने अदियाला जेल अधीक्षक को वारंट तामील कराने का निर्देश दिए हैं। खबरों के मुताबिक जवाबदेही अदालत के न्यायाधीश मोहम्मद बशीर द्वारा गिरफ्तारी वारंट की पुष्टि की गई है। इमरान खान अगस्त में गिरफ्तारी के बाद से गोपनीय दस्तावेज लीक मामले में अदियाला जेल में बंद हैं। अल-कादिर ट्रस्ट मामला 190 मिलियन पाउंड यानी करीब 50 अरब रुपये के हस्तांतरण का है, जो ब्रिटेन की राष्ट्रीय अपराध एजेंसी ने एक पाकिस्तानी प्रॉपर्टी डीलर से रकम वसूलने के बाद पाकिस्तान भेजा था। उस समय प्रधानमंत्री होने के नाते, खान ने इसे राष्ट्रीय निधि में जमा करने के बजाय, व्यवसायी को कुछ साल पहले उच्चतम न्यायालय द्वारा लगाए गए लगभग 450 अरब रुपये के जुर्माने को आंशिक रूप से निपटाने के लिए राशि का उपयोग करने की अनुमति दी थी। बताया जाता है कि इसके बदले में प्रॉपर्टी डीलर ने पंजाब के झेलम जिले के सोहावा क्षेत्र में अल-कादिर विश्वविद्यालय की स्थापना के लिए खान और उनकी पत्नी बुशरा बीबी द्वारा स्थापित ट्रस्ट को लगभग 57 एकड़ जमीन उपहार में दी. डॉन की खबर में कहा गया है कि सोमवार को सुनवाई के दौरान, जज ने पहले एनएबी अभियोजक से दो मामलों में जमानत याचिकाओं पर पुन- विचार करने के लिए खान की अपील की स्थिति के बारे में पूछा था. अभियोजक ने बताया कि याचिकाएं इस्लामाबाद उच्च न्यायालय (आईएचसी) में लंबित हैं और अब तक कोई प्रतिबंधात्मक आदेश जारी नहीं किया गया है। अदालत ने तोशाखाना उपहार मामले में भी खान की गिरफ्तारी के लिए वारंट जारी किया था, जो उस मामले से अलग है जिसमें उन्हें अगस्त में दोषी ठहराया गया था और गिरफ्तार किया गया था लेकिन बाद में जमानत दे दी गई थी। वह मामला तोशाखाना से मिले उपहारों की बिक्री से प्राप्त आय को छिपाने के लिए पाकिस्तान के चुनाव आयोग द्वारा दायर किया गया था। नवीनतम गिरफ्तारी वारंट एनएबी द्वारा दायर मामले में जारी किया गया।

संयुक्त राष्ट्र तंत्र 21वीं सदी की भू-राजनीतिक वास्तविकताओं के बोझ तले चरमरा रहा: भारत

तेल अवीव (एजेंसी)। भारत ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र तंत्र, खासतौर पर सुरक्षा परिषद 21वीं सदी की भू-राजनीतिक वास्तविकताओं के बोझ तले चरमरा रहे हैं। उसने रेखांकित किया महासभा को बहुपक्षवाद के माध्यम से अंतरराष्ट्रीय मुद्दों को हल करने के उद्देश्य से संयुक्त राष्ट्र के केंद्रीकरण को बहाल करने के लिए नेतृत्व करना चाहिए। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी मिशन में काउंसलर प्रतीक माथुर ने मंगलवार को कहा कि भारत ने लगातार इस दृष्टिकोण की वकालत की है कि महासभा में एक बार फिर तभी जान फूंकी जा सकती है, जब संयुक्त राष्ट्र के मुख्य विचार-विमर्श, नीति-निर्धारण और प्रतिनिधि अंग के रूप में उसकी स्थिति का पूरी तरह सम्मान किया जाए। महासभा के कार्य में पुनः जान फूंकने के विषय पर संयुक्त राष्ट्र महासभा की पूर्ण बैठक को संबोधित करते हुए माथुर ने कहा, 'हमें यह स्वीकार करना चाहिए कि कुछ दोष महासभा और उसके सदस्य देशों का है, जिन्होंने सभी देशों की सामूहिक आवाज होने के बावजूद इसकी प्रासंगिकता को कम होने दिया।'

उन्होंने कहा कि एक ''बढ़ती धारणा'' है कि महासभा धीरे-धीरे अपनी मूलभूत जिम्मेदारियों से दूर हो गई है और प्रक्रियाओं से अभिभूत हो गई है। माथुर ने कहा, 'इसके अलावा, सुरक्षा परिषद में विषयगत मुद्दों पर चर्चा करने के प्रयासों ने भी महासभा की भूमिका और अधिकार को कमजोर कर दिया है।' उन्होंने कहा कि भारत का मानना है कि बहुपक्षवाद, पुनर्संतुलन, निष्पक्ष वैश्वीकरण और बहुपक्षवाद में सुधार को लंबे समय तक स्थगित नहीं रखा जा सकता है। माथुर ने कहा, 'फिर भी, जब हम बात कर रहे हैं तो हम संयुक्त राष्ट्र तंत्र, खास तौर पर सुरक्षा परिषद को 21वीं सदी की भू-राजनीतिक वास्तविकताओं के बोझ तले चरमराते देखते हैं, जिसके परिणामस्वरूप कुछ जिम्मेदारियां महासभा की ओर मुड़ गई हैं। इससे हमें अधिक मुखरता मिली है।

सुरक्षा परिषद की स्थिति के विपरीत ग्लोबल साउथ की आवाज एक दुर्जेय शक्ति है।' 'ग्लोबल साउथ' शब्द का इस्तेमाल आम तौर पर आर्थिक रूप से कम विकसित देशों को संदर्भित करने के लिए किया जाता है। ज्यादातर 'ग्लोबल साउथ' देश औद्योगीकरण वाले विकास की दौड़ में पीछे रह रह गए। इनका उपनिवेश वाले देश के पूंजीवादी और साम्यवादी सिद्धांतों के साथ विचारधारा का भी टकराव रहा है। माथुर ने इस बात पर जोर दिया कि महासभा को वैश्विक एजेंडा तय करने और अंतरराष्ट्रीय मुद्दों को हल करने के वास्ते बहुपक्षीय दृष्टिकोण तैयार करने में संयुक्त राष्ट्र के केंद्रीकरण को बहाल करने के लिए नेतृत्व करना चाहिए।

सचिन की भविष्यवाणी हुई सच, कोहली ने ही तोड़ा उनका महारिकॉर्ड

बनाया शतक का अर्धशतक

मुंबई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट के स्टार खिलाड़ी विराट कोहली ने आईसीसी क्रिकेट वर्ल्ड कप 2023 के सेमीफाइनल मुकाबले में न्यूजीलैंड के खिलाफ जैसे ही शतक पूरा किया, विराट ने इतिहास रच दिया। कोहली ने मैंच में वनडे में अपना 50वां शतक जड़ दिया। वह वनडे में 50 शतक लगाने वाले दुनिया के पहले बल्लेबाज बन गए हैं। उनके पहले मॉस्टर ब्लास्टर सचिन तेंदुलकर के नाम 49 वनडे शतक थे। कोहली के शतक के साथ पूरा मैदान जश्न में डूब गया। इसके अलावा वर्ल्ड कप में उनका यह 5वां शतक था। रोहित शर्मा वर्ल्ड कप में 7 शतकों के साथ टॉप पर हैं। सचिन ने जब रिटायरमेंट लिया था और सचिन से पूछा गया था कि उनका रिकॉर्ड कौन तोड़ेगा, तब उन्होंने कोहली और रोहित शर्मा का नाम लिया था। बहरहाल, करीब 10 साल बाद कोहली ने सचिन की उस भविष्यवाणी को साकार कर दिया है।

कोहली के मौजूदा कैलेंडर ईयर में 6 शतक हो गए हैं। जिस तरह की फॉर्म में वह चल रहे हैं, उस देखकर लगाता हैं कि वह कैलेंडर ईयर में भी सबसे ज्यादा शतकों का रिकॉर्ड अपने नाम कर सकते हैं। इसके पहले उन्होंने कैलेंडर ईयर में 6 शतक साल 2017 और 2018 में बनाए थे। साथ ही न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे वर्ल्ड कप में शतक बनाने वाले वह दूसरे भारतीय बल्लेबाज हैं। उनके पहले सुनील गावस्कर ने उस कारनामे को अंजाम दिया था।

श्रेयस अय्यर ने सेमीफाइनल मुकाबले में जड़ा सबसे तेज शतक

मुंबई (एजेंसी)। भारतीय टीम के खिलाड़ियों ने मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में खेले जा रहे मुकाबले में धमाकेदार पारी खेली है। विराट कोहली के सेमीफाइनल मुकाबले में लगाए गए ऐतिहासिक शतक के बाद श्रेयस अय्यर ने भी बेहतरीन और धुंआधार पारी खेली है। इस मैच में श्रेयस अय्यर अपने शानदार बैटिंग की बदौलत महफिल लूटने में सफल रहे है। विश्व कप के सेमीफाइनल मैच में श्रेयस अय्यर ने न्यूजीलैंड के गेंदबाजों की धज्जियां उड़ा दी। विश्व कप मैच के सेमीफाइनल मैच में श्रेयस अय्यर ने ऐसा खेल दिखाया कि हर तरफ उनकी शतकीय पारी की चर्चा हो रही है। श्रेयस अय्यर ने सिर्फ 67 गेंदों में ही टूर्नामेंट में लगातार दूसरा शतक जड़ दिया है। श्रेयस अय्यर का ये शतक कई मायनों में बेहद खास रहा है।

न्यूजीलैंड के खिलाफ खेले गए सेमीफाइनल मैच में श्रेयस अय्यर लगातार शानदार लय में दिखे। अय्यर ने खुलकर अपने शॉट्स खेले और न्यूजीलैंड के गेंदबाजों की धज्जियां उड़ाई। इस मैच में श्रेयस अय्यर ने सिर्फ 35 गेंद में अपना अर्धशतक पूरा किया। अर्धशतक पूरा करने के बाद श्रेयस अय्यर का बल्ला जोरदार तरीके से चला। अगली 32 गेंद में ही उन्होंने 50 रन ठोक डालें। इस तरह सेमीफाइनल जैसे अहम मुकाबले में श्रेयस अय्यर ने 67 गेंद में अपना शतक पूरा कर लिया।

इस शतक को लगाने के साथ ही श्रेयस अय्यर विश्व कप के नॉकआउट मैच में सबसे तेज शतक लगाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। श्रेयस अय्यर से पहले यह रिकॉर्ड ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज एडम गिलक्रिस्ट के नाम था। एडम गिलक्रिस्ट ने 16 साल पहले यह रिकॉर्ड बनाया था। ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज ने 2007 में श्रीलंका के खिलाफ 72 गेंद में अपना शतक पूरा किया था। भैया अब नॉकआउट मैच में सबसे तेज शतक लगाने का रिकॉर्ड श्रेयस अय्यर के नाम हो गया है।

चोटिल होने के बावजूद टेम्बा बावुमा ने नेट पर बहाया पसीना

कोलकाता (एजेंसी)। टेम्बा बावुमा भले ही खराब फॉर्म और पैर की मांसपेशियों की चोट से परेशान हों, लेकिन दक्षिण अफ्रीका के कप्तान ने गुरुवार को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वाले विश्व कप सेमीफाइनल से पूर्व काफी असहज होने के बावजूद लंबे ट्रेनिंग सत्र में हिस्सा लिया। दक्षिण अफ्रीका के अधिकांश खिलाड़ियों ने वैकल्पिक अभ्यास सत्र में हिस्सा नहीं लेने का फैसला किया, तब वहीं बावुमा ने दाई जांघ पर पट्टी बांधकर ट्रेनिंग की।

उन्होंने फिटनेस ड्रिल करने के अलावा मैदान के कुछ चक्कर भी लगाए और विकेटों के बीच दौड़ का अभ्यास भी किया। इस दौरान बावुमा कई बार असहज नजर आए और उन्होंने टीम फिजियो सिजवे हादेबे और स्ट्रैंथ एवं अनुकूलन कोच रुनेशन मूडले को भी इसकी जानकारी दी। लगभग 15 मिनट वार्म अप के बाद वह नेट पर आए और एक स्टंप के साथ बल्लेबाजी की। उन्होंने लगभग 30 मिनट तक गेंदबाजों का सामना किया। अभ्यास सत्र के बाद बावुमा निजी कार में संभवत- स्कैन के लिए निकल गए। टीम प्रबंधन ने उनकी चोट के बारे में कोई जानकारी नहीं दी है। बावुमा इंग्लैंड और बांग्लादेश के खिलाफ मुकाबलों के लिए उपलब्ध नहीं थे और उनकी गैरमौजूदगी में ऐडन मार्करम ने टीम की अगुआई की।

सेमीफाइनल खेले बिना विश्वकप से बाहर हो सकती हैं ऑस्ट्रेलिया

नई दिल्ली (एजेंसी)। वर्ल्ड कप 2023 का दूसरा नॉकआउट मुकाबला ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका के बीच गुरुवार 16 नवंबर को ईडन गार्डंस में खेला जाना है। 5 बार की चैंपियन टीम ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बुरी खबर आ रही है। ऑस्ट्रेलिया बिना सेमीफाइनल खेले टूर्नामेंट से बाहर हो सकती है। आईसीसी ने सेमीफाइनल और फाइनल के लिए रिजर्व-डे रखा है। मौसम विभाग के अनुसार कोलकाता में गुरुवार और शुक्रवार दोनों दिन बारिश की संभावना है। अगर बारिश के कारण दूसरा सेमीफाइनल नहीं होता है, तब नियम के अनुसार ऑस्ट्रेलिया की टीम फाइनल से बाहर होगी।

वर्ल्ड कप 2023 के नियम के अनुसार मैच पूरा होने के लिए दोनों टीम का कम से कम 20 ओवर खेलना जरूरी है। बारिश के कारण मैच रद्द होता है, तब दक्षिण अफ्रीका की टीम पॉइंट टेबल में ऑस्ट्रेलिया से ऊपर होने के कारण रविवार को होने वाले फाइनल में जगह बना लेगी। लीग चरण में भारत अपने सभी 9 मैच जीतकर शीर्ष है। जबकि दक्षिण अफ्रीका दूसरे और ऑस्ट्रेलिया तीसरे नंबर पर रहा। मौसम विभाग के क्षेत्रीय निदेशक गणेश दास ने बताया कि गुरुवार को हल्की बारिश होने की संभावना है। दिनभर बादल छाए रहने और शाम को बारिश हो सकती है। दिन आगे बढ़ने के साथ बारिश थोड़ा तेज हो सकती है। शुक्रवार को अधिक तेज बारिश होने की संभावना है। ऑस्ट्रेलिया और द.अफ्रीका इससे पहले 2 बार सेमीफाइनल में भिड़ चुके हैं। 1999 के बीच खेला गया मुकाबला टाई रहा था, लेकिन लीग राउंड में जीत मिलने के कारण कंगारू टीम फाइनल में जगह बनाने में कामयाब रही थी। वहीं 2007 में वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल में कंगारू टीम ने साउथ अफ्रीका को 7 विकेट से मात दी थी। इसके बाद साउथ अफ्रीका इस बार बदला लेना भी चाहेगी। वर्ल्ड कप में अब तक ऑस्ट्रेलिया और साउथ अफ्रीका का 7 बार आमना-सामना हुआ हैं। दोनों ही टीमों को 3-3 मैच में जीत मिली, जबकि एक मुकाबला टाई रहा।

एटीपी फाइनल्स : घरेलू सितारे सिनेर ने शीर्ष रैंकिंग वाले नोवाक जोकोविच को हराया

तूरिन - इटली के यानिक सिनेर ने एटीपी फाइनल्स में शीर्ष रैंकिंग वाले नोवाक जोकोविच को पहली बार हराकर अपने घरेलू दर्शकों को उत्साह से भर दिया। सिनेर ने तीन घंटे तक चले मैच में 7.5, 6.7, 7.6 से जीत दर्ज की। 22 वर्ष के सिनेर की जोकोविच पर चार मैचों में यह पहली जीत है। इसके साथ ही जोकोविच का 19 मैच का विजय अभियान भी खत्म हो गया। सिनेर ने रविवार को पहले मैच में स्टेफानोस सिटसिपास को हराया था। अब उनका सामना होल्गर रूने से होगा जिन्हें पहले मैच में जोकोविच ने मात दी थी।

रवि शास्त्री ने बताया 19 को इन दो टीमों के बीच हुआ फाइनल

मुंबई । मौजूदा आईसीसी क्रिकेट विश्व कप 2023 में भारत और न्यूजीलैंड के बीच पहला सेमीफाइनल खेला जा रहा हैं। वहीं ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका 16 नवंबर को दूसरे सेमीफाइनल होना हैं। इसके पहले दिग्गज क्रिकेटर रवि शास्त्री और रिकी पोंटिंग ने क्रिकेट के महाकुंभ को लेकर अपने विचार साझा किए। शास्त्री ने अपने दो फाइनलिस्टों का खुलासा कर 19 नवंबर को अहमदाबाद में होने वाले शिखर मुकाबले में भारत और ऑस्ट्रेलिया के फाइनल्स में खेलने की बात कही। शास्त्री ने कहा, 08 अक्टूबर को भारत के टूर्नामेंट के पहले मैच के दौरान, मैंने कहा था कि यह फाइनल का ड्रेस रिहर्सल है। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि ये दोनों टीमें फाइनल में भी भिड़ती नजर आएगी। इस बीच महान ऑस्ट्रेलियाई कप्तान रिकी पोंटिंग ने कहा, दूसरे सेमीफाइनल में टॉस एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा क्योंकि भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच खेल के दौरान देखा कि जैसे-जैसे खेल आगे बढ़ा, पिच धीमी हो गई। इसलिए पहले बल्लेबाजी करने वाली टीम को फायदा होगा और टॉस महत्वपूर्ण होगा। आगे दोनों को भारत और न्यूजीलैंड की संयुक्त लाइन अप से एक खिलाड़ी चुनने के लिए कहा गया जिसे वे अपनी टीमों में चाहते हैं। जहां पोंटिंग ने भारत के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली को चुना, वहीं शास्त्री ने टूर्नामेंट में अब तक उनकी चतुर कप्तानी और शीर्ष पर उनकी विस्फोटक बल्लेबाजी के लिए भारतीय कप्तान रोहित शर्मा को चुना।

पाकिस्तान टीम को बड़ा झटका, बाबर आजम ने कप्तानी से दिया इस्तीफा, बोले- यह सही समय है

मुम्बई (एजेंसी)। पाकिस्तान के निराशाजनक विश्व कप 2023 अभियान के बाद, बाबर आजम ने तुरंत तीनों प्रारूपों में अपनी कप्तानी से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने इस फैसले की घोषणा सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स के जरिए की। अपने बयान में, बाबर ने अपने फैसले की कठिनाई व्यक्त की लेकिन इस बात पर जोर दिया कि उनका मानना है कि इस कदम के लिए यह सही समय है। उनका इरादा तीनों प्रारूपों में एक खिलाड़ी के रूप में पाकिस्तान का प्रतिनिधित्व जारी रखने का है और वह अपने अनुभव और प्रतिबद्धता से नए कप्तान और टीम का समर्थन करने का वादा करते हैं।

बाबर ने लिखा कि आज, मैं सभी प्रारूपों में पाकिस्तान के कप्तान के रूप में पद छोड़ रहा हूं। यह एक कठिन निर्णय है लेकिन मुझे लगता है कि यह इस कॉल के लिए सही समय है। मैं तीनों प्रारूपों में एक खिलाड़ी के रूप में पाकिस्तान का

प्रतिनिधित्व करना जारी रखूंगा। मैं अपने अनुभव और समर्पण से नए कप्तान और टीम का समर्थन करने के लिए यहां हूं। उन्होंने कहा कि मुझे वह क्षण अच्छी तरह से याद है जब मुझे 2019 में पाकिस्तान का नेतृत्व करने के लिए पीसीबी से कॉल आया था। पिछले चार वर्षों में, मैंने मैदान पर और बाहर कई उतार-चढ़ाव का अनुभव किया है, लेकिन मैंने पूरे दिल से और पूरी लगन से क्रिकेट की दुनिया में पाकिस्तान के गौरव और सम्मान को बनाए रखने का लक्ष्य रखा है।

बाबर ने यह भी लिखा कि सफेद गेंद प्रारूप में नंबर 1 स्थान पर पहुंचना खिलाड़ियों, कोचों और प्रबंधन के सामूहिक प्रयासों का परिणाम था, लेकिन मैं इस यात्रा के दौरान पाकिस्तान क्रिकेट प्रशंसकों के अटूट समर्थन के लिए उनका आभार व्यक्त करना चाहता हूं। मुझे यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपने के लिए मैं पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड को हार्दिक धन्यवाद देना चाहता हूं। इससे पहले बुधवार (15 नवंबर) को बाबर ने लाहौर में पीसीबी प्रमुख से मुलाकात की थी। वीडियो फिर से ऑनलाइन सामने आए जिसमें जका अशरफ से मुलाकात के बाद गद्दाफी स्टेडियम में पीसीबी मुख्यालय से निकलते समय बाबर की कार को प्रशंसकों और पत्रकारों द्वारा भीड़ में देखा गया।

शाहिद अफरीदी ने कहा, अब्दुल रज्जाक को जूत्ता खाने की आदत

कराची । पूर्व पाकिस्तानी क्रिकेटर शाहिद अफरीदी ने बॉलीवुड अभिनेत्री ऐश्वर्या राय के बारे में पूर्व क्रिकेटर अब्दुल रज्जाक की ताजा टिप्पणियों से शुरू हुए विवाद पर जोरदार प्रतिक्रिया देकर कहा कि रज्जाक को जूतों (खाने) का शौक है। शाहिद अफरीदी और उमर गुल की उपस्थिति में हुई इस घटना का सोशल मीडिया पर खूब विरोध हुआ था। आफरीदी जिसमें रज्जाक की टिप्पणियों का हंसकर और ताली बजाकर समर्थन किया था, ने बाद में मामले पर अपना रुख स्पष्ट किया। आफरीदी ने कहा कि वह रज्जाक के बयान से अनजान थे और घर पर क्लिप देखने के बाद ही उन्हें इसके बारे में पता चला। आफरीदी ने कहा मुझे पता था कि उसके हाथ में माइक था और वह कुछ कहेगा। जूतों से पीटने की आदत है। मैं बस रज्जाक को संदेश देकर कहूंगा कि माफी मांग लो। दरअसल रज्जाक ने शो के दौरान कहा था कि पाकिस्तान में खिलाड़ियों को विकसित करने और निखारने की हमारी मंशा अच्छी नहीं है। अगर आप सोचते हैं कि ऐश्वर्या राय से शादी करने से एक अच्छा और नेक बच्चा पैदा हो जाएगा तब यह गलत होगा, ऐसा कभी नहीं होगा। उमर गेल ने भी रज्जाक की टिप्पणी की निंदा की।

एईडब्लयू स्टार मारिया मे ने कराया हॉट फोटोशूट

मुंबई । एईडब्लयू स्टार मारिया मे फिर चर्चा में आ गई हैं। मे जिनका असली नाम मारिया मे मीड है, ने बीते दिनों ही ग्लैमर मैगजीन के लिए फोटोशूट करवाया था जिसमें उन्होंने अपने तन को सिर्फ गुलाब की पत्तियों से ढंका हुआ था। कामुक नजरों से कैमरे की ओर देख रही मे के उक्त फोटोशूट को उनके फैंस ने बेहद पसंद किया था। मारिया ने फोटोशूट के वक्त की एक वीडियो भी साथ में शेयर की थी। मे ने बीते दिनों ही एईडब्लयू को ज्वाइन किया था। अपनी ज्वाइनिंग से खुश मे ने एक इंटरव्यू के दौरान अपनी खुशी भी साझा की थी। उन्होंने कहा था कि वह एईडब्लयू में आकर बहुत उत्साहित हैं। मे ने कहा कि मैंने पूरी दुनिया में कुश्ती लड़ी है, मैं अभी जापान में स्टारडम से आई हूं और अब मैं एईडब्लयू महिला डिवीजन का हिस्सा बनने के लिए बहुत उत्साहित हूं। मारिया ने खुलासा किया कि वह अपनी आदर्श टोनी स्टॉर्म की वजह से एईडब्लयू में आई हैं क्योंकि वह उनसे काफी प्रभावित हैं। मे ने कहा, टोनी स्टॉर्म, मेरे यहां होने का कारण है। मैं जब जापान गई क्योंकि टोनी जापान में थी। अब टोनी एईडब्ल्यू में है, तब इसलिए अब मैं भी एईडब्ल्यू में हूं।

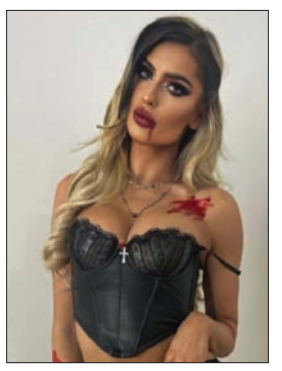

सिराज को हटाकर स्पिनर महाराज बने दुनिया के वनडे के नंबर एक गेंदबाज

-बल्लेबाजी में शुभमन गिल अभी शीर्ष पर

दुबई (एजेंसी)। भारतीय तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज को पछाड़कर दक्षिण अफ्रीका के स्पिनर केशव महाराज मंगलवार को दुनिया के नंबर एक एकदिवसीय गेंदबाज बन गए। सिराज एक हफ्ते तक ही शीर्ष रैंकिंग पर रहे। सिराज पाकिस्तान के शाहीन शाह अफरीदी को हटाकर 8 नवंबर को दुनिया के नंबर एक एकदिवसीय गेंदबाज बने थे लेकिन नवीनतम सूची में द.अफ्रीका के स्पिनर ने उनकी जगह ले ली है। महाराज ने एक नवंबर से विश्व कप के तीन मैच में सात विकेट चटकाए हैं, जिसमें न्यूजीलैंड के खिलाफ पुणे में चार विकेट भी शामिल हैं। सिराज और महाराज के बीच हालांकि सिर्फ तीन रेटिंग अंक का अंतर है। सिराज विश्व कप में अब तक भारत के पांचवें सबसे सफल गेंदबाज हैं। वह नौ मैच में 12 विकेट हासिल कर चुके हैं जिसमें 16 रन पर तीन विकेट उनका

सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और स्पिनर कुलदीप यादव रैंकिंग में क्रमश- चौथे और पांचवें स्थान पर हैं।

बुमराह नौ मैच में 17 विकेट के साथ मौजूदा विश्व कप में भारत के सबसे सफल गेंदबाज हैं। गेंदबाजी रैंकिंग में मोहम्मद शमी 12वें और रविंद्र जडेजा 19वें स्थान पर हैं। भारत के शुभमन गिल हालांकि बल्लेबाजी रैंकिंग में शीर्ष पर बने हुए हैं। पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम दूसरे स्थान पर हैं। गिल और उनके बीच आठ रेटिंग अंक का अंतर है। गिल ने विश्व कप में अब तक सात मैच में 270 रन बनाए हैं। स्टार बल्लेबाज विराट कोहली चौथे स्थान पर बरकरार हैं। वह नौ मैच में 2 शतक और 5 अर्धशतक से 594 रन बनाकर टूर्नामेंट के शीर्ष स्कोरर हैं। कप्तान रोहित शर्मा पांचवें जबकि श्रेयस अय्यर 13वें स्थान पर हैं। लोकेश राहुल ऑस्ट्रेलिया के स्टीव स्मिथ के साथ संयुक्त रूप से 17वें स्थान पर हैं। ऑलराउंडर की सूची में जडेजा 10वें स्थान पर हैं। बांग्लादेश के कप्तान शाकिब अल हसन शीर्ष पर चल रहे हैं। टखने की चोट के कारण टूर्नामेंट से बाहर हुए हार्दिक पंड्या 16वें स्थान पर खिसक गए हैं।

वानखेड़े स्टेडियम की पिच में बदलाव विवाद पर गास्वकर ने कहा, ऐसा कुछ नहीं जिस पर विवाद किया जाए

-माइकल वॉन ने कहा, सेमीफाइनल ताजा पिच पर होना चाहिए

नई दिल्ली (एजेंसी)। वर्ल्डकप 2023 के तहत भारत और न्यूजीलैंड के सेमीफाइनल से पहले, बीसीसीआई के कहने पर आखिरी मिनट में वानखेड़े स्टेडियम की पिच में बदलाव के आरोपों ने नए विवाद को हवा दे दी है। रिपोर्ट में दावा है कि भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड यानी बीसीसीआई ने सेमीफाइनल के लिए 'यूज्ड पिच' के साथ जाने का फैसला किया जबकि पहले यह 'ताजा पिच' पर खेला जाना था।

ब्रिटिश अखबार की रिपोर्ट के अनुसार, आईसीसी के पिच एडवाइजर एंडी एटकिंसन ने शुरुआत में वानखेड़े में सेमीफाइनल के लिए इस्तेमाल की जाने वाली अनयूज्ड पिच पर अंतिम मुहर लगा दी थी लेकिन बाद में फैसले को बदलकर मैच यूज्ड सरफेस पर करने का निर्णय हुआ। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि एटकिंसन ने आईसीसी को मामले में एक ई-मेल भी लिखा था। रिपोर्ट पर प्रतिक्रिया देकर बीसीसीआई के अधिकारी के हवाले से कहा गया है, आईसीसी का स्वतंत्र पिच एडवाइजर, मेजबान और आयोजन स्थलों के साथ उनके प्रस्तावित पिच आवंटन पर काम करता है और यह प्रक्रिया पूरे आयोजन के दौरान जारी रहती है।

इस बीच पिच बदलाव विवाद पर सुनील गावस्कर, माइकल वॉन के अलावा ऑस्ट्रेलिया के कप्तान पैट कमिंस की प्रतिक्रिया सामने आई है। गावस्कर ने कहा, यह पिच सभी टीमों के लिए है। मुझे नहीं लगता कि इस पर ज्यादा चर्चा होनी चाहिए कि यह पिच क्या करेगी या क्या नहीं? वैसे भी मेरा मानना है कि मौजूदा भारतीय टीम किसी भी तरह की तरह के सरफेस से निपटने में पूरी तरह से सक्षम है, यह आप अब तक टूर्नामेंट में देख भी चुके है। उन्होंने कहा, हां,इसमें थोड़ा बहुत स्पिन हो सकता है। लेकिन मुंबई की पिच आम तौर पर बैटिंग के लिए बहुत अच्छी होती है, इसके बाद मुझे नहीं लगता कि बहुत ज्यादा कोई मुद्दा होना चाहिए.'

ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान माइकल वॉन ने गावस?कर से अलग रुख रखकर लिखा, वर्ल्?डकप का सेमीफाइनल ताजा पिच पर होना चाहिए..यह सामान्य सी बात है। उधर, ऑस्ट्रेलिया के कप्तान पैट कमिंस ने मामले में सीधे तौर पर रिएक्ट करने से इनकार कर दिया है। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ गुरुवार को होने वाले दूसरे सेमीफाइनल से पहले कमिंस ने कहा, 'हां, मैंने रिपोर्ट देखी हैज्आईसीसी के पास एक स्वतंत्र पिच क्यूरेटर है जो इसका प्रबंधन करता है। मुझे यकीन है कि वे यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि यह दोनों टीमों के लिए उचित हो।

फीफा विश्व कप के लिए चीन की खोज शुरु

शेनझेन । फीफा विश्व कप के लिए चीन की पुरुष राष्ट्रीय फुटबॉल टीम ने अपनी खोज शुरू कर दी है। चीन का लक्ष्य 2026 में संयुक्त राज्य अमेरिका, कनाडा और मैक्सिको में होने वाले टूर्नामेंट में जगह बनाना है। प्राप्त जानकारी के मुताबिक चीनी टीम एशियाई क्वालीफायर में थाईलैंड के खिलाफ अपने आगामी मैच से पहले अपने अंतिम प्रशिक्षण शिविर के लिए दक्षिणी शहर शेनझेन में एकत्र हुई है। टीम के मुख्य कोच अलेक्जेंडर जानकोविच ने टीम को उसके एकमात्र दूसरे विश्व कप के लिए क्वालीफाई करने में विश्वास व्यक्त किया, जिसमें पहला विश्व कप 2002 में था।अलेक्जेंडर जानकोविच ने कहा, मुझे और भी अधिक आत्मविश्वास महसूस हो रहा है क्योंकि मैं टीम, खिलाड़ियों और टीम के आसपास के सभी शानदार लोगों से मिला। सभी का मनोबल शानदार है। हम सबकी नजर विश्व कप पर है। हमारे पास ऐसे खिलाड़ी हैं जो टीम के लिए पूरी ताकत लगाने के लिए तैयार हैं। जानकोविच ने क्वालीफायर से पहले वू लेई, वू शी और वेई शिहाओ सहित 24 सदस्यीय टीम का चयन किया है। सर्बियाई ने खुलासा किया कि उनकी टीम में एक खिलाड़ी के लिए निरंतर तीव्रता सबसे महत्वपूर्ण गुण है। फरवरी में चीन के मुख्य कोच के रूप में नियुक्त किए गए जानकोविच ने टीम को अभ्यास मैचों में तीन जीत, दो ड्रॉ और तीन हार दिलाई है।

सालार को लेकर काफी चर्चाओं में प्रभास

सुपर स्टार प्रभास आजकल अपनी आगामी फिल्म सालार को लेकर काफी चर्चाओं में हैं। इसी बीच उनके फैंस को 'सालार' के ट्रेलर का इंतजार था। दिवाली के मौके पर मेकर्स ने फैंस को तोहफा दिया और इसके ट्रेलर रिलीज की डेट का ऐलान कर दिया गया है।

सोशल मीडिया पर होम्बल फिल्म्स की ओर से फिल्म का एक पोस्टर शेयर किया गया है, जिसमें प्रभास को एक्शन मोड में देखा जा सकता है। वो हाथ में गन लिए हुए नजर आ रहे हैं। इसे शेयर करने के साथ ही फिल्म के ट्रेलर रिलीज का ऐलान किया गया है। दीवाली के मौके पर फैंस को तोहफा दिया गया है। होम्बल फिल्म्स के ट्विटर हैंडल से शेयर किए गए फिल्म के पोस्टर में लिखा गया है कि 1 दिसंबर, 2023 को इसका ट्रेलर रिलीज किया जाएगा। प्रभास की फिल्म सालार का पोस्टर मेकर्स ने शेयर करने के साथ ही लिखा, धमाकेदार सेलिब्रेशन के लिए तैयार हो जाइए। 1 दिसंबर को शाम 7.19 बजे सालार का ट्रेलर रिलीज किया जाएगा। आप सभी को दीवाली की ढेर सारी शुभकामनाएं। इस ऐलान के बाद फैंस फिल्म के लिए काफी एक्साइटेड हो गए हैं। अब मूवी के ट्रेलर के लिए लोगों की एक्साइटमेंट और भी बढ़ गई है।बॉक्स ऑफिस पर प्रभास की फिल्म सालार शाहरुख खान की डंकी से टकराएगी। दोनों फिल्मों को एक ही दिन यानी कि 22 दिसंबर, 2023 को सिनेमाघरों में रिलीज किया जाएगा। दोनों ही फिल्मों को लेकर लोगों में काफी क्रेज देखने के लिए मिल रहा है। डंकी का टीजर पहले ही रिलीज किया जा चुका है। अब ट्रेलर का इंतजार है। सालार और डंकी को लेकर लोगों के बीच जबरदस्त एक्साइमेंट है। ऐसे में देखना दिलचस्प होगा कि बॉक्स ऑफिस पर कौन सी फिल्म बाजी मारती है। बहरहाल, इसके अलावा प्रभास की फिल्मों की बात की जाए तो एक्टर को आखिरी बार फिल्म आदिपुरुष में देखा गया था।

इसके जरिए उन्हें एक्ट्रेस कृति सेनन के साथ स्क्रीन शेयर करते हुए देखा गया था। फिल्म को दर्शकों से नेगेटिव रिस्पांस मिला था और ये बॉक्स ऑफिस पर भी डिजास्टर रही थी। ऐसे में अब लोगों को सालार का इंतजार है। बता दें कि सालार 22 दिसम्बर को पूरे भारत में प्रदर्शित होने जा रही है। इस फिल्म का शाहरुख खान की डंकी से सीधा मुकाबला है। पहले इसे सितंबर में रिलीज किया जाना था लेकिन, इसे पोस्टपोन कर दिया गया था और अब दिसंबर में क्रिसमस के मौके पर रिलीज किया जाएगा।

मृणाल और बादशाह ने थामा एक-दूसरे का हाथ

अभिनेत्री मृणाल ठाकुर और रैपर बादशाह की खास तस्वीर ने सभी का ध्यान अपनी ओर खींचा। पार्टी का एक वीडियो, जिसमें मृणाल को रैपर के साथ दिखाया गया है, वायरल हो गया है, जिससे दोनों के एक-दूसरे को डेट करने की अटकलें लगने लगी हैं।

वायरल वीडियो में मृणाल ठाकुर और बादशाह हाथ पकड़कर बॉलीवुड अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी कुंद्रा की दिवाली पार्टी से बाहर निकलते दिख रहे हैं। रेडिट पर इसे शेयर करते हुए एक शख्स ने लिखा, मृणाल और बादशाह शिल्पा की दिवाली पार्टी में, क्या वे डेटिंग कर रहे हैं? जल्द ही, कई लोगों ने क्लिप पर प्रतिक्रिया व्यक्त की। मृणाल ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर बादशाह और होस्ट शिल्पा शेट्टी के साथ उनकी भव्य दिवाली पार्टी की एक तस्वीर भी साझा की। कैप्शन में लिखा: दो पसंदीदा। बादशाह ने इसे अपनी इंस्टाग्राम स्टोरीज पर भी रीपोस्ट किया। वीडियो में मृणाल को हरे रंग का एथनिक आउटफिट पहने देखा जा सकता है। वीडियो में एक्ट्रेस के पीछे चल रहे बादशाह को काले कुर्ते में देखा जा सकता है।

एक रेडिट यूजर ने लिखा, एक जोड़े के रूप में मैंने उनसे बिल्कुल भी उम्मीद नहीं की थी। वाह। वास्तव में वाह। दूसरे ने कहा, क्या वह शादीशुदा नहीं है और उनका एक बच्चा भी है? बादशाह की पहली शादी जैस्मिन मसीह से हुई थी। उन्होंने 2020 में तलाक ले लिया। इससे पहले मृणाल तब सुर्खियों में आई थीं जब एक अवॉर्ड शो के दौरान तेलुगु प्रोड्यूसर अल्लू अरविंद ने उन्हें आशीर्वाद दिया था। अल्लू अरविंद का आशीर्वाद प्रकट होने के लिए जाना जाता है। कार्यक्रम के दौरान अल्लू अरविंद ने अभिनेत्री को उनकी शादी के लिए आशीर्वाद दिया और कामना की थी कि वह शादी के बाद हैदराबाद शहर में बस जाएं।

उन्हें सीता रामम के लिए मृणाल को सर्वश्रेष्ठ महिला अभिनेत्री का पुरस्कार देना था। कार्यक्रम में अरविंद ने मृणाल को जल्द शादी करने का आशीर्वाद दिया। उन्होंने कहा: 'मुझे उम्मीद है कि उसे जल्द ही एक पति मिल जाएगा। मैं चाहता हूं कि वह हैदराबाद में बस जाएं। तब से मीडिया रिपोर्टों ने अभिनेत्री को एक तेलुगु स्टार से जोड़ा जा रहा है। हालांकि, मृणाल के प्रतिनिधि ने साझा किया था कि अभिनेत्री की शादी अभी तय नहीं हुई है।

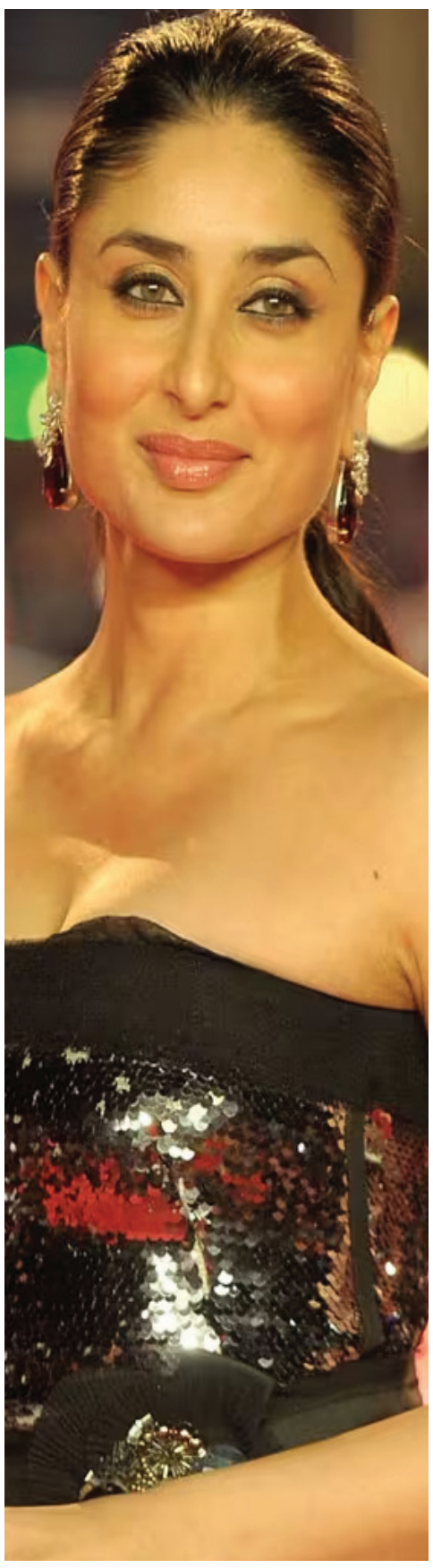

करीना कपूर ने किया खुलासा, पांच साल तक सैफ के साथ लिव-इन रिलेशनशिप रही थीं

बॉलीवुड एक्ट्रेस करीना कपूर कभी सोशल मीडिया पर अपनी पोस्ट को लेकर तो कभी अपनी आने वाली फिल्म को लेकर हमेशा चर्चा में रहती हैं। करीना के काम की जितनी चर्चा हुई, उतनी ही उनकी निजी जिंदगी की भी चर्चा हुई। हाल ही में एक इंटरव्यू में एक्ट्रेस ने अपनी लव लाइफ के बारे में खुलकर बात की और करीना ने खुलासा किया कि शादी से पहले वह 5 साल तक सैफ अली खान के साथ लिव-इन रिलेशनशिप में थीं।

वर्ष 2004 में अभिनेता सैफ अली खान ने पूर्वाश्रमी की पत्नी अमृता सिंह को तलाक दे दिया। तीन साल बाद सैफ की जिंदगी में करीना आईं। वर्ष 2007 में फिल्म 'टशन' में काम करने के दौरान सैफ और करीना को प्यार हो गया और कुछ साल बाद उन्होंने शादी कर ली, लेकिन इससे पहले दोनों पांच साल तक लिव-इन रिलेशनशिप में रहे। करीना ने यह सभी बातें एक इंटरव्यू में कहीं। करीना कपूर ने कहा कि 'हमने शादी की क्योंकि हम एक बच्चा चाहते थे। हम पांच साल तक लिव-इन में रहे। फिर हमने अगला कदम उठाया।

आगे बच्चों की परवरिश के बारे में बात करते हुए करीना ने कहा कि हम दोनों के एक जैसा व्यवहार करते हैं। हम उन्हें वैसे जीने देते हैं, जैसे वे जीना चाहते हैं। वे अपना रास्ता खुद चुनते हैं। मेरी जिंदगी जो भी हो, मैं उनके सामने जीती हूं। मैं उनके साथ सबकुछ करना चाहता हूं। हमें खुश रहना चाहिए, तभी वे फलेंगे-फूलेंगे। इस बीच सैफ अली खान और करीना कपूर के दो बच्चे हैं। करीना ने वर्ष 2016 में तैमूर को जन्म दिया था। इसके बाद करीना ने वर्ष 2021 में अपने दूसरे बच्चे को जन्म दिया, इनका नाम जेह अली खान है।

ऐश्वर्या रजनीकांत निर्देशित लाल सलाम का टीज़र रिलीज़

दिवाली के शुभ अवसर पर, लाइका प्रोडक्शंस के तहत ऐश्वर्या रजनीकांत के निर्देशन में बनी फिल्म लाल सलाम की टीम ने एक गहन और मनमोहक टीज़र का अनावरण किया। यह भारतीय तमिल भाषा का खेल नाटक, ऐश्वर्या रजनीकांत द्वारा लिखित और निर्देशित और सुबास्करन अल्लिराजाह के बैनर लाइका प्रोडक्शंस द्वारा निर्मित है, जिसमें विष्णु विशाल और विक्रांत मुख्य भूमिकाओं में हैं, जिसमें खुद रजनीकांत द्वारा एक उल्लेखनीय विस्तारित कैमियो है। सुपरस्टार रजनीकांत ने अपने प्रशंसकों और फिल्म प्रेमियों को रोमांचित करते हुए फिल्म के टीज़र का अनावरण करने से पहले दिवाली की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। टीज़र मुंबई में होने वाली घटनाओं को स्पष्ट रूप से चित्रित करता है, जो क्रिकेट-केंद्रित सेटिंग में हिंदुओं और मुसलमानों के बीच झड़पों के नतीजों पर प्रकाश डालता है। यह दो उत्साही क्रिकेट प्रेमियों की कहानी बताती है - एक हिंदू, दूसरा मुस्लिम - जो अपनी धार्मिक असमानताओं से प्रेरित होकर क्रिकेट के मैदान पर दुश्मनी और ईर्ष्या को बढ़ावा देते हैं।कहानी का सार रजनीकांत द्वारा चित्रित मोइनुद्दीन भाई और बढ़ते तनाव को हल करने की उनकी खोज के इर्द-गिर्द घूमती है। टीज़र में परस्पर विरोधी समुदायों के बीच संवाद और सुलह प्रयासों में शामिल होकर क्षेत्र में शांति बहाल करने के लिए मोइनुद्दीन भाई के संघर्ष को दिखाया गया है।

सुशांत सिंह राजपूत से ब्रेकअप के बाद अंकिता लोखंडे का खुलासा

'बिग बॉस' का 17वां सीजन दिन पर दिन दिलचस्प होता जा रहा है। इस इवेंट में एक्ट्रेस अंकिता लोखंडे अपने पति विक्की जैन के साथ शामिल हुई हैं। अंकिता ने दिवंगत अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत को डेट किया था। इस शो में वह अक्सर सुशांत के बारे में बात करती नजर आती हैं।

अंकिता और सुशांत ने आमतौर पर अपने करियर की शुरुआत एक साथ की थी। सीरियल 'पवित्र रिश्ता' ने उन्हें काफी पॉपुलर बना दिया। साथ काम करते-करते उन्हें प्यार हो गया और उन्होंने सात साल तक एक-दूसरे को डेट किया। अंकिता ने खुलासा किया है कि उन्होंने ढाई साल तक सुशांत का इंतजार किया ताकि ब्रेकअप के बाद सब ठीक हो जाए। अंकिता ने कहा, 'ढाई साल से मैं उम्मीद कर रही थी कि सब कुछ ठीक हो जाएगा। लेकिन नहीं हुआ, मेरे पास घर पर हम दोनों की बहुत सारी तस्वीरें थीं। और उस दिन मैंने मूवऑन होने फैसला किया और मां से कहा कि सारी तस्वीरें डिलीट कर दूं। मैंने कहा कि पिछली जगह किसी और के जीवन में आने के लिए खाली कर देनी चाहिए।'

जैसा कि अंकिता ने बताया, उसकी मां ने सारी तस्वीरें खींच लीं और फाड़ दीं। 'मैंने अपनी मां से कहा कि जब तक वह (सुशांत) यहां है, मेरी जिंदगी में कोई नहीं आ सकता। मैंने तस्वीरें नहीं लीं, मैंने बस अपनी माँ को बताया। मैं अपने कमरे में गयी, मेरी माँ ने तस्वीरें लीं और उन्हें फाड़ दिया। मैं उस दिन बहुत रोई। लेकिन वह हमारे रिश्ते का, इंतजार का अंत था। मैंने काफी देर तक उसका इंतजार किया, वह नहीं आया, फिर 6 महीने बाद विक्की मेरी जिंदगी में आया।'

कुछ दिनों पहले अंकिता ने 'बिग बॉस' में सुशांत के बारे में बात की थी। सुशांत से उनका रिश्ता एक ही रात में खत्म हो गया। वह एक दिन अचानक मेरी जिंदगी से चला गया। जैसे-जैसे उसे सफलता मिल रही थी, लोग उसे अपना मन बदलने के लिए बहुत कुछ कह रहे थे और वह उनकी बात सुन रहा था। अंकिता ने मुनव्वर को बताया। इस बीच, सुशांत के जाने के बाद विक्की उनकी जिंदगी में आए, उन्होंने कुछ सालों तक एक-दूसरे को डेट किया और दिसंबर 2021 में शादी के बंधन में बंध गए।

टाइगर 3 ने की रिकार्ड कमाई, गदर 2, केजीएफ जैसी सभी फिल्मों को छोड़ा पीछे

सलमान खान की फिल्म टाइगर 3 ने 2 दिन में 100 करोड़ रुपये से ज्यादा की कमाई करके सारे रिकार्डस तोड़ दिए है। फिल्म को उम्मीद से अच्छी ओपनिंग मिली थी। दूसरे दिन फिल्म फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर बंपर कमाई की और 57.50 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया। इसके साथ यह दूसरे दिन की लिस्ट में सिर्फ पठान से पीछे है। टाइगर 3 ने पहले ही दिन सलमान खान के कई पुराने रिकॉर्ड्स तोड़ दिए हैं। ट्रेड एक्सपर्ट्स उम्मीद कर रहे हैं कि गदर 2, पठान और जवान की तरह सलमान खान की फिल्म भी साल 2023 की बड़ी ब्लॉकबस्टर साबित होगी। फिल्म में कटरीना कैफ, सलमान खान की जोड़ी के साथ शाहरुख और ऋतिक का कैमियो दर्शकों को पसंद आ रहा है। टाइगर 3 दिवाली पर रिलीज हुई फिर भी सलमान खान भीड़ खींचने में कामयाब रहे। वाईआरएफ ने सोच-समझकर फिल्म 12 नवंबर को रिलीज की थी ताकि पूरे हॉलिडे वीक का फायदा मिल सके। यह तरकीब कामयाब होती दिख रही है। टाइगर 3 ने पहले दिन जो रिकॉर्ड्स तोड़े, उनमें दूसरे दिन 57.50 करोड़ रुपये के आसपास कमाई की है। दूसरे दिन सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्मों में यह दूसरे नंबर पर है। तीसरा नंबर 46.79 करोड़ के साथ केजीएफ का है। चौथे नंबर पर 46.23 करोड़ के साथ जवान है।

सलमान खान की फिल्म भारत ने ओपनिंग पर 42.30 करोड़ कमाए थे। वह उनका सबसे बड़ा नंबर था। अब टाइगर 3 ने सलमान का पिछला रिकॉर्ड

तोड़ दिया और पहले दिन उनकी मूवी ने 44.5 करोड़ रुपये कमा लिए। सलमान खान की फिल्म प्रेम रतन धन पायो दिवाली पर रिलीज हुई थी। इसने जबरदस्त ओपनिंग की थी। लक्ष्मी पूजा के बावजूद मूवी 40.35 करोड़ पर पहुंच गई थी। टाइगर ने इसका रिकॉर्ड तोड़ दिया। हिंदी भाषा की सबसे बड़ी ओपनिंग जवान के नाम है। मूवी ने 65.5 करोड़ रुपये कमाए थे। पठान की ओपनिंग 55 करोड़ थी। सलमान खान की फिल्म ने 44.5 करोड़ कमाए हैं। चौथे नंबर पर गदर 2 इसका कलेक्शन 40.10 करोड़ है।